राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

07 मुख्यमंत्री योगी ने दो ऑटोमोबाइल कंपनियों के....

विराट बस एक फोन काल दूर है 11

वर्ष : 17 | अंक : 117 | नई दिल्ली, गुरूवार, 20 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 42.0°C

न्यूनतम तापमान 32.3°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	55%
नहीं	35%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,53,390
चांदी	2,55,000
संसेक्स	76,909.68
निफ्टी	24,078.30

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री की मुफ्त कोचिंग पहल के क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा बैठक की

प्रात : किरण, एजेंसी

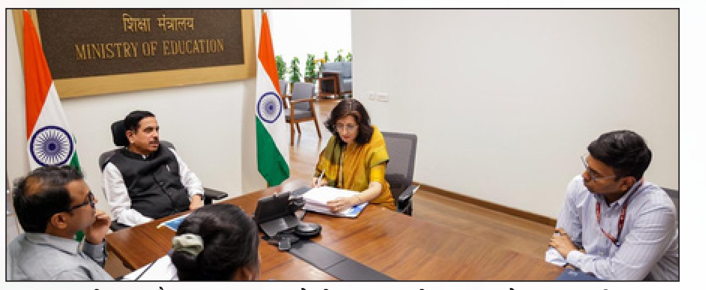

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बुधवार को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग पहल के क्रियान्वयन को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। इसका उद्देश्य प्रधानमंत्री की घोषणा को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए एक मजबूत और व्यापक राष्ट्रीय मंच तैयार करना रहा। जोशी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बैठक की जानकारी साझा करते हुए कहा कि सरकार का प्रयास ऐसा राष्ट्रीय मंच विकसित करना है, जिसके माध्यम से देशभर के विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली अध्ययन सामग्री, विशेषज्ञ शिक्षकों का मार्गदर्शन और प्रतियोगी परीक्षाओं की व्यवस्थित तैयारी उपलब्ध कराई जा सके। इस पहल के जरिए छात्रों को बेहतर शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण कोचिंग तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्र के नाम संबोधन में मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में निजी कोचिंग संस्थानों पर होने वाले भारी खर्च का उल्लेख करते हुए कहा था कि कोचिंग कक्षाएं गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ डालती हैं। सरकार विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग की व्यवस्था करेगी, ताकि आर्थिक स्थिति के कारण किसी प्रतिभाशाली विद्यार्थी को अवसर से वंचित न होना पड़े। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा था कि कई अभिभावकों के मन में यह धारणा रहती है कि यदि वे अपने बच्चों को कोचिंग कक्षाओं में नहीं भेजते हैं, तो उनका परिवार सामाजिक रूप से पीछे माना जाएगा। इसके कारण अनेक परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा बच्चों की प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी पर खर्च करते हैं। नई पहल का उद्देश्य इस दबाव को कम करना और छात्रों को घर से ही गुणवत्तापूर्ण तैयारी का अवसर उपलब्ध कराना है। मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग की व्यवस्था विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जो महंगे कोचिंग संस्थानों की फीस वहन नहीं कर सकते।

उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने 200 ईवी बसों लेडीज स्पेशल बस सेवा को दिखाई हरी झंडी

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को 200 नई इलेक्ट्रिक बसों, दिल्ली-करनाल अंतरराज्यीय ईवी-बस सेवा और लेडीज स्पेशल बस सेवा का हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही दिल्ली विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के राजघाट डिपो-क में ईवी चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन भी किया। यह ईवी चार्जिंग स्टेशन लगभग 5.50 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया है। इस मौके पर दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, स्थानीय विधायक सूर्य प्रकाश खत्री मौजूद रहे। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'शक्ति की सप्त-धारा' की सोच से प्रेरित ये पहल सस्टेनेबल मोबिलिटी को मजबूत करती हैं और साथ ही महिलाओं के सशक्तिकरण और सुरक्षा को भी बढ़ावा देती हैं। उन्होंने कहा कि पूरी तरह से महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित इन 'लेडीज स्पेशल बसों' में पैनिक बटन भी होंगे जो सीधे दिल्ली पुलिस की 112 पीसीआर सेवा से जुड़े होंगे, जिससे आपातकालीन स्थिति में तुरंत मदद मिल सकेगी। उपराज्यपाल ने कहा कि 'ईज ऑफ लिविंग', सस्टेनेबल मोबिलिटी और ह्यविकसित भारत 2047ह्न की राह पर एक साफ-सुथरे, हरे-भरे और सुरक्षित विकसित दिल्ली की दिशा में यह एक अहम कदम है। उल्लेखनीय है कि 200 नई ईवी बसों के डीटीसी के बेड़े में शामिल होने से बसों की कुल संख्या लगभग 6800 हो गई है, जिसमें 4938 इलेक्ट्रिक बसें और 1750 सीएनजी बसें शामिल है। इसे साथ ही डीटीसी ने दिल्ली-करनाल रूट पर पांच पूरी तरह से इलेक्ट्रिक, एयर-कंडीशन्ड बसें शुरू की है। यह बस सेवा लगभग 133 किलोमीटर लंबे वन-वे कॉरिडोर पर दोनों दिशाओं में रोजाना 10 ट्रिप की सुविधाएं देगी। यह रूट महाराणा प्रताप आईएसबीटी कश्मीरी गेट को सीधे हरियाणा के करनाल से जोड़ेगा, जिसमें सिंघू बॉर्डर, राय, भालगढ़, मुरथल, गन्नौर, समालखा, पानीपत, घरौंदा और मधुबन समेत कई महत्वपूर्ण स्थान शामिल है। ये बसें दिल्ली को बरौत, सोनीपत, धारूहेड़ा, पानीपत और रोहतक से जोड़ती हैं, जिससे जीरो-एमिशन वाले पब्लिक ट्रांसपोर्ट का नेटवर्क राजधानी दिल्ली की सीमाओं से बाहर तक फैल रहा है। महिलाओं की सुरक्षा, सुविधा और पहुंच को और ज्यादा बेहतर बनाने के लिए डीटीसी महिलाओं के लिए विशेष तौर पर 56 इलेक्ट्रिक बस सेवाएं शुरू की है। इनमें ज्यादा डिमांड वाले 15 रूटों पर 'लेडीज स्पेशल' की 30 ट्रिप और 13 रूट पर 'यूनिवर्सिटी लेडीज स्पेशल' (यू-एसपीएल) की 26 ट्रिप शामिल हैं। यूनिवर्सिटी लेडीज स्पेशल बस सेवा हिंदू कॉलेज, रामजस कॉलेज, दौलत राम कॉलेज, श्रीराम कॉलेज, एलएसआर, गार्गी कॉलेज, एआरएसडी, हंसराज कॉलेज, एसपीएम कॉलेज, देशबंधु कॉलेज और एजीजीएससीसी जैसे कई प्रमुख संस्थानों के लिए विशेष कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इको-सिस्टम को और ज्यादा मजबूत बनाने की कोशिशों के तहत डीटीसी ने राजघाट डिपो-कपर एक पब्लिक ईवी चार्जिंग स्टेशन भी बनाया है। लगभग 5.50 करोड़ रुपए की लागत से तैयार यह ईवी चार्जिंग स्टेशन शहर के ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

कोलकाता के एक होटल में मंगलवार देर रात भीषण आग लगने से 9 लोगों की दर्दनाक मौत

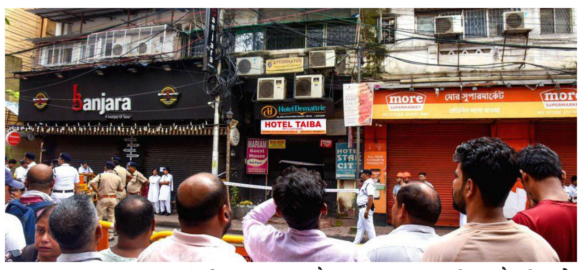

प्रात : किरण, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के मिर्जा गालिब स्ट्रीट पर स्थित एक होटल में मंगलवार देर रात करीब 2 बजे अचानक भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियां और आपदा प्रबंधन बल मौके पर पहुंचे, जिन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और करीब 60 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। शुरूआती जांच और हताहतों की जानकारी प्राथमिक रिपोर्ट के अनुसार, इस भयानक हादसे में जान गंवाने वाले 9 लोगों में छह पुरुष, दो महिलाएं और एक बच्चा शामिल हैं, जिनमें कुछ लोगों के बांग्लादेशी नागरिक होने की भी आशंका है। माना जा रहा है कि एयर कंडीशनर में शॉर्ट सर्किट के कारण यह आग फैली और घना धुआं कमरों में भर गया, जिससे यह बड़ी त्रासदी हुई। सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल दो दिन पहले तारापीठ के एक होटल में हुई ऐसी ही दुर्घटना के बाद, कोलकाता की इस घटना ने होटलों में फायर सेफ्टी के इंतजामों पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस और प्रशासन ने होटल के मैनेजर को हिरासत में लेकर फायर सेफ्टी नॉर्म्स, लाइसेंस और आपातकालीन निकास मार्गों की गहन जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त खबरें

सद्भावना दिवस: न चाहते हुए भी राजनीति में आए थे राजीव गांधी

नई दिल्ली। भारत एक प्राचीन देश, लेकिन एक युवा राष्ट्र है। मैं जवान हूं। मेरा भी एक सपना है। मेरा सपना है भारत को मजबूत, स्वतंत्र, आत्मनिर्भर, दुनिया के सभी देशों में से प्रथम रैंक में लाना और मानव जाति की सेवा करना ।ह्व ये देश के उस सबसे युवा प्रधानमंत्री के शब्द थे, जिनकी भूमिका भारत को आधुनिक, समृद्ध और सशक्त राष्ट्र बनाने में विशेष रही। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत को विश्व में वर्तमान स्थान दिलाया और इसीलिए उन्हें भारत में ह्यसूचना प्रौद्योगिकी का जनकह्न कहा जाने लगा था। यह कहानी है 40 वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री बनने वाले राजीव गांधी की, जिनकी जयंती को हर साल ह्यसद्भावना दिवसह्न के रूप में मनाया जाता है। 20 अगस्त 1944 को मुंबई (बम्बई) में जन्मे राजीव गांधी तब महज तीन साल के थे, जब भारत स्वतंत्र हुआ और उनके नाना स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री बने। बाद में उनके माता-पिता लखनऊ से नई दिल्ली आकर बस गए। राजीव गांधी ने अपना बचपन अपने नाना के साथ तीन मूर्ति हाउस में बिताया, जहां इंदिरा गांधी ने प्रधानमंत्री की परिचारिका के रूप में कार्य किया। वे कुछ समय के लिए देहरादून के वेल्हम स्कूल गए लेकिन जल्द ही उन्हें हिमालय की तलहटी में स्थित आवासीय दून स्कूल में भेज दिया गया। वहां उनके कई मित्र बने जिनके साथ उनकी आजीवन दोस्ती बनी रही। बाद में उनके छोटे भाई संजय गांधी को भी इसी स्कूल में भेजा गया, जहां दोनों साथ रहे। स्कूल से निकलने के बाद राजीव गांधी कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज गए लेकिन जल्द ही वे वहां से हटकर लंदन के इंपीरियल कॉलेज चले गए। उन्होंने वहां से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। यह तो स्पष्ट था कि राजनीति में अपना करियर बनाने में उनकी कोई रूचि नहीं थी। उनके सहपाठियों के अनुसार, उनके पास दर्शन, राजनीति या इतिहास से संबंधित पुस्तकें न होकर विज्ञान व इंजीनियरिंग की कई पुस्तकें हुआ करती थीं।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में सेना का अभियान 931 नागरिकों व 330 पशुओं का उपचार

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना, असम व पूर्वोत्तर के कई क्षेत्रों में आई बाढ़ के बीच उम्मीद का प्रतीक बनकर सामने आई है। यहां बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सेना ने 931 लोगों और 330 पशुधन को बाढ़ व उसके कारण उत्पन्न हालात से राहत प्रदान की है। बाढ़ के पानी के बीच आर्मी की चिकित्सा टीमें ऐसे स्थानों तक पहुंचीं, जहां फिलहाल किसी का भी पहुंचना मुश्किल था। यहां बाढ़ में फंसे पशुओं के लिए सेना ने अलग से विशेष मेडिकल कैंप लगाए। यहां बाढ़ के कारण मुश्किल परिस्थितियों से सेना ने एक ओर लोगों को सुरक्षित निकाला, वहीं सेना की चिकित्सा टीमों ने विभिन्न प्रभावित गांवों तक पहुंचकर 931 नागरिकों की आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रदान की हैं। यहां सेना द्वारा निःशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं। कई प्रभावित परिवारों के लिए यह शिविर ऐसे समय में पहुंचा, जब बाढ़ के कारण सामान्य स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचना चुनौतीपूर्ण हो गया था। बाढ़ का असर केवल इंसानों तक सीमित नहीं रहा। बड़ी संख्या में पशु भी इससे प्रभावित हुए। इसे देखते हुए सेना ने शिविर में पशु चिकित्सा सुविधा की भी व्यवस्था की। अभियान के दौरान 330 से अधिक बाढ़ प्रभावित पशुओं की जांच और उपचार किया गया। सेना के मुताबिक, 16 से 18 अगस्त तक असम के बरहोइटिंग, चिंतामणि घर और निमाईजान में विशेष मेडिकल अभियान आयोजित किए गए। इसमें स्थानीय एनसीसी कैडेटों और गैर-सरकारी संगठनों ने भी सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। ऐसे में बाढ़ ने जहां जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है, वहीं संकट की इस घड़ी में भारतीय सेना लोगों के लिए उम्मीद और मदद का सहारा बनकर सामने आई है। स्पीयर कोर के तहत सेना की इकाइयों ने शिवसागर जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों में व्यापक चिकित्सा एवं पशु चिकित्सा शिविर लगाकर सैकड़ों लोगों और उनके पशुओं तक जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाईं।

कैबिनेट ने बिहार में 3,590 करोड़ रुपए की महत्वपूर्ण सड़क परियोजना को दी मंजूरी

प्रात : किरण, एजेंसी

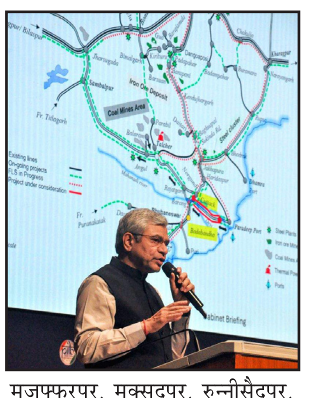

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने बुधवार को बिहार को भी एक बड़ा बुनियादी ढांचा उपहार दिया है। कैबिनेट ने मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी-सोनबरसा खंड के 82.578 किलोमीटर हिस्से को चार-लेन हाईवे में अपग्रेड करने को मंजूरी दी है। इस प्रोजेक्ट पर लगभग 3,591 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। मंत्रिमंडल के एक विज्ञप्ति में बताया कि यह सड़क परियोजना उत्तर बिहार के प्रमुख क्षेत्रों को बेहतर तरीके से जोड़ेगी और नेपाल सीमा के पास स्थित इलाकों तक पहुंच को आसान बनाएगी। इसके बनने से यात्रियों को बेहतर सड़क सुविधा मिलने के साथ-साथ व्यापार और माल परिवहन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सरकार के मुताबिक, इन परियोजनाओं का उद्देश्य रेल और सड़क परिवहन की क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ ट्रैफिक का दबाव कम करना और लोगों के लिए कनेक्टिविटी बेहतर करना है। कैबिनेट के मुताबिक, इससे मुजफ्फरपुर, मुक्सुदपुर, रुन्नीसैदपुर, थुम्मा, डुमरा, भुतही और सोनबरसा के घनी आबादी वाले इलाकों में भीड़भाड़ काफी कम हो जाएगी। मंत्रिमंडल के एक विज्ञप्ति में कहा गया है, एनएच-22 का मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी-सोनबरसा खंड रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, जो राष्ट्रीय माल ढुलाई ग्रिड से निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करता है। यह न केवल बरौनी जैसे औद्योगिक क्षेत्रों और नदी-आधारित लॉजिस्टिक्स हब से कनेक्टिविटी को बढ़ाता है, बल्कि पास के भीथामोर स्थित लैंड पोर्ट के माध्यम से सीमा पार यात्री और माल ढुलाई को भी मजबूत करता है। इसके अलावा, उन्नत कॉरिडोर पांच पीएम गति-शक्ति आर्थिक केंद्रों (चार औद्योगिक संपदा और एक मेगा फूड पार्क), चार सामाजिक केंद्रों (बाबा गरीबनाथ मंदिर, माता जानकी मंदिर, पुनाउरा धाम, मुजफ्फरपुर और सीतामढ़ी आकांक्षी जिले) और दो लॉजिस्टिक केंद्रों (मुजफ्फरपुर और सीतामढ़ी रेलवे स्टेशन) से कनेक्टिविटी को बढ़ाएगा। बेहतर संपर्क व्यवस्था से वस्तुओं और कृषि आपूर्ति श्रृंखलाओं की कुशल आवाजाही में सुविधा होगी, क्षेत्रीय आर्थिक विकास को समर्थन मिलेगा और बौद्ध सर्किट और ऐतिहासिक जानकी पुनाउरा धाम मंदिर, सीतामढ़ी जैसे महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों तक बेहतर पहुंच मिलेगी। मंत्रिमंडल के अनुसार, इस परियोजना को 100 किमी प्रति घंटे की गति और 80 किमी प्रति घंटे की औसत गति के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें कोई एट-ग्रेड मीडियन ओपनिंग नहीं है, जो तेज और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करता है।

अदाणी इलेक्ट्रिसिटी ने अपने बिजली वितरण क्षेत्रों में मानसून सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया

मुंबई। अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मानसून के मौसम में बिजली सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए अपने बिजली वितरण क्षेत्रों में बीएमसी स्कूलों और झुग्गी बस्तियों में ह्यमानसून सुरक्षा जागरूकता अभियानह्न आयोजित कर रही है। कुर्ला पश्चिम स्थित गणेशबाग बीएमसी मराठी सेमी-इंग्लिश स्कूल सहित अपने विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों, शिक्षकों और अदाणी इलेक्ट्रिसिटी के सुरक्षा अधिकारियों ने यह अभियान चलाया। अदाणी इलेक्ट्रिसिटी ने मानसून के मौसम की तैयारी के तहत आपदा प्रबंधन संबंधी अपनी तैयारियों को सक्रिय रूप से बढ़ाया है, जिसका उद्देश्य अपने 31.5 लाख ग्राहकों को संभावित व्यवधानों से सुरक्षित रखना है। मानसून के दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अदाणी इलेक्ट्रिसिटी ने अपना सेंट्रल डिजास्टर कंट्रोल सेंटर (सीडीसीसी) सक्रिय कर दिया है। यह महत्वपूर्ण केंद्र राहत और प्रतिक्रिया प्रयासों का समन्वय करता है और चौबीसों घंटे काम करता है, जिससे पूरे मानसून के दौरान त्वरित कार्रवाई और संचार सुनिश्चित हो सके। इससे पहले अदाणी इलेक्ट्रिसिटी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा था, हमारी टीम मानसून के मौसम से जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। प्रवक्ता ने कहा, हमारी क्विक रिस्पॉन्स टीमों और सेंट्रल डिजास्टर मैनेजमेंट टीम के सहयोग से हम अपने उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कंपनी ने बताया कि वितरण नेटवर्क में रणनीतिक रूप से सात क्विक रिस्पॉन्स टीमें (क्यूआरटी) तैनात की गई हैं। ये टीमें मानसून के मौसम में आने वाली चुनौतियों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई व्यापक प्रतिक्रिया, रिकवरी और बिजली आपूर्ति बहाली योजनाओं से लैस हैं। बढ़ते जलस्तर पर नजर रखने के लिए महत्वपूर्ण स्थानों पर 98 उन्नत जलस्तर सेंसर अब एडवांस्ड डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेंट सिस्टम से जोड़े गए हैं। इससे बाढ़ से जुड़ी बिजली संबंधी समस्याओं का पहले से अनुमान लगाने और उनसे निपटने की क्षमता बेहतर होगी। सीडीसीसी विभागों और बाहरी अधिकारियों के साथ निर्बाध संचार बनाए रखने के लिए अत्याधुनिक सैटेलाइट और वायरलेस तकनीकों, जिसमें वॉकी-टॉकी और रिमोट डिवाइस शामिल हैं, का इस्तेमाल करेगा।

यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट-2026 में जापानी कंपनियों के लिए एडवांस्ड....

जापानी तकनीक का लाभ छोटे किसानों तक पहुंचाएं, कृषि लागत घटाकर उत्पादकता बढ़ाएं : शिवराज सिंह चौहान

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश और जापान के बीच निवेश, तकनीक और औद्योगिक सहयोग को नई गति देने के उद्देश्य से आयोजित यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट-2026 में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि क्षेत्र में जापानी तकनीक और विशेषज्ञता का लाभ भारतीय किसानों तक पहुंचाने पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश को जापानी कंपनियों के निवेश के लिए मजबूत डेस्टिनेशन बताया। उन्होंने कहा कि भारत और जापान की साझेदारी केवल निवेश तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका लाभ किसानों, युवाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था तक पहुंचना चाहिए। भारत में विशाल बाजार, बड़ी युवा आबादी और कृषि क्षेत्र की व्यापक संभावनाएं हैं। ऐसे में जापान के साथ तकनीकी और औद्योगिक सहयोग से कृषि में नई संभावनाओं के द्वार खुल सकते हैं। उन्होंने जापानी उद्योग और संस्थानों से ऐसी तकनीक और मशीनरी विकसित करने का आग्रह

किया, जो छोटे और सीमांत किसानों के लिए भी उपयोगी और आसानी से उपलब्ध हो। उल्लेखनीय है कि यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट-2026 का आयोजन 18 से 23 अगस्त तक उत्तर प्रदेश और दिल्ली में किया जा रहा है। इसमें 200 से अधिक जापानी उद्योगपति, सीईओ, कारोबारी प्रतिनिधि और नीति-निमार्ता हिस्सा ले रहे हैं। यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट-2026 में जापानी कंपनियों के लिए एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, ग्रीन हाइड्रोजन, रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, सेमीकंडक्टर, ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्किल डेवलपमेंट और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में निवेश के अवसर प्रस्तुत किए जा रहे हैं। यूपी का महत्वपूर्ण पार्टनर है जापान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अपनी बड़ी कंज्यूमर मार्केट, कुशल मानव संसाधन, बेहतर कनेक्टिविटी, तेजी से विकसित होते इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश-अनुकूल नीतियों के कारण वैश्विक निवेश के लिए मजबूत डेस्टिनेशन बनकर उभरा है। जापान उत्तर प्रदेश का विशेष और महत्वपूर्ण पार्टनर है तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की हालिया जापान यात्रा ने दोनों पक्षों के संबंधों को और मजबूत किया है। उत्तर प्रदेश में शक्ति, परंपरा, प्रतिभा, इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, इनोवेशन और बड़े बाजार की क्षमता मौजूद हैं।

केंद्र सरकार 25 जुलाई के वादों पर कार्रवाई नहीं करती है, तो देशव्यापी आंदोलन होगा : सीजेपी

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने चेतावनी दी है कि यदि केंद्र सरकार 25 जुलाई को दिये गये आश्वासनों और वादों (जैसे प्रदर्शनकारियों पर दर्ज प्राथमिकी वापस लेना) पर तत्काल अमल नहीं करती है, तो पार्टी दो दिनों के भीतर देशव्यापी आंदोलन पर बड़ा फैसला लेगी। सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने दिन की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार से प्राथमिकी की एक संयुक्त सूची तीन बार मांगी लेकिन केंद्र के अधिवक्ता ने जानकारी देने का कोई वादा नहीं किया और इस कदम का विरोध किया। श्री दास ने इस घटनाक्रम को उन वादों से जोड़ा जो सरकार ने 25 जुलाई को किए थे, जब सीजेपी ने अपना देशव्यापी आंदोलन वापस ले लिया था। उनके अनुसार इन वादों में प्राथमिकी वापस लेना, प्रदर्शनकारियों को दंडात्मक कार्रवाई से बचाना और प्रभावित परिवारों को मुआवजा देना शामिल था। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय की ओर से संयुक्त सूची की मांग किये जाने से केंद्र और भाजपा/राजग शासित राज्यों द्वारा किये गये वादों को लागू करने में मदद मिल सकती है। उन्होंने दावा किया कि अदालत ने एक विकल्प भी सुझाया, जिसके तहत गंभीर आपराधिक अपराधों का इतिहास रखने वाले लोगों से जुड़ी प्राथमिकी की अलग से पहचान की जा सकती है, ताकि ऐसे मामलों पर उनके अलग-अलग आधारों पर विचार किया जा सके।उन्होंने सरकार के इरादों पर सवाल उठाते हुए कहा कि युवाओं को यह जानने का अधिकार है कि क्या 25 जुलाई के वादों को लागू किया जाएगा या वे केवल देशव्यापी आंदोलन को खत्म करने के लिए किये गये थे। सीजेपी नेता ने कहा कि संगठन ने संयम बरता है, सरकार के साथ अच्छे इरादों से बातचीत की है और वादों को पूरा करने के लिए पर्याप्त समय दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि पार्टी का धैर्य खत्म हो रहा है और कहा कि अगर सरकार 25 जुलाई के वादों को पूरा करने की दिशा में तत्काल और ठोस कदम नहीं उठाती है, तो सीजेपी अगले दो दिनों के भीतर अपनी राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक बुलायेगी।

उत्तराखंड बीजेपी में बढ़ता गढ़वाल का दबदबा! सरकार से संगठन तक मजबूत पकड़, पौड़ी बना पावर सेंटर

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड की सियासत में एक बार फिर गढ़वाल बनाम कुमाऊं का राजनीतिक संतुलन चर्चा के केंद्र में है. राज्य की सत्ता से लेकर बीजेपी संगठन और अब केंद्रीय संगठन में सामने आ रही नई जिम्मेदारियों तक नजर डालें तो गढ़वाल की मौजूदगी लगातार मजबूत होती दिखाई दे रही है. खास तौर पर पौड़ी गढ़वाल की राजनीतिक हैसियत पिछले कुछ समय में जिस तरह बढ़ी है उसने उत्तराखंड बीजेपी के भीतर सत्ता और संगठन के समीकरणों को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है.

सरकार में गढ़वाल क्षेत्र के कई प्रमुख चेहरे महत्वपूर्ण विभागों और जिम्मेदारियों के साथ मौजूद हैं. वहीं प्रदेश संगठन में भी पौड़ी से आने वाले नेताओं की भूमिका अहम होती जा रही है. अब केंद्रीय संगठन की टीम में उत्तराखंड से जिन चेहरों को जगह मिली है उनमें भी गढ़वाल और विशेष रूप से पौड़ी से जुड़े नेताओं की मौजूदगी इस राजनीतिक तस्वीर को और स्पष्ट करती है.

सरकार में गढ़वाल का मजबूत प्रतिनिधित्वः उत्तराखंड की मौजूदा बीजेपी सरकार के मंत्रिमंडल पर नजर डालें तो गढ़वाल क्षेत्र का प्रतिनिधित्व काफी प्रभावशाली दिखाई देता है. 10 मे से 8 मंत्री गढ़वाल से ही हैं. इसमें सतपाल महाराज, गणेश जोशी, धन सिंह रावत, सुबोध उनियाल, मदन कौशिक, भारत चौधरी और प्रदीप बत्रा जैसे प्रमुख बीजेपी नेता सरकार में अलग-अलग जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं. इनमें कई चेहरे लंबे समय से उत्तराखंड बीजेपी की राजनीति के बड़े स्तंभ माने जाते हैं. यही वजह है कि सरकार के राजनीतिक और क्षेत्रीय संतुलन पर चर्चा होती है तो गढ़वाल की हिस्सेदारी को नजरअंदाज करना मुश्किल है. हालांकि, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कुमाऊं से आते हैं. कुमाऊं क्षेत्र से रेखा आर्य और राम सिंह कैड़ा जैसे नेताओं की भी सरकार में अहम मौजूदगी है. मंत्रिमंडल के व्यापक राजनीतिक प्रभाव को देखें तो गढ़वाल के नेताओं की संख्या और उनका संगठनात्मक अनुभव इसे खासा वजन देता है. सरकार के बाद संगठन में भी गढ़वाल की धमकः अब तस्वीर सिर्फ सरकार तक सीमित नहीं है बीजेपी के केंद्रीय संगठन में नितिन नवीन की घोषित टीम में उत्तराखंड से तीन नेताओं को जिम्मेदारी मिलना राज्य की राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है. पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व सांसद तीरथ सिंह रावत, राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी और आलोक भट्ट तीनों का संबंध पौड़ी गढ़वाल से है. यह संयोग मात्र है या उत्तराखंड की राजनीति में गढ़वाल खासकर पौड़ी को मिल रही प्राथमिकता का संकेत इस पर राजनीतिक गलियारों में चर्चा स्वाभाविक है. ये धामी विरोधियों की वजह से भी है. वो लगातार इस बात का प्रचार करते हैं कि गढ़वाल की उपेक्षा हो रही है, इसी वजह से शायद गढ़वाल में एंटी इनकंबेंसी है. संगठन को मालूम है कि गढ़वाल में चुके तो फिर कोई नहीं बचा सकता है. जिसके कारण गढ़वाल पर अधिक फोकस है. केंद्रीय संगठन में जगह मिलना केवल व्यक्तिगत राजनीतिक कद का संकेत नहीं होता बल्कि कई बार यह पार्टी के भीतर किसी क्षेत्र की राजनीतिक उपयोगिता और वहां के नेताओं पर केंद्रीय नेतृत्व के भरोसे को भी दर्शाता है अब ये बीजेपी है यहा दिखता कुछ है ओर होता कुछ है पौड़ी लोकसभा सीट बीजेपी की पावर सेंटरः उत्तराखंड बीजेपी के मौजूदा राजनीतिक समीकरणों में सबसे दिलचस्प पहलू पौड़ी लोकसभा क्षेत्र की मजबूत होती पकड़ है. एक तरफ केंद्र में संगठन की नई टीम में पौड़ी से जुड़े तीन चेहरे दिखाई दे रहे हैं तो दूसरी तरफ राज्य सरकार में भी पौड़ी लोकसभा क्षेत्र से आने वाले कई प्रभावशाली नेता मौजूद हैं. सतपाल महाराज और धन सिंह रावत जैसे बड़े राजनीतिक चेहरे इसी लोकसभा क्षेत्र से आते हैं. भारत चौधरी भी इसी क्षेत्र की राजनीति में महत्वपूर्ण नाम है. इतना ही नहीं बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट भी पौड़ी लोकसभा क्षेत्र से आते हैं. यानी सरकार प्रदेश संगठन और केंद्रीय संगठन तीनों स्तरों पर पौड़ी से जुड़े चेहरों की मौजूदगी को एक साथ रखकर देखें तो यह क्षेत्र बीजेपी की राजनीतिक रणनीति में खास महत्व रखता हुआ नजर आता है।

नहर में समाई कार, वीडियो मिलते ही पुलिस ने सर्च अभियान किया शुरू

● डाकपत्थर से भी एक युवक लापता

देहरादून, एजेंसी। रात के अंधेरे में शक्ति नहर में कार गिरने की सूचना से पुलिस और एसडीआरएफ में मौके के लिए रवाना हुई। कार के हिस्सों और रगड़ के निशानों के बाद नहर में तलाश तेज कर दी गई है। मंगलवार देर रात कोतवाली क्षेत्र स्थित पुल नंबर दो के पास से शक्ति नहर में एक कार गिर गई। एसडीआरएफ की टीम कार की तलाश के लिए नहर में सर्च अभियान चला रही है। डाकपत्थर क्षेत्र से एक युवक भी लापता है। युवक के परिवार से जानकारी जुटा जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार देर रात सूचना मिली कि डाकपत्थर से विकासनगर की ओर से आ रही एक कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। सूचना पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची। हालांकि नहर में कार कहीं उतरती नजर नहीं आई। घटनास्थल पर पत्थर और झाड़ियों पर रगड़ के निशान बने थे। कार के बोनट का एक छोटा टुकड़ा भी घटनास्थल पर पड़ा था। इस बीच एक व्यक्ति ने पुलिस को नहर में डूबती कार का वीडियो दिखाया। हालांकि अंधेरा होने के चलते एसडीआरएफ की टीम को कार का सुराग नहीं मिल पाया। बुधवार सुबह एसडीआरएफ की टीम ने नहर में सर्च अभियान शुरू किया। कार का अब तक सुराग नहीं लग पाया है। कार में सवार लोगों की जानकारी भी पुलिस को उपलब्ध नहीं हुई है। सीओ विवेक कुटियाल ने बताया डाकपत्थर क्षेत्र से रात से एक युवक लापता है। नहर में सर्च अभियान चलाने के साथ युवक के परिजनों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

पीएम मोदी ने चाय तो हमने हरिद्वार बस अड्डे पर चाट बेची : हरक सिंह

देहरादून, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री डॉ.हरक सिंह रावत ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चाय बेची तो मैंने भी छात्र जीवन में हरिद्वार बस अड्डे पर चाट बेची है। जब पैसे नहीं थे तो दुकानदार के पास घड़ी गिरवी रख दी थी। रविवार को प्रेस क्लब में सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में कांग्रेस चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ.हरक सिंह रावत ने अपने संघर्ष को साझा किया। उन्होंने कहा, श्रीनगर में 11वीं की पढ़ाई कर रहा था, उस समय मैंने ट्रेन नहीं देखी थी। बिना घरवालों को बताए ।

टीईटी मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री से बात करेंगे सीएम धामी

देहरादून, एजेंसी। सहायक अध्यापक एलटी शिक्षकों के लिए टीईटी के प्रकरण पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी केंद्रीय शिक्षा मंत्री से बात करेंगे। यह कहना है राजकीय शिक्षक संघ के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष राम सिंह चौहान का।राजकीय शिक्षक संघ के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष राम सिंह चौहान शिक्षा निदेशक विनोद सिमल्टी के इस मसले पर आदेश के बाद मुख्यमंत्री धामी से मिले। शिक्षक संघ के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष ने कहा, मुख्यमंत्री को समस्या से अवगत कराए जाने पर उन्होंने कहा, सरकार हर हाल में इस मसले पर सकारात्मक निर्णय लेगी। जरूरत पड़ने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री से मुलाकात कर कोई सर्वमान्य समाधान निकाला जाएगा। चौहान ने कहा, टीईटी कक्षा छह से आठवीं तक के शिक्षकों के लिए है, लेकिन विभाग की ओर से अब कक्षा नौवीं और दसवीं के शिक्षकों को भी करने के लिए कहा जा रहा है।

12 करोड़ की ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी का मामला आया सामने, 160 लोगों को शिकार बनाने का आरोप

देहरादून, एजेंसी। हरादून के 160 लोगों से करीब 12 करोड़ रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। देहरादून रायपुर क्षेत्र में करीब 12 करोड़ रुपये की ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। श्रीकृष्ण विहार, नाथूवाला निवासी अनूप सिंह ने अपर सिविल जज (छठे), वरिष्ठ खंड, देहरादून की अदालत में प्रार्थना पत्र दाखिल कर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की है।याचिका में मुजफ्फरनगर निवासी लविश चौधरी उर्फ नवाब अली पर आरोप लगाया गया है कि उसने अलग-अलग प्लेटफॉर्म के माध्यम से निवेशकों को जोड़ा। आरोप है कि क्रिप्टो और फॉरेक्स ट्रेडिंग में हर महीने पांच से छह प्रतिशत तक रिटर्न का भरोसा देकर रकम निवेश कराई गई। बाद में निवेशकों की निकासी बंद कर दी गई। याचिका में देहरादून के 140 से 160 लोगों से करीब 12 करोड़ रुपये की ठगी का दावा किया गया है। शिकायतकर्ता ने रायपुर पुलिस और एसएसपी से शिकायत के बावजूद कार्रवाई न होने का आरोप लगाया है। अदालत से प्राथमिकी दर्ज कर जांच के निर्देश देने की मांग की गई है।

बाजपुर में भूस्खलन से बदरीनाथ हाईवे बंद, पहाड़ी दरकने से सिमली-ग्वालदम NII भी ठप, सैकड़ों यात्री फंसे

देहरादून, एजेंसी। चमोली जिले में सुबह बदरीनाथ हाईवे पर अचानक भूस्खलन हो गया। जिससे रास्ता बंद हैं। वहीं, कर्णप्रयाग में नारायणबगड़-नलगांव के बीच पहाड़ी दरकने से सिमली-ग्वालदम हाईवे भी ठप है।बदरीनाथ हाईवे चमोली बाजार के समीप बाजपुर में अवरुद्ध हो गया है। हाईवे पर चट्टान से भारी मात्रा में मलबा आ गिरा। यहां रह रहकर चट्टान से भूस्खलन हो रहा है।हाईवे के दोनों ओर से बदरीनाथ और हेमकुंड साहिब के यात्री व लोकल सवारियां फंसी हुई हैं। वहीं, बीएड की प्रवेश परीक्षा सुबह 11 बजे से होनी है, ऐसे में हाईवे बंद होने से अभ्यर्थी भी परेशान हैं। मार्ग अवरुद्ध होने से हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सूचना मिलते ही सीमा सड़क संगठन की टीम पोकलैंड व जेसीबी मशीनों के साथ मौके पर पहुंच गई है। बीआरओ के जवान और मजदूर मलबे व बोल्डरों को हटाकर हाईवे को सुचारू करने के कार्य में जुटे हुए हैं।

बाप-बेटे ने तलवार से किया हमला, युवकों का हाथ कटा

देहरादून, एजेंसी। पैसों के हिसाब-किताब को लेकर दो युवकों पर बाप-बेटे समेत तीन लोगों ने तलवार से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में एक युवक का हाथ करीब 90 प्रतिशत तक कट गया, जबकि दूसरे के हाथ और कोहनी में गंभीर चोट आई। घटना के बाद दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।शहर कोतवाली में दी गई तहरीर के अनुसार 13 अगस्त की रात करीब 12 बजे जसप्रीत सिंह ने रितिक मेहता और कार्तिक मेहता को पैसों के हिसाब-किताब के लिए पार्क रोड स्थित अपने घर के पास बुलाया था।

मेरे सपनों का उत्तराखंडः निबंध लेखन में विद्यार्थियों में दिखा उत्साह, अब तक 35 हजार ने पोर्टल पर अपलोड किए

देहरादून, एजेंसी। मेरे सपनों का उत्तराखंड पर निबंध लेखन में विद्यार्थियों में भारी उत्साह दिखाई दिया। अब तक 35 हजार विद्यार्थियों ने पोर्टल पर निबंध अपलोड किए हैं। 11 व 12वीं के विद्यार्थियों ने आठ विषयों पर फोकस किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आह्वान पर मेरे सपनों का उत्तराखंड निबंध लेखन अभियान में विद्यार्थियों ने उत्साह दिखाया है। सीएम विद्यार्थी मंथन डॉट कॉम पोर्टल पर अब तक 35 हजार से अधिक निबंध अपलोड किए गए हैं।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने 10 अगस्त को 11वीं 12वीं के करीब तीन लाख विद्यार्थियों के साथ ऑनलाइन मंथन किया था। उन्होंने विद्यार्थियों से राज्य के विकास में अपने दृष्टिकोण को निबंध के रूप में भेजने का आह्वान किया। निबंधों में पर्यटन, रोजगार, सामाजिक विकास, वन पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीकी जैसे विषय शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा था कि इन विचारों का अवलोकन कर उन्हें राज्य की नीति में शामिल किया जाएगा। 140 श्रेष्ठ विचार लिखने वाले विद्यार्थियों को शासन के सचिवों और मुख्यमंत्री के साथ विचार विमर्श का मौका मिलेगा। इन श्रेष्ठ विद्यार्थियों को परीक्षा तैयारियों के लिए छात्रवृत्ति भी दी जाएगी। अभियान को सरकारी और निजी स्कूलों के विद्यार्थियों का समर्थन मिल रहा है। हर मिनट राज्य के किसी न किसी कोने से निबंध पोर्टल पर अपलोड हो रहे हैं।

अभियान के संयोजक डॉ. राहुल अग्रवाल ने बताया कि ऐसा अभियान देश ने पहली बार हो रहा है, जिसमें जेन जी और अल्फा दोनों जेनरेशन हिस्सा ले रही है। 24 अगस्त तक निबंध को पोर्टल पर अपलोड करने की अंतिम तिथि है।

बच्चे की देखभाल में खुद का स्वास्थ्य भूल रही महिलाएं, बढ़ी फिशर की समस्या, ये सावधानी जरूरी

देहरादून, एजेंसी। बच्चे की देखभाल में महिलाएं खुद का स्वास्थ्य भूल रही है। इससे समस्या फिशर की समस्या बढ़ रही है।

प्रसव के बाद बच्चे की देखभाल में जुटी महिलाएं अक्सर अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर देती हैं। इसका असर फिशर जैसी समस्या के रूप में सामने आ रहा है। खानपान में अनियमितता, तनाव और पर्याप्त पानी न पीने के कारण महिलाओं में यह परेशानी बढ़ रही है।

राजकीय उपजिला चिकित्सालय की ओपीडी में फिशर की शिकायत लेकर रोजाना पांच से सात महिलाएं पहुंच रही हैं। चिकित्सकों के अनुसार, शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज करने के बजाय समय पर उपचार और दिनचर्या में सुधार जरूरी है।

राजकीय उपजिला चिकित्सालय में तैनात वरिष्ठ सर्जन डॉ. आकांक्षा ने बताया कि अस्पताल की ओपीडी में फिशर की शिकायत लेकर आने वाली महिलाओं की संख्या लगातार देखने को मिल रही है। डॉ. आकांक्षा के अनुसार, प्रसव के बाद कई महिलाएं अक्सर बच्चे की देखभाल में इतनी व्यस्त हो जाती हैं कि अपने स्वास्थ्य पर पर्याप्त ध्यान नहीं देती हैं।

दिनचर्या में बदलाव, नींद पूरी न होना, खानपान में बदलाव, तनाव, पानी का सेवन कम करना फिशर और बवासीर की समस्या को बढ़ा सकता है। ऐसे में प्रसव के बाद महिलाओं को अपने स्वास्थ्य को लेकर भी गंभीर रहने की जरूरत है। महिलाओं में स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं को सामाजिक संकोच के कारण छिपाने या टालने की प्रवृत्ति भी देखी जाती है। फिशर की समस्या में भी कई महिलाएं शुरुआती लक्षणों को गंभीरता से नहीं लेतीं। चिकित्सकों का कहना है कि दर्द या लगातार बनी रहने वाली परेशानी को सामान्य मानकर टालने के बजाय समय पर जांच और उपचार कराना चाहिए।

डॉ. आकांक्षा बताती हैं कि नॉर्मल डिलीवरी के दौरान पेल्विक क्षेत्र और गुदा पर अत्यधिक दबाव पड़ता है, जिससे फिशर का खतरा बढ़ जाता है। फाइबर की कमी और पानी कम पीने से मल सख्त हो जाता है, जिससे गुदा की त्वचा में कट लग जाते हैं। लगातार दस्त होने से भी गुदा क्षेत्र में जलन और त्वचा को नुकसान पहुंचता है। इसके अलावा तनाव, मोटापा और आंतों की बीमारी (जैसे- क्रोहन रोग) भी फिशर का कारण बन सकते हैं। डॉ. आकांक्षा बधानी बताती हैं कि फिशर जैसी समस्या से बचाव के लिए खानपान और दिनचर्या पर ध्यान देना जरूरी है। कहा कि पर्याप्त पानी पीने, संतुलित आहार लेने और कब्ज जैसी परेशानी को नजरअंदाज न किया जाए। लंबे समय तक दर्द या अन्य परेशानी बनी रहने पर स्वयं इलाज करने के बजाय चिकित्सकीय सलाह लेना बेहतर है।

प्रदेश में 104 हेल्थ हेल्पलाइन बन रही वरदान, एक दशक में कॉल सेंटर से बना प्रोएक्टिव हेल्थ सिस्टम

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में 104 हेल्थ हेल्पलाइन भी स्वास्थ्य सेवाओं का अहम माध्यम बन चुकी है। देहरादून में संचालित 104 कॉल सेंटर अब तक एक करोड़ 38 लाख से अधिक स्वास्थ्य संबंधी कॉल कर चुका है। यह व्यवस्था राज्य के सभी 13 जिलों में 27 स्वास्थ्य सेवाओं और कार्यक्रमों से जुड़े लाभार्थियों तक पहुंच बना रही है।

उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी अब सिर्फ अस्पतालों तक सीमित नहीं है। 104 हेल्थ हेल्पलाइन के जरिए मरीजों और लाभार्थियों से फोन पर सीधे संपर्क किया जा रहा है। उनकी स्वास्थ्य स्थिति, इलाज और जरूरी सेवाओं की जानकारी ली जा रही है। जरूरत के अनुसार उन्हें परामर्श भी दिया जाता है।झ्र मेडिकल, पुलिस और अग्निशमन सेवाओं के लिए 108 नंबर से लगभग हर कोई परिचित है। वहीं उत्तराखंड में 104 हेल्थ हेल्पलाइन भी स्वास्थ्य सेवाओं का अहम माध्यम बन चुकी है। पिछले एक दशक में यह सिर्फ लोगों की कॉल सुनने तक सीमित नहीं रही। अब इसके जरिए लाभार्थियों से खुद संपर्क कर उनके स्वास्थ्य और उपचार का फॉलोअप भी किया जाता है।

स्वास्थ्य निदेशालय, देहरादून में संचालित 104 कॉल सेंटर अब तक एक करोड़ 38 लाख से अधिक स्वास्थ्य संबंधी कॉल कर चुका है। यह व्यवस्था राज्य के सभी 13 जिलों में 27 स्वास्थ्य सेवाओं और कार्यक्रमों से जुड़े लाभार्थियों तक पहुंच बना रही है।

104 हेल्पलाइन की खासियत इसका प्रोएक्टिव ट्रैकिंग सिस्टम है। किसी मरीज के स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल में पंजीकरण के बाद संबंधित जानकारी 104 कॉल सेंटर तक पहुंचती है। इसके बाद जरूरत के अनुसार लाभार्थी से संपर्क कर उसकी स्वास्थ्य स्थिति और उपचार की जानकारी ली जाती है। गर्भवती महिलाओं के मामले में यह व्यवस्था काफी महत्वपूर्ण है। गर्भावस्था के तीसरे महीने से प्रसव तक टीकाकरण और जरूरी स्वास्थ्य सेवाओं का फॉलोअप किया जाता है। बच्चे के जन्म के बाद करीब डेढ़ वर्ष तक उसके स्वास्थ्य और टीकाकरण की स्थिति पर भी नजर रखी जाती है।

104 कॉल सेंटर आयुष्मान भारत, आशा कार्यकर्ता, बाल स्वास्थ्य, चारधाम यात्रा, काउंसलिंग, डेंगू, ई-संजीवनी, हीमोफीलिया, हेपेटाइटिस, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था, एचआईवी, एचपीवी, उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह, मातृ स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, टीबी और थैलेसीमिया समेत विभिन्न कार्यक्रमों से जुड़े लाभार्थियों से संपर्क करता है। इसके अलावा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम और एंटी रेबीज सेवाओं के तहत भी लाभार्थियों को जरूरी जानकारी और परामर्श दिया जाता है।

हरबंसवाला बैरियर पर पुलिस-बदमाश मुठभेड़, जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में लगी गोली

देहरादून, एजेंसी। चेन स्नैचिंग की घटना में वांछित चल रहा बदमाश आज पुलिस के हत्थे चढ़ गया। मुठभेड़ के दौरान उसके पैर में गोली लग गई। देहरादून बसंत विहार थाना क्षेत्र में देर रात हरबंसवाला बैरियर पर चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। बिना नंबर प्लेट की स्कूटी सवार को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह चेकिंग प्वाइंट से टी-स्टेट की ओर भाग निकला। पुलिस टीम ने पीछा किया तो बदमाश ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। घायल बदमाश की पहचान आकाश उर्फ तमंचा (27) निवासी शिवाजी एन्क्लेव, जैन प्लॉट, थाना रायपुर, देहरादून के रूप में हुई। उसे उपचार के लिए पहले प्रेमनगर चिकित्सालय भेजा गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। सूचना पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर भी घटना की जानकारी ली। पुलिस के अनुसार, घायल बदमाश 14 अगस्त को बसंत विहार क्षेत्र में वृद्ध महिला से हुई चेन स्नैचिंग की घटना में वांछित था।

तमक नाले में अतिवृष्टि; छह दिन से लापता बीआरओ के जवान की खोज में रेस्क्यू एवं सर्च अभियान जारी

देहरादून, एजेंसी। बीती दस अगस्त को अतिवृष्टि के कारण उफान पर आए तमक नाले में चीन सीमा को जोड़ने वाला बैली ब्रिज बह गया था। इस दौरान एक कर्मचारी भी लापता हो गया था, जिसकी तलाश जारी है। तमक नाले में अतिवृष्टि के कारण आए तेज पानी एवं मलबे की चपेट में आकर बहे बीआरओ के जवान की खोजबीन के लिए रेस्क्यू एवं सर्च अभियान जारी है। घटना में सीमा सड़क संगठन की 123 इकाई में तैनात चालक पंकज रुधौला तेज बहाव की चपेट में आने के बाद लापता हो गए थे। उनकी तलाश के लिए रेस्क्यू टीमें नाले के आसपास मलबे, जलधाराओं एवं अन्य संभावित स्थानों को चिन्हित कर सर्च अभियान चला रही हैं। लापता व्यक्ति की तलाश में दो एक्सकेवेटर, गढ़वाल राइफल्स के जवान तथा दो सर्च एंड रेस्क्यू डॉग, एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की टीमें भी अभियान में सक्रिय हैं। दुर्गम क्षेत्रों में संभावित स्थानों की निगरानी और सर्चिंग के लिए ड्रोन की भी सहायता ली जा रही है।

पिछले दस वर्ष में 14 हजार किमी से अधिक ग्रामीण सड़कें बनीं, केंद्र से और अधिक सड़कों की मांग

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के गांवों तक सड़क कनेक्टिविटी पहुंचाने की रफ्तार पिछले एक दशक में तेज हुई है। पीएमजीएसवाई के

पिछले दस वर्षों में उत्तराखंड के ग्रामीण इलाकों में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत 14372 किमी सड़कों का निर्माण हुआ है। सड़कों की यह लंबाई योजना के शुरू होने से 2016-17 तक बनी 7539 ग्रामीण सड़कों की लगभग दोगुनी है।

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) 2000-01 में शुरू हुई थी। 2014-15 तक इस योजना के अंतर्गत उत्तराखंड में 4525 किमी ग्रामीण सड़कों का निर्माण हुआ। 2015-16 में पहली बार एक वित्तीय वर्ष में एक हजार किमी से अधिक 1025 किमी ग्रामीण सड़कें बनीं। 2016-17 में राज्य में 1989 किमी पीएमजीएसवाई सड़कों का निर्माण हुआ। इस तरह योजना शुरू होने से लेकर 2016-17 तक राज्य में पीएमजीएसवाय योजना के अंतर्गत 7539 किमी सड़कें लोगों को मिलीं। वित्त वर्ष 2017-18 से राज्य में ग्रामीण सड़कों को बनाने के काम में तेजी आई। 2017-18 से पिछले वित्त वर्ष तक राज्य में 14,341 किमी ग्रामीण सड़कें बन चुकी हैं। इस वित्त वर्ष में अब तक बनी सड़कों की लंबाई जोड़ने के बाद ये करीब 14,372 किमी हो चुकी है। इसमें कोरोना काल का वह समय भी शामिल है जब सरकार ने अधिकतम लोगों को रोजगार देने के लिए ग्रामीण सड़कों के निर्माण को खूब प्रमुखता दी थी। इस योजना में 2019-20 में 2036 किमी, 2020-21 में 3365 किमी और 2021-22 में 2061 किमी सड़कें बनीं। इन तीन वर्षों में ही इस योजना में 7462 किमी सड़कें बनीं।

2013 से 2019 के बीच योजना में नई सड़कों को बनाने की बजाय पहले से बनी सड़कों के पुनर्निर्माण को प्राथमिकता दी गई। इससे इस दौरान सड़कों की लंबाई बहुत कम बढ़ी। 2019 से नई ग्रामीण सड़कों को बनाने पर अधिक ध्यान दिया गया, जिससे इस दौरान सबसे ज्यादा ग्रामीण सड़कें बनीं। 2024-29 में योजना के चौथे चरण में नई बस्तियों को इस योजना से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT. THIS DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. THIS PUBLIC ANNOUNCEMENT IS NOT INTENDED FOR PUBLICATION OR DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.

C3® LOGISTICS

(Scan this QR to view the Prospectus)

CREDENT CONNECT N CARE LIMITED

THE EQUITY SHARES OF THE COMPANY WILL GET LISTED ON THE SME PLATFORM OF THE NATIONAL STOCK EXCHANGE OF INDIA LIMITED ("NSE EMERGE")

Our Company was originally incorporated as a Private Limited Company under the name of **"Credent Cold Chain Logistics Private Limited"** on June 25, 2015 under the provisions of the Companies Act, 2013 with the Registrar of Companies, Delhi bearing **CIN: U63000DL2015PTC281994.** Further in order to align the name of our Company with the objects of the Company and, pursuant to Special Resolution passed by the shareholders at the Extra Ordinary General Meeting held on January 12, 2024, the name of our Company was changed from **"Credent Cold Chain Logistics Private Limited"** to **"Credent Connect N Care Private Limited"** and a fresh certificate of incorporation consequent upon Change of Name was issued by the Registrar of Companies, CPC vide certificate dated May 10, 2024 bearing **CIN: U63000DL2015PTC281994.** Further, pursuant to a special resolution passed by the shareholder at extra Ordinary General Meeting held on September 15, 2025, company has converted from Private Limited to public limited and name of the company was changed from **"Credent Connect N Care Private Limited"** to **"Credent Connect N Care Limited"** and a fresh certificate of incorporation consequent upon conversion into public limited was issued by the Registrar of Companies, CPC vide certificate dated October 28, 2025 bearing **CIN: U63000DL2015PLC281994.**

Registered Office: B-3, Second Floor, Nimri Commercial Complex, Ashok Vihar, Phase-4, New Delhi – 110 052, Delhi, India.
Tel.: +91-9971777199 ; **E-mail:** cs@c3logistics.co.in ; **Website:** https://c3logistics.co.in/
Contact Person: Arpita Abhilasha, Company Secretary & Compliance Officer

OUR PROMOTERS: ASHOK KUMAR SHARMA, KARAN SHARMA, TARUN SHARMA, DIMPLE SHARMA AND TANVEEN

Our Company has filed the Prospectus dated August 18, 2026 with ROC and Equity Shares are proposed to be listed on SME Platform of The National Stock Exchange of India Limited **("NSE EMERGE")** on Thursday, August 20, 2026.

"THE ISSUE IS BEING MADE IN ACCORDANCE WITH CHAPTER IX OF THE SEBI ICDR REGULATIONS (IPO OF SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES) AND THE EQUITY SHARES ARE PROPOSED TO BE LISTED ON SME PLATFORM OF THE NATIONAL STOCK EXCHANGE OF INDIA LIMITED ("NSE EMERGE")."

BRIEF DESCRIPTION OF THE BUSINESS OF THE COMPANY

Our company is a healthcare services provider engaged in delivering integrated logistics, workforce solutions, and technology-enabled support to healthcare institutions across India. We provide comprehensive operational and logistics services to diagnostic laboratories, In Vitro Diagnostics (IVD) companies, pharmaceutical companies, clinics, and other healthcare enterprises through end-to-end solutions. Our offerings majorly include home sample collection through trained phlebotomists; Operations & Supply Chain Services through stationed phlebotomy teams at laboratories and hospitals; deployment of skilled laboratory technicians and paramedical staff for internal operations; and specialized inter-state and intra-state logistics services. Our logistics solutions ensure temperature-controlled and Turnaround time (TAT) sensitive movement of blood samples and other healthcare products.

BASIS OF ALLOTMENT

INITIAL PUBLIC ISSUE OF UPTO 49,68,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10/- EACH (THE "EQUITY SHARES") OF CREDENT CONNECT N CARE LIMITED (FORMERLY KNOWN AS CREDENT COLD CHAIN LOGISTICS PRIVATE LIMITED) ("OUR COMPANY" OR "CREDENT" OR "THE ISSUER") AT AN ISSUE PRICE OF ₹ 189 PER EQUITY SHARE (INCLUDING SHARE PREMIUM OF ₹179 PER EQUITY SHARE) FOR CASH, AGGREGATING UP TO ₹ 9,389.52 LAKHS ("PUBLIC ISSUE") OUT OF WHICH 2,52,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH, AT AN ISSUE PRICE OF ₹ 189 PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING ₹ 476.28 LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY THE MARKET MAKER TO THE ISSUE (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE PUBLIC ISSUE LESS MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. ISSUE OF 47,16,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH, AT AN ISSUE PRICE OF ₹ 189 PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING UPTO ₹ 8,913.24 LAKHS IS HEREIN AFTER REFERRED TO AS THE "NET ISSUE". THE PUBLIC ISSUE AND NET ISSUE WILL CONSTITUTE 26.44% AND 25.10% RESPECTIVELY OF THE POST- ISSUE PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARE IS ₹10 AND ISSUE PRICE IS ₹189 EACH. THE ISSUE PRICE IS 18.90 TIMES THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARE.
ANCHOR INVESTOR ISSUE PRICE: ₹189 EQUITY SHARE.
THE ISSUE PRICE IS 18.90 TIMES THE FACE VALUE

BID/ ISSUE PERIOD

ANCHOR INVESTOR BIDDING DATE: WEDNESDAY, AUGUST 12, 2026
BID/ ISSUE OPENED ON: THURSDAY, AUGUST 13, 2026
BID/ ISSUE CLOSED ON: MONDAY, AUGUST 17, 2026

RISKS TO INVESTORS:

a) *We derive a significant portion of our revenue from operations from our top 10 customers with which we do not have any firm commitments. The loss of any one or more of our major customers would have a material adverse effect on our business, cash flows, results of operations and financial condition.*

b) *Our business is dependent on diagnostic and healthcare companies, and any reduction in their testing volumes, outsourcing requirements, or adverse sector developments could materially and adversely affect our business, financial condition, and results of operations.*

c) *We are exposed to risks relating to loss, damage, contamination or delay in transportation of diagnostic samples, which could result in client claims, financial liabilities and reputational harm.*

d) *Our business depends on service-level contracts with clients that are subject to renewal, renegotiation and termination, and our inability to maintain or renew such contracts on favourable terms could materially and adversely affect our business.*

e) *Our business is working capital intensive and trade receivables constitute a significant portion of our current assets. Any delay or failure in realisation of trade receivables could adversely affect our cash flows, liquidity and financial condition.*

f) *Our business is highly dependent on the availability and performance of a large, skilled and geographically dispersed workforce, and our inability to effectively manage, train and retain such personnel could adversely affect our operations.*

g) *Our operations depend on the continuous availability of specialised packaging materials and consumables, and any disruption in their supply or increase in their cost could adversely affect our service delivery and profitability.*

h) *Misconduct, fraud, negligence or theft by our field personnel could adversely affect our business, reputation and financial condition.*

i) *Our subsidiary companies has incurred losses and had a negative net worth in the past, and any future losses may adversely affect its financial condition and our consolidated results.*

j) *We rely on financing from banks or financial institutions to carry on our business operations, and inability to obtain additional financing on terms favorable to us or at all could have an adverse impact on our financial condition. If we are unable to raise additional capital, our business and future financial performance could be adversely affected.*

k) *The BRLM associated with the Issue has handled 64 Public Issues in the past three years, out of which 4 issues were closed below the Issue/Offer Price on listing date:*

Name of BRLM	Total Issue		Issue closed below IPO Price on listing date
	Mainboard	SME	
Hem Securities Limited	2	62	4 (SME)

l) Average cost of acquisition of Equity Shares held by the Promoters is

Sr. No.	Name of the Promoters	No. of Shares held	Average cost of Acquisition (in ₹)
1.	Ashok Kumar Sharma	36,58,950	-
2.	Karan Sharma	22,47,825	0.31
3.	Tarun Sharma	20,23,550	-
4.	Dimple Sharma	1,32,550	-
5.	Tanveen	35,38,125	-

m) The Price/ Earnings ratio based on Diluted EPS for Fiscal 2026 for the company at the upper end (₹189) of the Price Band is 13.55

n) Weighted Average Return on Net worth for Fiscals 2026, 2025 and 2024 is 29.03%.

o) The Weighted average cost of acquisition of all Equity Shares transacted in the last one year, 18 months and three years from the date of Prospectus is as given below:

Period	Weighted Average Cost of Acquisition (in ₹)	Cap Price (₹189) is 'X' times the Weighted Average Cost of Acquisition	Range of acquisition price: Lowest Price – Highest Price (in ₹)
Last 1-year preceding date of Prospectus	15.23	12.41	0-1576
Last 18 months preceding date of Prospectus	15.60	12.12	0-1576
Last 3-years preceding date of Prospectus	15.60	12.12	0-1576

p) The Weighted average cost of acquisition compared to Floor Price and Cap Price.

Types of transactions	Weighted average cost of acquisition (₹ per Equity Shares)	Floor price (i.e., ₹179)	Cap price (i.e., ₹189)
Weighted average cost of acquisition of primary/new issue.	1576*	0.11	0.12
Weighted average cost of acquisition for secondary sale/ acquisition.	187	0.96	1.01
Weighted average cost of acquisition of primary issuances / secondary transactions.	NIL	NIL	NIL

**Price adjusted after bonus issue is ₹30.90 per share.*

LISTING DATE: THURSDAY, AUGUST 20, 2026

The Issue was made through the Book Building Process, in terms of Rule 19(2)(b)(i) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended ("SCRR") read with Regulation 253 of the SEBI ICDR Regulations, as amended, wherein not more than 50% of the Net Issue was made available on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers ("QIBs", the "QIB Portion"), provided that our Company may, in consultation with the Book Running Lead Managers, allocated 60% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis in accordance with the SEBI ICDR Regulations **("Anchor Investor Portion")**, of which 40% of such Anchor Investor Portion was reserved for, (i) 33.33% was made available for allocation to domestic Mutual Funds, and (ii) 6.67% for life insurance companies and pension funds, subject to valid Bids have being received from domestic Mutual Funds, life insurance companies and pension funds at or above the Anchor Investor Allocation Price. In the event of under-subscription in (ii) above, the allocation was made to domestic Mutual Funds in accordance with the SEBI ICDR Regulations. Further, 5% of the Net QIB Portion was made available for allocation on a proportionate basis only to Mutual Funds, and the remainder of the Net QIB Portion was made available for allocation on a proportionate basis to all QIBs, including Mutual Funds, subject to valid Bids being received at or above the Issue Price. However, if the aggregate demand from Mutual Funds is less than 5% of the Net QIB Portion, the balance Equity Shares available for allocation in the Mutual Fund Portion was added to the remaining Net QIB Portion for proportionate allocation to QIBs. Further, not less than 15% of the Net Issue was made available for allocation on a proportionate basis to Non-Institutional Bidders (of which one third of the Non-Institutional Portion was reserved for Bidders with an application size of more than two lots and up to such lots equivalent to not more than ₹10 lakhs and two-thirds of the Non Institutional Portion was reserved for Bidders with an application size exceeding ₹ 10 lakhs) and undersubscription in either of these two sub-categories of Non-Institutional Portion was allocated to Bidders in the other subcategory of Non-Institutional Portion, subject to valid Bids have being received at or above the Issue Price and not less than 35% of the Net Issue was available for allocation to Individual Bidders in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids have being received at or above the Issue Price. All potential Bidders (except Anchor Investors) were required to mandatorily utilize the Application Supported by Blocked Amount ("ASBA") process providing details of their respective ASBA accounts, and UPI ID in case of Individual Bidders using the UPI Mechanism, if applicable, in which the corresponding Bid Amounts was blocked by the SCSBs or by the Sponsor Bank under the UPI Mechanism, as the case may be, to the extent of respective Bid Amounts. Anchor Investors were not permitted to participate in the Anchor Investor Portion of the Issue through the ASBA process. For details, see ***"Issue Procedure"*** beginning on page 271 of the Prospectus.

The investors are advised to refer to the Prospectus for the full text of the Disclaimer clause pertaining to NSE. For the purpose of this Issue, the designated Stock Exchange will be the NSE Limited. The trading will commence on Thursday, August 20, 2026.

SUBSCRIPTION DETAILS

The bidding for Anchor Investors opened and closed on Wednesday, August 12, 2026. The Company received 10 Anchor Investors applications for 16,68,000 Equity Shares. The Anchor Investor Allocation price was finalized at ₹189 per Equity Share. A total of 14,04,000 Equity Shares were allotted under the Anchor Investors portion aggregating to ₹26,53,56,000.

The Issue (excluding Anchor Investors Portion) received 231,176 Applications for 509,128,200 Equity Shares (after considering invalid bids, Other than RC10 Transaction declined by Investors, RC10 Mandate not accepted by Investors and Withdrawal/ Cancelled Bids reported by SCSB and all rejections) resulting 142.85 times subscription (including reserved portion of market maker, and excluding anchor investor portion). The details of the Applications received in the Issue from various categories are as under *(before rejections):*

Detail of the Applications Received (excluding Anchor Investors Portion):

Sr. No.	Category	Number of Applications	No. of Equity Shares applied	Equity Shares Reserved as per Prospectus	No. of times Subscribed	Amount (₹)
1	Individual Investors	192,394	230,886,600	1,656,000	139.42	43,633,233,600.00
2	Non-Institutional Investors (More than ₹300,000/- to ₹1,000,000/-)	16,844	33,165,000	237,600	139.58	6,266,763,600.00
3	Non-Institutional Investors (More than ₹1,000,000/-)	21,843	121,724,400	470,400	258.77	23,005,797,600.00
4	Qualified Institutional Bidders (excluding Anchors Investors)	94	123,100,200	948,000	129.85	23,265,937,800.00
5	Market Maker	1	252,000	252,000	1.00	47,628,000.00
	Total	**231,176**	**509,128,200**	**3,564,000**	**142.85**	**96,219,360,600.00**

Final Demand:

A summary of the final demand as per NSE as on the Bid/ Issue Closing Date at different Bid prices is as under:

Sr. No.	Bid Price	No. of Equity Shares	% to Total	Cumulative Share Total	Cumulative % of Total
1	179	489,000	0.09	489,000	0.09
2	180	103,800	0.02	592,800	0.11
3	181	22,200	0.00	615,000	0.11
4	182	24,600	0.00	639,600	0.12
5	183	11,400	0.00	651,000	0.12
6	184	30,000	0.01	681,000	0.12
7	185	100,800	0.02	781,800	0.14
8	186	25,200	0.00	807,000	0.15
9	187	112,800	0.02	919,800	0.17
10	188	197,400	0.04	1,117,200	0.20
11	189	548,244,600	99.80	549,361,800	100.00
	CUTOFF		0.00		
	Total	**549,361,800**	**100.00**		

The Basis of Allotment was finalized in consultation with the designated Stock Exchange, being National Stock Exchange of India Limited ***("NSE Emerge")*** on August 18, 2026.

1) Allotment to Individual Investors *(after rejections):*

The Basis of Allotment to the Individual Investors, who have Bid at or above the Issue Price of ₹189 per equity share, was finalized in consultation with NSE. The category has been subscribed to the extent of 136.72391 times i.e., for 226,414,800 equity shares, the total number of equity shares allotted in this category is 1,656,000 equity share to 1,380 successful applicants. The details of the Basis of Allotment of the said category are as under:

Sr. No.	Number of shares applied for Category Wise	Number of Applications Received	% of Total	Total No. of shares Applied	% of Total	Number of Shares Allotted to Applicant	Ratio	Total Number of shares Allocated/ Allotted
1	1,200	188,679	100.00	226,414,800	100.00	1,200	29 : 3965	1,656,000
	TOTAL	**188,679**	**100.00**	**226,414,800**	**100.00**			**1,656,000**

2) Allotment to Non-Institutional Investors (More than 2 lots and up to ₹ 10,00,000) *(after rejections):*

The Basis of Allotment to the Non-Institutional Investors, who have bid at the Issue Price of ₹189 or above per equity share was finalized in consultation with NSE. The category has been subscribed to the extent of 137.52020 times i.e., for 32,674,800 equity shares, the total number of equity shares allotted in this category is 237,600 equity shares to 132 successful applicants. The details of the Basis of Allotment of the said category are as under:

Sr. No.	Number of shares applied for Category Wise	Number of Applications Received	% of Total	Total No. of shares Applied	% of Total	Number of Shares Allotted to Applicant	Ratio	Total Number of shares Allocated/ Allotted
1	1800	13,902	83.75	25,023,600	76.58	1800	110 : 13902	198,000
2	2400	1,872	11.28	4,492,800	13.75	1800	15 : 1872	27,000
3	3000	273	1.64	819,000	2.51	1800	2 : 273	3,600
4	3600	217	1.31	781,200	2.39	1800	2 : 217	3,600
5	4200	83	0.50	348,600	1.07	1800	1 : 83	1,800
6	4800	252	1.52	1,209,600	3.70	1800	2 : 252	3,600
	Total	**16,599**	**100**	**32,674,800**	**100**			**237,600**

Continued on next page

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, गुरुवार, 20 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

एनजीटी ने जुमार्ना वसूलने में लापरवाही पर पीपीसीबी को फटकारा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) को कचरा प्रबंधन नियमों का उल्लंघन करने के लिए जालंधर नगर निगम से 8.4 करोड़ रुपये का जुमार्ना वसूलने में लापरवाही बरतने को लेकर फटकार लगाई है। अधिकरण जालंधर जिले के वारियाना गांव में कचरा निपटान स्थल पर अवैज्ञानिक तरीके से कचरा फेंकने और वहां जमा हुए पुराने कचरे के ढेर से जुड़े मामले की सुनवाई कर रहा था। एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य अफरोज अहमद की पीठ ने 12 अगस्त को दिये गये फैसले में कहा कि पीपीसीबी ने एक रिपोर्ट दाखिल की है, जिसमें कहा गया है कि ठोस कचरा प्रबंधन नियमों का पालन न करने के लिए जालंधर नगर निगम पर 9.3 करोड़ रुपये का पर्यावरण मुआवजा लगाया गया है। इस आदेश की प्रति मंगलवार को उपलब्ध कराई गई। आदेश में कहा गया है कि कुल जुमार्ने की रकम में से, स्थानीय प्रशासन ने पंजाब निगम अवसंरचना विकास कंपनी के जरिये सिर्फ.90 लाख रुपये जमा किए हैं। अधिकरण ने कहा, आठ करोड़ 40 लाख रुपये की वसूली अब भी बाकी है, लेकिन प्रतिवादी संख्या-पांच (पीपीसीबी) के जवाब से इस रकम को वसूलने की किसी गंभीर कोशिश का पता नहीं चलता है।

जया बच्चन के नाम से अश्लील सामग्री पर सख्त हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने अभिनेत्री एवं राजनीतिज्ञ जया बच्चन के नाम का दुरुपयोग कर बनाई गई अश्लील सामग्री को हटाने के अदालत के आदेश का पालन नहीं करने वाले इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। न्यायमूर्ति ज्योति सिंह ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) और दूरसंचार विभाग (डीओटी) को ऐसे आईएसपी के खिलाफ अगली कार्रवाई पर निर्देश लेकर आने को कहा है। अदालत ने यह भी कहा कि आदेश की लगातार अवहेलना करने वाले आईएसपी का पंजीकरण रद्द करने की संभावना पर विचार किया जाना चाहिए। जया बच्चन की ओर से अदालत को बताया गया कि 10 नवंबर 2025 के आदेश के बावजूद उनके नाम से जुड़ी आपत्तिजनक सामग्री अब भी विभिन्न वेबपेजों पर उपलब्ध है। उक्त आदेश में एमईआईटीवाई और डीओटी को ऐसी सामग्री वाले वेबपेजों को ब्लॉक करने का निर्देश दिया गया था।

पंजाब में अपनी बुरी हार देख भाजपा ने बौखलाहट में सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार कराया: संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने वरिष्ठ नेता व पंजाब के सह प्रभारी सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी को भाजपा की बौखलाहट का परिणाम बताया है। आप के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपा पंजाब में बहुत बुरी तरह से हार रही है और इसी बौखलाहट में सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार कराया है। सत्येंद्र जैन पंजाब के सह प्रभारी हैं और राज्य में संगठन को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे थे। साथ ही भाजपा सत्येंद्र जैन के बहाने भगवंत मान सरकार के चल रहे अच्छे कामों को रोकने की भी साजिश कर रही है। लेकिन भाजपा की सारी साजिशें नाकाम होंगी। पहले भी सत्येंद्र जैन बाइज्जत बरी हुए थे और इस बार भी होंगे। संजय सिंह ने कहा कि सत्येंद्र जैन को इसलिए गिरफ्तार किया गया है क्योंकि हर चुनाव से पहले भाजपा यह चाहती है कि आम आदमी पार्टी को दबाकर और साम, दाम, दंड, भेद का इस्तेमाल करके चुनाव जीता जाए। जब दिल्ली का चुनाव हो रहा था, तब तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया था। उस वक्त शिक्षा मंत्री रहे मनीष सिसोदिया, स्वास्थ्य मंत्री रहे सत्येंद्र जैन और मुझे भी गिरफ्तार किया गया था। अभी पंजाब का चुनाव है और वहां भाजपा बुरी तरह हार रही है। उसे मालूम है कि वह चुनाव नहीं जीत सकती, इसलिए अपनी खिसियाहट और बौखलाहट में वह यह कार्रवाई कर रही है। संजय सिंह ने कहा कि सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी इसलिए हुई है क्योंकि वह पंजाब के सह-प्रभारी हैं। वह वहां संगठन निर्माण के काम में जुटे हुए थे और दिन-रात मेहनत कर रहे थे। उनको एक फर्जी, बेबुनियाद और झूठे दो साल पुराने मामले में बिना किसी प्रमाण और सबूत के जबरदस्ती जेल में डाल दिया गया, जबकि उस कथित मामले के समय वह पहले से ही जेल में थे। सत्येंद्र जैन पहले भी बाइज्जत बरी हुए हैं और आगे भी बाइज्जत बरी होंगे। उनके खिलाफ किसी भी प्रकार का कोई मामला नहीं है। संजय सिंह ने बताया कि यह पूरा मामला सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा की बौखलाहट के साथ-साथ पंजाब में हार के डर का है। इसके अलावा भगवंत मान सरकार पंजाब में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी और किसानों को सिंचाई का पानी देने के मोर्चे पर जो काम कर रही है, लोगों को 10 लाख रुपए का मेडिकल इंश्योरेंस दे रही है और माताओं-बहनों के खाते में 1000-1500 रुपए भेज रही है।

अमित शाह ने एसीबी पर दबाव डाल कर सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार कराया: केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पार्टी के वरिष्ठ नेता व पंजाब के सह प्रभारी सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी के पीछे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का सीधा हाथ बताया। उन्होंने अमित शाह से पूछा कि आपने एसीबी पर दबाव डाल कर सत्येंद्र जैन को क्यों गिरफ्तार कराया? एसीबी के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह तक एसीबी का सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार करने को कोई प्लान नहीं था, लेकिन दोपहर में अमित शाह का सीधे एसीबी को फोन आया कि गिरफ़्तार कर लो, तब गिरफ़्तार किया। अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बताएं कि उन्होंने जांच एजेंसी पर दबाव डालकर सत्येन्द्र जैन को क्यों गिरफ़्तार करवाया? एसीबी के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह तक एसीबी का सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार करने का कोई प्लान नहीं था। फिर दोपहर में अमित शाह का सीधे फोन आया कि गिरफ़्तार कर लो। तब गिरफ़्तार किया। जाहिर है कि अब गिरफ्तारी इस बात से नहीं होती कि किसी ने कोई गुनाह किया है या नहीं बल्कि इस बात से होती है कि वे दोनों किसे गिरफ़्तार करना चाहते हैं।

बेघरों के मतदाता अधिकार पर हाई कोर्ट सख्त

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बेघर और विस्थापित लोगों के मतदाता सूची से बाहर रह जाने की आशंका पर निर्वाचन आयोग को सुझाव देने को कहा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया से जुड़े नीतिगत निर्णय लेना निर्वाचन आयोग का कार्य है। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने कहा कि हर विषय अदालत के समक्ष निर्णय के लिए नहीं लाया जाना चाहिए। ऐसे मामलों में संबंधित सुझाव निर्वाचन आयोग के सामने रखे जाने चाहिए, ताकि वह प्रक्रिया में आवश्यक सुधार कर सके। याचिकाकर्ता इंदु प्रकाश सिंह ने जनहित याचिका के माध्यम से मांग की थी कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बेघर और विस्थापित लोगों को मतदाता सूची से बाहर न किया जाए। पीठ ने मामले में जिरह सुनने के बाद उचित निर्देश पारित करने की बात कही है।

भामाशाह रोड पर किनारे बनेगा नाला और फुटपाथ

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भामाशाह रोड पर जलभराव की समस्या दूर करने के लिए नए सिरे से नाला बनाया जाएगा। साथ ही पैदल यात्रियों जे सुरक्षित आवागमन के लिए फुटपाथ निर्माण किया जाएगा। परियोजना की अनुमानित लागत 12.86 करोड़ रुपये है। इसे पूरा करने के लिए तीन माह की समय सीमा तय की गई है। पीडब्ल्यूडी के अधिकारी ने बताया कि निर्माण करने वाले ठेकेदार को पहले क्षेत्र का सर्वे कर विस्तृत ले-आउट प्लान तैयार करना होगा। जिसे विभाग से मंजूरी के बाद ही जमीन पर काम शुरू किया जाएगा। नाले के सर्वे को मास्टर ड्रेनेज प्लान तैयार करने वाली सलाहकार कंपनी की रिपोर्ट से मिलाना भी अनिवार्य होगा, ताकि किसी तरह की गड़बड़ी से बचा जा सके। अधिकारियों के मुताबिक, भामाशाह रोड पर पक्का नाला बनने से बारिश के मौसम में होने वाली जलभराव की समस्या से लोगों को राहत मिलेगी। अभी पानी निकासी की उचित व्यवस्था न होने से बारिश का पानी सड़क पर जमा हो जाता है, जिससे आवागमन बाधित होता है। वहीं फुटपाथ बनने से पैदल यात्रियों को वाहनों के बीच से गुजरने की मजबूरी नहीं रहेगी और वे सुरक्षित तरीके से चल सकेंगे। फुटपाथ निर्माण के लिए निर्धारित की गई गाइडलाइंस का पालन किया जाएगा, जिससे यह पैदल यात्रियों के लिए मानकों के अनुरूप और सुगम बने। उसमें दिव्यांगों के लिए टैक्टाइल टाइल्स लगाना अनिवार्य होगा।

मुनिरका में मणिपुर के दो लोगों से मारपीट, एनएचआरसी ने लिया स्वत: संज्ञान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने यहां मुनिरका इलाके में मणिपुर के दो लोगों के साथ कथित मारपीट के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। इस हमले में एक व्यक्ति के सिर में गंभीर चोट आई है और उसे अस्पताल में वेंटिलेटर पर रखा गया है। एनएचआरसी ने कहा 14 अगस्त को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट में बताया गया था कि मामूली विवाद के बाद दो लोगों पर दो व्यक्तियों ने कथित तौर पर हमला कर दिया। घटना दिल्ली के मुनिरका इलाके की बताई गई है। आयोग ने इसे गंभीर मामला मानते हुए कार्रवाई की है। आयोग ने कहा कि ये सारी जानकारी मीडिया रिपोर्ट में दी गई हैं। यदि ये मीडिया रिपोर्ट में सामने आई बातें सही हैं तो यह मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का मामला है। इस पर एनएचआरसी ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने पुलिस से मामले में की गई जांच और घायल व्यक्ति की मौजूदा स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी भी देने को कहा है। आयोग ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है।

जन - केंद्रित और मानवता प्रथम दृष्टिकोण भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का मार्गदर्शक: सुधाकर दलेला

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। ब्रिक्स सिविल फोरम 2026 का आज नई दिल्ली में शुभारंभ हुआ। इसमें ब्रिक्स देशों के सिविल सोसायटी संगठनों, थिंक टैंकों, शैक्षणिक संस्थानों तथा अन्य हितधारकों ने भाग लिया। फोरम में सहयोग को सुदृढ़ करने तथा सतत विकास के लिए व्यावहारिक एवं जन-केंद्रित समाधानों को आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। लचीलापन, नवाचार और सततता के लिए विकास का स्थानीयकरण विषय पर आयोजित यह दो दिवसीय फोरम भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के व्यापक सहयोग एजेंडे में योगदान देने के साथ-साथ ब्रिक्स देशों के बीच अनुभवों, ज्ञान और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। यह फोरम भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। रिसर्च एंड इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज वर्ष 2016 से भारत में ब्रिक्स सिविल फोरम की नोडल संस्था के रूप में कार्य कर रहा है भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता में जन-केंद्रित सहयोग पर जोर --फोरम के उद्घाटन संबोधन में श्री सुधाकर दलेला, सचिव (एफ) एवं ब्रिक्स शेरपा, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार ने ब्रिक्स सहयोग को सुदृढ़ करने में विद्वानों, विशेषज्ञों, विचारकों और सिविल सोसायटी संगठनों के बीच संवाद एवं सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने ब्रिक्स देशों के बीच जन-से-जन संपर्क, आपसी समझ और व्यापक सहयोग को बढ़ावा देने में ब्रिक्स सिविल फोरम की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। फोरम के विषय का उल्लेख करते हुए श्री दलेला ने ऐसे विकास समाधानों की आवश्यकता पर जोर दिया, जिनमें स्थानीय अनुभवों, सामुदायिक भागीदारी और व्यावहारिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाए। उन्होंने भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के मानवता प्रथम तथा जन-केंद्रित दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सततता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत प्रस्तावित 400 से अधिक बैठकों में से 350 से अधिक बैठकें अब तक आयोजित की जा चुकी हैं, जिनसे विभिन्न क्षेत्रों में ठोस परिणाम सामने आए हैं। श्री दलेला ने कहा कि सिविल सोसायटी की भागीदारी ब्रिक्स देशों के बीच विश्वास, आपसी समझ और साझेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। उन्होंने विचारों और चचाओं को व्यावहारिक साझेदारियों और ऐसे समाधानों में परिवर्तित करने की आवश्यकता पर बल दिया, जिनसे समुदायों को ठोस लाभ मिल सके। उन्होंने उभरते बाजारों और विकासशील देशों के बीच ब्रिक्स सहयोग के बढ़ते महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह समूह संवाद, सहयोग तथा अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण वैश्विक आर्थिक एवं शासन व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

सकरनी प्लास्टर का 1,000 करोड़ टर्नओवर का लक्ष्य

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

किफायती जिप्सम प्लास्टर सनतारा लॉन्च, उत्पादन क्षमता 30% बढ़ी; पीओपी कारोबार से 200 करोड़ अतिरिक्त राजस्व की उम्मीद निर्माण सामग्री क्षेत्र की अग्रणी कंपनी सकरनी प्लास्टर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड ने अपने विस्तार अभियान को गति देते हुए अगले चरण में 1,000 करोड़ टर्नओवर हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। कंपनी ने उत्पादन क्षमता में 30 प्रतिशत वृद्धि की है और देशभर में डीलर एवं डिस्ट्रीब्यूटर नेटवर्क को मजबूत बनाने की रणनीति अपनाई है। इसी क्रम में कंपनी ने किफायती श्रेणी का नया जिप्सम प्लास्टर ब्रांड सनतारा लॉन्च किया है। कंपनी का अनुमान है कि इन पहलों से उसके पीओपी कारोबार में करीब 200 करोड़ का अतिरिक्त राजस्व जुड़ सकता है। वित्त वर्ष 2025 में कंपनी ने लगभग 700 करोड़ का कारोबार दर्ज किया था। अब उसका फोकस उत्पादन विस्तार, नए बाजारों में पहुंच बढ़ाने और वितरण नेटवर्क को मजबूत करने पर है, ताकि देश के तेजी से बढ़ते पीओपी और जिप्सम प्लास्टर बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई जा सके। किफायती सेगमेंट को साधने की रणनीति सकरनी प्लास्टर द्वारा लॉन्च किया गया ह्यसनतारा जिप्सम प्लास्टरह्न बेहतर कवरेज, स्मूद फिनिश और किफायती कीमत को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। यह *25 किलोग्राम + 5 किलोग्राम (कुल 30 किलोग्राम) पैक में उपलब्ध होगा। कंपनी के अनुसार, यह उत्पाद कॉन्ट्रैक्टर्स, एप्लिकेटर्स, डीलर्स और किफायती लेकिन गुणवत्तापूर्ण प्लास्टरिंग समाधान तलाश रहे ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। 25 लाख टन के बाजार पर नजर भारत का पीओपी बाजार वर्तमान में करीब 25 लाख मीट्रिक टन प्रतिवर्ष का है, जिसमें लगभग 70 प्रतिशत हिस्सेदारी किफायती उत्पादों की है। इसी बड़े अवसर को देखते हुए कंपनी ने अपनी विस्तार रणनीति में मूल्य-आधारित उत्पादों और व्यापक बाजार पहुंच को प्रमुखता दी है। उत्पादन क्षमता में 30 प्रतिशत वृद्धि के बाद कंपनी की कुल क्षमता लगभग 1 लाख मीट्रिक टन प्रतिमाह हो गई है। सकरनी प्लास्टर का लक्ष्य 12 लाख मीट्रिक टन वार्षिक पीओपी बिक्री हासिल करना है। टियर-2 और टियर-3 शहरों पर फोकस कंपनी देशभर में अपने डीलर और डिस्ट्रीब्यूटर नेटवर्क का विस्तार कर रही है। विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 शहरों पर ध्यान दिया जा रहा है, जहां तेजी से बढ़ती निर्माण गतिविधियों के चलते किफायती बिल्डिंग मटेरियल्स की मांग में निरंतर वृद्धि हो रही है। दक्षिण भारत में विस्तार की तैयारी सकरनी प्लास्टर ने दक्षिण भारत में अपनी मौजूदगी मजबूत करने की भी योजना बनाई है। इसके तहत कंपनी प्रमुख निर्माण और रियल एस्टेट बाजारों में नए व्यापारिक साझेदारों तथा डीलरों के साथ नेटवर्क विकसित कर रही है।

Continued from previous page

3) Allotment to Non-Institutional Investors (More than ₹ 10,00,000) ***(after rejections):***
The Basis of Allotment to the Non-Institutional Investors, who have bid at the Issue Price of ₹189 or above per equity share was finalized in consultation with NSE. The category has been subscribed to the extent of 257.39796 times i.e., for 121,080,000 equity shares, the total number of equity shares allotted in this category is 470,400 equity shares to 261 successful applicants. The details of the Basis of Allotment on sample basis of the said category are as under (sample basis)

Sr. No.	Number of shares applied for Category Wise	Number of Applications Received	% of Total	Total No. of shares Applied	% of Total	Number of Shares Allotted to Applicant	Ratio	Total Number of shares Allocated/ Allotted
1	5400	20,822	95.83	112,438,800	92.86	1,800	125 : 10411	450,000
2	6000	456	2.10	2,736,000	2.26	1,800	5 : 456	9,000
3	6600	173	0.80	1,141,800	0.94	1,800	2 : 173	3,600
4	7200	39	0.18	280,800	0.23	1,800	0 : 39	-
5	7800	37	0.17	288,600	0.24	1,800	0 : 37	-
6	8400	24	0.11	201,600	0.17	1,800	0 : 24	-
7	9000	25	0.12	225,000	0.19	1,800	0 : 25	-
8	9600	11	0.05	105,600	0.09	1,800	0 : 11	-
9	10200	4	0.02	40,800	0.03	1,800	0 : 4	-
10	10800	39	0.18	421,200	0.35	1,800	0 : 39	-
11	11400	6	0.03	68,400	0.06	1,800	0 : 6	-
12	12000	19	0.09	228,000	0.19	1,800	0 : 19	-
13	12600	2	0.01	25,200	0.02	1,800	0 : 2	-
40	54000	5	0.02	270,000	0.22	1,800	0 : 5	-
41	58200	1	0.00	58,200	0.05	1,800	0 : 1	-
42	58800	1	0.00	58,800	0.05	1,800	0 : 1	-
43	60000	3	0.01	180,000	0.15	1,800	0 : 3	-
44	63600	1	0.00	63,600	0.05	1,800	0 : 1	-
45	64200	1	0.00	64,200	0.05	1,800	0 : 1	-
46	64800	1	0.00	64,800	0.05	1,800	0 : 1	-
47	72000	1	0.00	72,000	0.06	1,800	0 : 1	-
48	84600	1	0.00	84,600	0.07	1,800	0 : 1	-
49	105600	1	0.00	105,600	0.09	1,800	0 : 1	-
50	150000	1	0.00	150,000	0.12	1,800	0 : 1	-
51	216000	1	0.00	216,000	0.18	1,800	0 : 1	-
	Non Allottees	-	0.00	-	-	1,800	4 : 278	7,200
	All Allottees	-	0.00	-	-	600	1 : 261	600
	TOTAL	**21,729**	**100.00**	**121,080,000**	**100.00**			**470,400**

Please Note : 1 (One) lot of 1800 shares have been allocated to all the 278 Non Allottees Applicants in Categories with ZERO/NO Allotment in the ratio of 4:278

Please Note : 1 (One) lot of 600 shares have been allocated to all the 261 Successful Applicants from all the Categories in the ratio of 1 : 261

4) Allotment to Market Maker: The Basis of Allotment to Market Maker who have bid at Issue Price of ₹189 per equity shares or above, was finalized in consultation with NSE. The category was subscribed by 1.00 times i.e., or 252,000 equity shares, the total number of shares allotted in this category is 252,000 equity shares to 1 successful applicant. The category wise details of the Basis of Allotment are as under:

S. No.	No. of Shares Applied for (Category wise)	No. of Applications received	% to total	Total No. of Equity Shares applied in this Category	% of total	No. of Equity Shares allocated/ allotted per Applicant	Ratio	Total No. of shares allocated/allotted
1	252,000	1	100.00	252,000	100.00	252,000	1:1	252,000

5) Allotment to QIBs excluding Anchor Investors ***(after rejections):***

The Basis of Allotment to QIBs, who have bid at Issue Price of ₹189 per Equity Shares or above, was finalized in consultation with NSE. The category was subscribed by 129.85253 times i.e., 123,052,800 equity shares. As per the SEBI Regulations, 5% of Net QIB portion was reserved for mutual funds i.e., 47,400 equity shares and other QIBs and unsatisfied demand of Mutual Funds were allotted the remaining available equity shares i.e., 900,600 equity shares on a proportionate basis. The total number of shares allotted in this category is 948,000 equity shares to 91 successful applicants. The category wise details of the Basis of Allotment are as under:

Category	FI'S/BANK'S	MF'S	IC'S	NBFC'S	AIF	FPC/FII	Others	Total
QIB	123,600	67,200	4,800	-	-	134,400	618,000	**948,000**

6) Allotment to Anchor Investors ***(after rejections):***

The Company in consultation with the BRLM has allocated 1,404,000 Equity Shares to 10 Anchor Investors at the Anchor Investor Issue Price of ₹189 per equity shares in accordance with the SEBI (ICDR) Regulations. This represents upto 60% of the QIB Category.

Number of shares applied for Category Wise	FIS/BANKS	MF'S	IC'S	NBFC'S	AIF	FPI/FPC	VC'S	TOTAL
ANCHOR	-	-	-	318,600	661,800	423,600	-	**1,404,000**

The Board of Directors of our Company at its meeting held on August 18, 2026 has taken on record the basis of allotment of equity shares approved by the designated Stock Exchange, being NSE and has allotted the equity shares to various successful applicants. The Allotment Advice Cum Refund Intimation have been dispatched to the address of the investors as registered with the depositories. Further, instructions to the SCSBs have been dispatched/ mailed for unblocking of funds and transfer to the Public Issue Account on August 18, 2026. In case the same is not received within ten days, investors may contact the Registrar to the Issue at the address given below. The Equity Shares allotted to the successful allottees shall be uploaded on August 19, 2026 for credit into the respective beneficiary accounts subject to validation of the account details with the depositories concerned. The Company has filed Listing Application to NSE on August 19, 2026. The Company has received the listing and trading approval from NSE, and trading will commence on August 20, 2026.

Note: *All capitalized terms used and not defined herein shall have the respective meanings assigned to them in the Prospectus.*

INVESTORS, PLEASE NOTE

The details of the allotment made was hosted on the website of the Registrar to the Issue, Kfin Technologies Limited.
All future correspondence in this regard may kindly be addressed to the Registrar to the Issue quoting full name of the First/ Sole Bidder Serial number of the ASBA form, number of Equity Shares bid for, Bidder DP ID, Client ID, PAN, date of submission of the Bid cum Application Form, address of the Bidder, the name and address of the Designated Intermediary where the Bid cum Application Form was submitted by the Bidder and copy of the Acknowledgment Slip received from the Designated Intermediary and payment details at the address given below:

KFINTECH
EXPERIENCE TRANSFORMATION

KFIN TECHNOLOGIES LIMITED
Reg. Office: 301, The Centrium, 3rd Floor, 57, Lal Bahadur Shastri Road, Nav Pada, Kurla (West), Mumbai – 400070, Maharashtra
Corp. Office: Selenium Tower-B, Plot 31 & 32, Gachibowli, Financial District, Nanakramguda, Serilingampally, Hyderabad – 500 032, Telangana
Telephone: +91 40-6716 2222 ; **Email:** credentconnect.ipo@kfintech.com;
Investor Grievance Email: einward.ris@kfintech.com ; **Website:** www.kfintech.com
Contact Person: M. Murali Krishna; **SEBI Regn. No.:** INR000000221

Place: Delhi
Date: August 19, 2026

On behalf of Board of Directors
Credent Connect N Care Limited
Sd/-
Arpita Abhilasha
Company Secretary and Compliance Officer

THE LEVEL OF SUBSCRIPTION SHOULD NOT BE TAKEN TO BE INDICATIVE OF EITHER THE MARKET PRICE OF THE EQUITY SHARES ON LISTING OR THE BUSINESS PROSPECTS OF CREDENT CONNECT N CARE LIMITED

Disclaimer: *Credent Connect N Care Limited has filed the Prospectus with the RoC on August 18, 2026 and thereafter with SEBI and the Stock Exchange. The Prospectus is available on the website of the BRLM, Hem Securities Limited at www.hemsecurities.com and the Company at https://c3logistics.co.in/ and shall also be available on the website of the NSE and SEBI. Investors should note that investment in Equity Shares involves a high degree of risk and for details relating to the same, please see "**Risk Factors**" beginning on page 20 of the Prospectus.*
*The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act of 1933, as amended (the "**Securities Act**") or any state securities laws in the United States, and unless so registered, and may not be issued or sold within the United States, except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the Securities Act and in accordance with any applicable U.S. state securities laws. The Equity Shares are being Issued and sold outside the United States in 'offshore transactions' in reliance on Regulation under the Securities Act and the applicable laws of each jurisdiction where such Issues and sales are made. There will be no public Issuing in the United States.*

SHAKUN

संक्षिप्त खबरें

लक्ष्मण-परशुराम संवाद का प्रसंग सुनाया

फर्रुखनगर। शिव मंदिर कमेटी द्वारा पावन धाम शिव मंदिर, चांदनगर रोड फर्रुखनगर में आयोजित श्री राम कथा के छठे दिन बुधवार को श्रद्धालुओं को सीता स्वयंवर और लक्ष्मण-परशुराम संवाद का प्रसंग सुनाया गया। कथावाचक आचार्य त्रिलोकी महाराज ने बताया कि जनकपुर में आयोजित सीता स्वयंवर में देश-विदेश के राजा-महाराजा पहुंचे थे। भगवान शिव के धनुष को तोड़कर श्रीराम ने सीता का वरण किया। इस प्रसंग को सुनकर पूरा पंडाल जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा।

डाबोदा में किसानों को किया जागरूक

फर्रुखनगर। खंड के गांव डाबोदा की चौपाल में वित्तीय शिक्षा कार्यक्रम एवं किसान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेबी स्मार्ट के गुलशन कुमार गोयल ने ग्रामीणों को आय-खर्च प्रबंधन, बचत की महत्ता और सुरक्षित निवेश के बारे में विस्तार से जानकारी दी। गुलशन कुमार गोयल ने कहा कि आज के समय में आमदनी के साथ-साथ खर्च पर नियंत्रण रखना जरूरी है। छोटी-छोटी बचत से भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है। उन्होंने ग्रामीणों को सोच-समझकर निवेश करने, ठगी से बचने और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। साथ ही शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड और बैंकिंग से जुड़े सुरक्षित विकल्पों के बारे में भी बताया।

गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद कम

मानेसर। शहर में उमस भरी गर्मी से लोग परेशान हैं। बुधवार को तेज धूप के कारण परेशानी बढ़ गई। इस दौरान शहर का अधिकतम तापमान 34.7 डिग्री और न्यूनतम 26.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इन दिनों तापमान 35-36 डिग्री और 26-27 डिग्री के बीच बना हुआ है। तेज धूप और उमस से बाजारों में आवाजाही कम रही। मौसम विभाग के अनुसार, बारिश की संभावना कम है, इसलिए गर्मी से जल्द राहत की उम्मीद नहीं है।

कैमरा म्यूजियम में विद्यार्थियों का प्रवेश होगा निशुल्क

गुरुग्राम। म्यूजियो कैमरा के म्यूजियम में मंगलवार से शुक्रवार के बीच सरकारी स्कूलों के छात्र और एनजीओ के बच्चों के लिए निशुल्क प्रवेश की सुविधा दी गई है। कैमरों के सफर को दिखाने वाले म्यूजियो कैमरे का यह हिस्सा सुबह 11 बजे से 5 बजे तक छात्रों के लिए खुला रहेगा। आम लोगों को प्रवेश के लिए 200 रुपये शुल्क देना होगा। आदित्य आर्य ने बताया कि इसका उद्देश्य छात्रों को कैमरों के सफर की जानकारी देना है और उनकी रुचि बढ़ाना है।

सीमस मर्फी की फोटो प्रदर्शनी 21 अगस्त से शुरू

गुरुग्राम। सेक्टर-28 स्थित कैमरा म्यूजियो के प्रदर्शनी हॉल में आयरिश फोटोग्राफर सीमस मर्फी की फोटो प्रदर्शनी 21 अगस्त से 25 अक्तूबर तक लगाई जा रही है। सीमस मर्फी को सात विश्व प्रेस फोटो अवॉर्ड मिल चुके हैं। वे पिछले तीन दशकों से विभिन्न देशों में फोटोग्राफी करते रहे हैं। प्रदर्शनी का उद्घाटन सांसद शशि थरूर करेंगे। कैमरा म्यूजियम म्यूजियो कैमरा के संस्थापक आदित्य आर्य ने बताया कि 21 अगस्त को सीमस मर्फी की फोटो प्रदर्शनी के साथ विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया जाएगा। प्रदर्शनी में अफगानिस्तान, आयरलैंड, भारत, रूस और यूनाइटेड स्टेट्स में ली गईं मर्फी की तीन दशकों से ज्यादा समय तक की फोटोग्राफी प्रदर्शित की जाएंगी। डॉक्यूमेंट्री फोटोग्राफी के लिए जाने जाने वाले मर्फी का काम मनुष्य के इतिहास, संघर्ष और जिंदगी की मुश्किलों को दिखाता है। भारत में इन्होंने कोलकाता में काफी काम किया है। अपनी प्रदर्शनी के सिलसिले में मर्फी बुधवार को गुरुग्राम पहुंचे और उन्होंने म्यूजियो कैमरा में प्रदर्शित किए पुराने कैमरों का अवलोकन किया।

गुरुग्राम ने हिसार को 3-0 से हराकर जीता राज्य स्तरीय प्री-सुब्रतो फुटबाल खिताब

-राष्ट्रीय प्री-सुब्रतो प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई, हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेगी टीम

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। हिसार में आयोजित राज्य स्तरीय स्कूली प्री-सुब्रतो फुटबाल कप प्रतियोगिता में गुरुग्राम की अंडर-17 लड़कों की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में गुरुग्राम ने मेजबान हिसार को 3-0 से हराकर प्रथम स्थान हासिल किया। इस जीत के साथ टीम ने राष्ट्रीय स्तर की प्री-सुब्रतो फुटबाल प्रतियोगिता के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। शिक्षा विभाग के खेल अधिकारी जगदीश अहलावत ने बताया कि फाइनल मुकाबला गुरुग्राम और हिसार के बीच खेला गया। निर्धारित समय तक दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं। इसके बाद मुकाबला अतिरिक्त समय में पहुंचा। यहां गुरुग्राम के खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाते हुए लगातार तीन गोल दागे। अतिरिक्त समय समाप्त होने तक गुरुग्राम ने 3-0 की बढ़त कायम रखी और मुकाबला जीत लिया। अहलावत ने बताया कि गुरुग्राम की टीम ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन किया। फाइनल में खिलाड़ियों ने एकजुट होकर खेलते हुए हिसार पर दबाव बनाए रखा और अतिरिक्त समय में मिले अवसरों का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर चैंपियन बनना जिले के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि खिताब जीतने के बाद गुरुग्राम की टीम राष्ट्रीय प्री-सुब्रतो प्रतियोगिता में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेगी।

गुरुग्राम में गोल्फ कोर्स रोड पर डिवाइडर से टकराई कार

दपंती समेत दो बच्चे घायल, महिला की हालत नाजुक; राहगीरों ने बचाया

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में सेक्टर-55 के पास तेज रफ्तार कार गोल्फ कोर्स रोड पर डिवाइडर से टकरा गई। जिसमें दंपती और दो बच्चे घायल हो गए। तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर सड़क के बीचों-बीच बने डिवाइडर से इतनी जोरदार तरीके से टकराई कि गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। टक्कर लगते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे में घायल एक महिला की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा आज अलसुबह करीब 4 बजे सेक्टर-55 कट के नजदीक हुआ। जैसे ही कार सेक्टर-55 के पास पहुंची, अचानक ड्राइवर ने गाड़ी पर से अपना नियंत्रण खो दिया। रफ्तार इतनी तेज थी कि ड्राइवर ब्रेक लगा पाता, उससे पहले ही कार पूरी ताकत के साथ डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी भयानक थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। हादसे के तुरंत बाद गोल्फ कोर्स रोड से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों और राहगीरों ने तुरंत अपनी गाड़ियां रोकीं और मदद के लिए दौड़े। कार के दरवाजे पूरी तरह लॉक हो चुके थे और अंदर फंसे लोग लहूलुहान हालत में थे। राहगीरों ने हिम्मत दिखाई और लोहे के रॉड व पत्थरों की मदद से कार के शीशे तोड़े। बेहद मशक्कत के बाद कार में फंसे पति-पत्नी, दोनों बच्चों और दूसरी महिला को बाहर निकाला गया। गनीमत रही कि हादसे के तुरंत बाद कार में आग नहीं लगी, वरना एक बड़ा हादसा हो सकता था। राहगीरों ने बिना वक्त गंवाए अपनी गाड़ियों और एम्बुलेंस की मदद से सभी पांचों घायलों को नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया। एक महिला की हालत नाजुक अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, कार चालक और दोनों बच्चों की हालत खतरे से बाहर हैं। पत्नी को भी शरीर में कई जगह गंभीर चोटें और फ्रैक्चर आए हैं। महिला की हालत नाजुक बनी हुई है और उन्हें आईसीयू में ऑब्जर्वेशन पर रखा गया है। पुलिस अभी घायलों के बयान नहीं ले पाई है, जिसके कारण उनकी पहचान नहीं हुई है।

गुरुग्राम में मंदिर परिसर में मिला लावारिस नवजात बच्चा

2-3 दिन पहले जन्म होने की आशंका पुलिस खंगाल रही उउळ२

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में मानेसर स्थित बाबा भीषम मंदिर में मंगलवार रात एक नवजात बच्चा लावारिस हालत में मिला। अज्ञात बच्चे को मंदिर परिसर में छोड़कर चला गया था। सूचना मिलते ही मानेसर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चे को सुरक्षित अपने कब्जे में लेकर सेक्टर-10 सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के अनुसार, बच्चा लगभग दो-तीन दिन पहले जन्मा हुआ प्रतीत हो रहा है। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद बच्चे को स्वस्थ बताया। फिलहाल बच्चे की हालत स्थिर है और उसे चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस ने बच्चे को मंदिर में छोड़कर जाने वाले व्यक्ति या महिला की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। इसके साथ ही, पुलिस आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है। पुलिस बच्चे के माता-पिता की पहचान करने के प्रयास में जुटी है।

गुरुग्राम में थार सवार रईसजादों का खतरनाक स्टंट

युवक को बाहर लटका कर घुमाया; लोगों ने डर के मारे खाली की पार्किंग

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। के बाजारों में रईसजादों की स्टंटबाजी थमने का नाम नहीं ले रही है। सोशल मीडिया पर रील्स और लाइक्स बटोरने के चक्कर में युवा न सिर्फ अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं, बल्कि राहगीरों के लिए भी बड़ा खतरा बन रहे हैं। ताजा मामला पॉश इलाके सेक्टर-56 की मार्केट से सामने आया है, जहां एक ब्लैक थार गाड़ी के साथ खतरनाक स्टंट करने का वीडियो सामने आया है। मार्केट की पार्किंग में सरेआम की गई इस स्टंटबाजी के वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह काले रंग की थार गाड़ी में सवार होकर युवक हुड़दंग मचा रहे हैं। स्टंटबाजी के दौरान एक युवक तेज रफ्तार थार गाड़ी को चला रहा है, जबकि दूसरा युवक गाड़ी के गेट और साइड वाले हिस्से पर खतरनाक तरीके से बाहर लटक कर स्टंट दिखा रहा है। वहां मौजूद किसी राहगीर ने इस पूरी घटना को अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया और सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। बाजार में काफी देर तक मचाया हुड़दंग प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक यह वीडियो करीब दो दिन पुराना है। थार ड्राइवर ने काफी देर तक मार्केट के अंदर गाड़ी को तेजी से दौड़ाया और खतरनाक मोड़ लेते हुए स्टंटबाजी की। इस दौरान गाड़ी के शीशे नीचे थे और अंदर तेज आवाज में म्यूजिक भी बज रहा था। थार पर लटके युवक को देखकर मार्केट आए लोग सहम गए और खुद को और अपनी गाड़ी को वहां से हटा लिया। हैरान करने वाली बात यह है कि इन रईसजादों को न तो पुलिस का कोई खौफ था और न ही अपनी जान की परवाह। युवक के पीछे भौंकते हुए दौड़ता रहा कुत्ता थार गाड़ी से स्टंटबाजी के दौरान एक और हैरान करने वाला नजारा सामने आया है। जब रईसजादे गाड़ी के दरवाजे पर लटक कर खतरनाक स्टंट कर रहे थे, तभी वहां मौजूद एक आवारा कुत्ता भौंकते हुए उनके पीछे दौड़ पड़ा। वीडियो में साफ दिख रहा है कि युवक गाड़ी से बाहर आधा लटका हुआ है और कुत्ता उसे काटने के लिए काफी दूर तक रफ्तार में गाड़ी के साथ-साथ भागता रहा। इस दौरान जरा सा संतुलन बिगड़ने पर युवक सीधे कुत्ते के आगे सड़क पर गिर सकता था और उसकी जान जा सकती थी। बाजारों में स्टंट करना कानूनन जुर्म-पुलिस पुलिस के मुताबिक, इस तरह सरेआम सड़क और बाजारों में स्टंट करना कानूनन जुर्म है। आरोपियों के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने, दूसरों की जान खतरे में डालने और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के तहत कार्रवाई की जाएगी।

गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार कार पलटी

अनियंत्रित होकर बैरियर को मारी टक्कर; ड्राइवर गंभीर रूप से घायल

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में द्वारका एक्सप्रेसवे पर बुधवार दोपहर बाद सेक्टर-37ऊके पास एक तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित हो गई। कार ने सड़क किनारे लगे क्रैश बैरियर में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार हवा में उछलते हुए बीच सड़क पर पलट गई। इस हादसे में कार सवार एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की रफ्तार बेहद तेज थी। सेक्टर-37ऊके कट के पास चालक गाड़ी पर से अपना संतुलन खो बैठा। इसके बाद कार क्रैश बैरियर को तोड़ती हुई पलट गई। राहगीरों ने ड्राइवर को निकाला हादसे को देखकर द्वारका एक्सप्रेसवे से गुजर रहे राहगीर तुरंत मदद के लिए आगे आए। लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए भारी मशक्कत के बाद घायल व्यक्ति को कार से बाहर निकाला। राहगीरों ने तुरंत पुलिस और एम्बुलेंस को इसकी सूचना दी। फिर घायल को पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार, घायल की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है। घायल की पहचान अभी बाकी हादसे का शिकार हुए व्यक्ति के पास से अभी तक कोई पहचान पत्र या ऐसा दस्तावेज नहीं मिला है, जिससे उसका नाम पता चल सके। अस्पताल में वह फिलहाल बेहोश है। पुलिस कार के रजिस्ट्रेशन नंबर के जरिए उसके परिजनों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

सोहना में किन्नर समाज पर धर्म परिवर्तन का दबाव

प्रधान सीमा ने पुलिस से की शिकायत, जांच और सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। सोहना में किन्नर समाज की प्रधान सीमा ने कुछ व्यक्तियों पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने इस संबंध में सोहना थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें पुलिस-प्रशासन से मामले की जांच और सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की गई है। प्रधान सीमा के अनुसार, सोहना और आसपास के क्षेत्रों में सनातन धर्म का पालन करने वाले किन्नरों पर लंबे समय से धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि गुरुग्राम क्षेत्र से संबंधित कुछ किन्नरों ने उन्हें इस्लाम धर्म अपनाने के लिए प्रभावित करने का प्रयास किया। धर्म स्थलों से दूर रहने का दबाव बनाने का आरोप सीमा ने यह भी बताया कि उन्हें कई बार मंदिरों को हटाने और अपनी धार्मिक आस्था से जुड़े स्थानों से दूर रहने के लिए कहा गया। इसके अतिरिक्त, उन पर इस्लाम धर्म के धार्मिक स्थलों पर जाने का दबाव बनाने का भी आरोप है। किन्नर गरिमा पांचाली ने इस कथित दबाव और विवाद के कारण अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उन्हें और समाज के अन्य सदस्यों को संबंधित व्यक्तियों से खतरा महसूस हो रहा है। किन्नर समाज ने पुलिस और प्रशासन से तत्काल सुरक्षा उपलब्ध कराने तथा पूरे मामले की गंभीरता से जांच करने की अपील की है। समाज ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कराने और कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई

बेटे ने पिता पर चाकू से किया हमला, हालत गंभीर

फरीदाबाद। ओल्ड फरीदाबाद की भीम बस्ती में मामूली कहासुनी के दौरान एक 22 वर्षीय बेटे ने अपने ही पिता पर सब्जी काटने वाले चाकू से हमला कर दिया। हमले में पिता की कमर और छाती पर गंभीर चोटें आई हैं। हालत बिगडने पर उन्हें बीके अस्पताल से दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया। घायल 46 वर्षीय बालकिशन ने पुलिस को बताया कि 16 अगस्त की शाम वह अपनी पत्नी पूनम और दोनों बेटों विकास व योगेश के साथ घर पर मौजूद थे। इसी दौरान वह और उनकी पत्नी बड़े बेटे विकास को नौकरी करने के लिए समझा रहे थे। बालकिशन के मुताबिक, नौकरी की बात सुनकर विकास नाराज हो गया और गाली-गलौज करने लगा। पिता ने उसे ऐसा करने से रोका, तो वह घर में रखा सब्जी काटने वाला चाकू उठा लाया। आरोप है कि विकास ने चाकू से पिता की कमर और छाती पर कई वार कर दिए। हमले के बाद बालकिशन ने शोर मचाया, तो विकास उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए घर से भाग गया। इसके बाद पत्नी पूनम ने घायल बालकिशन को उपचार के लिए बीके अस्पताल पहुंचाया। बीके अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने बालकिशन की हालत को देखते हुए उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया। मेडिकल जांच में उनके शरीर पर धारदार हथियार से लगी तीन चोटों का उल्लेख किया गया है। पुलिस के अनुसार, 18 अगस्त को सफदरजंग अस्पताल के डॉक्टरों ने बालकिशन को बयान देने के लिए फिट घोषित किया। इसके बाद पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर उनका बयान दर्ज किया। बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर विकास के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। ओल्ड थाना प्रभारी विष्णु मित्र ने बताया कि आरोपी घटना के बाद से फरार है। उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस मामले से जुड़े साक्ष्य जुटाने के साथ घटना के पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

मानेसर में सील तोड़कर चल रहे अवैध आरएमसी प्लांट ध्वस्त

नगर निगम की टीम ने की कार्रवाई, 20 दिन पहले कराया गया था बंद

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। जिले में मानेसर नगर निगम की टीम ने बुधवार को गांव नौरंगपुर स्थित एक अवैध रेडी मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) प्लांट को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। यह प्लांट पहले सील किया गया था, लेकिन संचालक द्वारा सील तोड़कर इसे दोबारा संचालित किया जा रहा था। नगर निगम की प्रवर्तन शाखा ने इस आरएमसी प्लांट पर बुलडोजर चलाकर अवैध निर्माण को ध्वस्त किया। निगम की टीम ने 29 जुलाई को बिना अनुमति संचालन के कारण इस प्लांट को सील किया था। सील खोलने और दोबारा संचालन की सूचना मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई। यह अभियान ड्यूटी मजिस्ट्रेट एसडीओ शशिकांत के नेतृत्व में चलाया गया। कार्रवाई में एसडीओ विकास शर्मा, जेई देवेंद्र, जयबीर यादव, मंदीप और टेक्निकल सुपरवाइजर धीरज सहित निगम की प्रवर्तन शाखा के अधिकारी व कर्मचारी शामिल थे। स्थानीय पुलिस सुरक्षा के बीच टीम ने मौके पर पहुंचकर प्लांट की मशीनरी और अवैध ढांचे को ध्वस्त किया। नगर निगम के संयुक्त आयुक्त पुनीत कुमार ने बताया कि सीलिंग की कार्रवाई का उल्लंघन करना गंभीर कानूनी अपराध है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में प्लांट ध्वस्त करने के साथ-साथ संचालक के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। संबंधित प्लांट संचालक के खिलाफ आवश्यक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। संयुक्त आयुक्त ने निगम क्षेत्र के सभी आरएमसी प्लांट संचालकों से अपील की कि जिनके पास वैध लाइसेंस, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अनुमति और अन्य आवश्यक दस्तावेज हैं, वे उन्हें तत्काल निगम कार्यालय में प्रस्तुत करें।

हरियाणा में नगरपालिका कर्मचारियों की हड़ताल 21 तक बढ़ी

गुरुग्राम नगर निगम कार्यालय पर प्रदर्शन, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा में नगर पालिका कर्मचारियों और सरकार के बीच अपनी मांगों को लेकर गतिरोध लगातार बढ़ रहा है। हड़ताल के 14वें दिन भी सरकार की ओर से कोई ठोस बातचीत या समाधान न निकलने के बाद, नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा ने आंदोलन तेज करने का फैसला किया है। संघ ने हड़ताल को अब 21 अगस्त तक बढ़ाने की घोषणा की है। गुरुग्राम में आंदोलनरत कर्मचारियों का स्पष्ट कहना है कि जब तक उनकी मानी गई मांगों के आधिकारिक पत्र जारी नहीं होते और कच्चे कर्मचारियों को नियमित नहीं किया जाता, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। कर्मचारी नेताओं के अनुसार, 13 मई को सरकार के साथ हुई वार्ता में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति बनी थी। हालांकि, आज तक उन फैसलों को लागू करने के लिए कोई विभागीय अधिसूचना या पत्र जारी नहीं किया गया है। सरकार को दिया था 18 अगस्त तक का अल्टीमेटम यूनियन नेताओं ने सरकार को 18 अगस्त तक का अल्टीमेटम दिया था। कोई समाधान न निकलने पर राज्य कार्यकारिणी की आपातकालीन ऑनलाइन बैठक बुलाई गई, जिसमें सर्वसम्मति से हड़ताल की अवधि को 21 अगस्त तक बढ़ाने पर मुहर लगाई गई। कर्मचारियों की मुख्य मांगों में 13 मई के समझौते को लागू करना, निगमों और परिषदों में कार्यरत लगभग 13 हजार कर्मचारियों को नियमित करना और ठेकेदारी प्रथा को पूरी तरह समाप्त करना शामिल है। सामाजिक, राजनीतिक संगठनों का मिल रहा समर्थन यह आंदोलन अब व्यापक समर्थन प्राप्त कर रहा है। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के साथ-साथ कई सामाजिक संगठन, जन संगठन और विपक्षी राजनीतिक पार्टियां भी कर्मचारियों के हक में उतर आई हैं। इस चौतरफा समर्थन से कर्मचारियों का हौसला और बढ़ गया है, जिससे आने वाले दिनों में शहरों की सफाई और आपातकालीन सेवाओं पर गहरा असर पड़ने की संभावना है। यदि सरकार ने जल्द वार्ता की पहल नहीं की, तो यह गतिरोध प्रदेश में एक बड़ा जन-आंदोलन बन सकता है।

कार व बाइक की टक्कर में युवक की मौत

पलवल। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। हादसे के बाद चालक कार सहित मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान इस्लामाबाद निवासी सौरभ के रूप में हुई है। गदपुरी थाना पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गदपुरी थाना प्रभारी कुलदीप ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि इस्लामाबाद निवासी लक्ष्मण ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका बेटा सौरभ बघौला स्थित एक निजी कंपनी में कार्यरत था। सोमवार रात को ड्यूटी समाप्त होने के बाद वह चिरवाड़ी गांव निवासी अपने साथी

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

संदर्भ : निविदा नोटिस सं. 16 / 2026–2027 दिनांक 27.05.2026 क्रम संख्या 06

1. निविदा सं. 15235293A नियत तिथि 15.09.2026

1. उपरोक्त संदर्भित टेंडर की नियत तिथि 20.08.2026 से बढ़ाकर 15.09.2026 कर दी गई है। शेष सभी नियम एवं शर्तो में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

यह शुद्धिपत्र वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर मुद्रित किया गया है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2855/26

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

इलेक्ट्रानिक निविदा ई प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतू निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली-110055 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
93266056	E-70 ब्रेकिंग सिस्टम के कंपोनेंट्स के लिए टेस्टिंग सुविधाएँ	1 नग	28.09.2026

निविदा शर्तेः 1. विस्तृत जानकारी **IREPS** वेबसाईट यानी **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। 2. मैनुउल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगा।

टेंडर नोटिस सं.: **93266056** दिनांक: **18.08.2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2878/2026

उत्तर रेलवे

ई-खुली निविदा सूचना

मंडल अभियंता/सम्पदा, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा दिनांक **10.09.2026** को **15:00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन तत्काल खोली जाएगी।

क्र.सं. (ए) कार्य का नाम : सहायक मंडल अभियंता/सम्पत्ति-III के अधीन कार्यरत वरिष्ठ खंड अभियंता/रेल भवन के कार्यक्षेत्र में COFMOW स्थित बोर्ड कार्यालय की पहली, तीसरी और चौथी मंज़िल के शौचालयों/वॉशरूम का नवीनीकरण और अपग्रेडेशन (जिसमें ढांचे की मरम्मत आदि शामिल है) के कार्य हेतु।

अनुमानित लागत	धरोहर राशि	समापन अवधि
रु. 3,09,48,049.80	रु. 6,19,000.00	09 महीने

1. निविदा दिनांकः **10.09.2026** को **15:00 बजे** तक जमा की जा सकती है एवं तत्काल खोली जाएगी।

सं.: 128-डब्लयू/269/ओ.ई.टी/निविदा सूचना/26-27/डब्लयू-ई/टेंडर नं: 14 दिनांक: 18.08.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2890/2026

गुरुग्राम में तोड़फोड़ के खिलाफ ऋछ्ऋमें महापंचायत

सरकार-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी; बोले-रील बाज अधिकारियों का बहिष्कार हो

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में नगर निगम, जीएमडीए, एचएसवीपी और डीटीपी विभाग द्वारा शहर में चलाए जा रहे तोड़फोड़ अभियान के खिलाफ बुधवार को डीएलएफ में महापंचायत का आयोजन किया गया। जिसमें तोड़फोड़ की कार्रवाई को लेकर स्थानीय निवासियों और प्रभावित लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। रेजिडेंट्स ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। महापंचायत में वक्ताओं ने प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए और सोशल मीडिया पर एक्टिव रील बाज अधिकारियों के बहिष्कार की मांग उठाई। महापंचायत में मुख्य रूप से नगर निगम के नोडल अधिकारी आरएस बाठ की कार्यशैली को निशाने पर लिया गया। वक्ताओं ने दो टूक शब्दों में कहा कि अधिकारी अपनी कार्रवाई की वीडियो बनाना और उसे सोशल मीडिया पर शेयर करना तुरंत बंद करें। उन्होंने सवाल पूछा, ह्लआखिर किस अफसर को यह अधिकार है कि वह अपनी विभागीय कार्रवाई को इस तरह पब्लिक प्लेटफॉर्म पर साझा करें और लोगों की मजबूरी का तमाशा बनाए? करोड़ों खर्च किए, रेवेन्यू दिया, तो मकान अवैध कैसे? महापंचायत में मौजूद वक्ताओं और स्थानीय निवासियों का सबसे बड़ा दर्द उनके आशियानों पर चला बुलडोजर है। मंच से बोलते हुए कई वक्ताओं ने भावुक और तीखे लहजे में कहा, हमने अपनी जिंदगी भर की कमाई लगाकर जमीन की बाकायदा रजिस्ट्री करवाई। सरकार को पूरा रेवेन्यू दिया। सालों से हम बिजली का बिल भर रहे हैं और करोड़ों रुपए खर्च करके अपने सपनों का मकान बनाया है। जब सरकार ने रजिस्ट्री की और टैक्स लिया, तो आज अचानक यह सब अवैध कैसे हो गया? जब अवैध निर्माण हो रहा था, तब कहां था प्रशासन लोगों का आरोप है कि जब अवैध निर्माण हो रहा होता है, तब प्रशासन सोता रहता है। लेकिन जब लोग अपनी कमाई लगा देते हैं, तो अधिकारी अपनी पब्लिसिटी चमकाने के लिए बुलडोजर लेकर पहुंच जाते हैं। रील संस्कृति और पब्लिसिटी पर कड़ा ऐतराज महापंचायत में उमड़ी भीड़ ने प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा कार्रवाई के दौरान वीडियो बनाने की संस्कृति की कड़े शब्दों में निंदा की। लोगों का कहना है कि कार्रवाई के नाम पर आम नागरिकों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। अधिकारियों का ध्यान कानून व्यवस्था से ज्यादा अपनी सोशल मीडिया रीच और लाइक्स बढ़ाने पर है। महापंचायत ने निर्णय लिया कि यदि भविष्य में कोई भी अधिकारी इस तरह वीडियो बनाता हुआ पाया गया, तो उसका कड़ा विरोध और सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा। अदालत और आंदोलन का रास्ता इस महापंचायत के जरिए प्रशासन को साफ चेतावनी दी गई है कि यदि तोड़फोड़ की इस एकतरफा कार्रवाई को तुरंत नहीं रोका गया, तो यह आंदोलन और उग्र रूप धारण करेगा। पीड़ित परिवारों ने अब इस मामले को कानूनी रूप से लड़ने और सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरने की रणनीति तैयार की है। स्थानीय नेताओं ने मांग की है कि जिन लोगों के मकान तोड़े गए हैं, उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए और इस पूरी प्रक्रिया की उच्च स्तरीय जांच हो।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार को कुचला, मौत

पलवल। पलवल-अलीगढ़ रोड़ पर बुधवार सुबह तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। कैंप थाना प्रभारी कृष्ण गोपाल के अनुसार मृतक के भाई अकबरपुर डकौरा निवासी महेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि मृतक राजबीर दूध सप्लाई का काम करता था और वह अपने भाई राजबीर सिंह के साथ दूध की सप्लाई करके पलवल से गांव लौट रहा था। राजबीर बाइक पर आगे चल रहा था। सुबह करीब 10 बजे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने गलत दिशा में आकर राजबीर की बाइक को टक्कर मार दी। ट्रैक्टर के पहिए राजबीर के सिर के ऊपर से गुजर गए।

नौकरी के साथ जीवन की तैयारी भी जरूरी है

सरकारी नौकरी जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन यह जीवन का सब कुछ नहीं होना चाहिए। हालांकि वेतन, पद, पदोन्नति और सरकारी लाभ अच्छे हैं, लेकिन अच्छा परिवार, स्वास्थ्य, आर्थिक सुरक्षा, व्यक्तिगत विकास और सेवानिवृत्ति के बाद के भविष्य की तैयारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। सबसे पहले, अपने घर की योजना बनाएं। चाहे गांव हो या शहर, अपना घर होने से स्थिरता और आत्मनिर्भरता का एहसास होता है। सरकार द्वारा आवास मिलना अच्छी बात है, लेकिन यह आपके जीवन का आधार नहीं होना चाहिए। अपना घर होने से नौकरी छूटने की स्थिति में आपको और आपके परिवार को काफी आसानी होगी। काम के प्रति ईमानदार और समर्पित रहें, लेकिन अपना पूरा जीवन कार्यस्थल को न समर्पित करें। यह न सोचें कि आपके बिना कंपनी नहीं चल सकती। इनमें से प्रत्येक भूमिका कोई और निभा सकता है, लेकिन अपनों के साथ बिताए उन पलों को आप कभी वापस नहीं पा सकते। अपनी छुट्टियों और अवकाश का आनंद लें, आराम करें या परिवार और दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताएं, अपना ख्याल रखें, यात्रा करें, सीखें और जीवन का आनंद लें। पदोन्नति को ही सफलता का एकमात्र मापदंड न बनाएं। अभ्यास करें और अपनी क्षमताओं को विकसित करें, ज्ञान बढ़ाएं और अपने हर काम में उत्कृष्टता प्राप्त करें। पदोन्नति मिलने पर उसका लाभ उठाएं। अगर पदोन्नति नहीं मिलती है, तो निराश होकर अपने आत्मसम्मान को कम न होने दें। व्यक्तिगत विकास किसी पद से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। ऑफिस की गपशप, राजनीति और नकारात्मक बातों से दूर रहें। बड़ों का आदर करें, लेकिन चापलूसी को अपना पेशा न बनाएं। शक्तिशाली लोगों को खुश करने से क्षणिक सम्मान मिल सकता है; लेकिन ये चीजें स्थायी सम्मान नहीं दिलातीं। अपने आत्मसम्मान, आत्म-सम्मान और आत्मनिर्णय को बनाए रखें। हमेशा दूसरों से अपनी तुलना न करें, बल्कि खुद से प्रतिस्पर्धा करें। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का एक स्तर सुधार के लिए अच्छा होता है, लेकिन अगर यह किसी को हराने की भावना से प्रेरित हो, तो कुछ लोग बेवजह तनावग्रस्त हो जाते हैं। आपको कल खुद से मुकाबला करना चाहिए, किसी और से नहीं। अपने वित्त का प्रबंधन करने की क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। अपनी तनख्वाह पर निर्भर न रहें और उससे ही सब कुछ पाने की उम्मीद न रखें। अपनी आय, दायित्वों और जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर बचत और निवेश योजनाएँ बनाएँ। जब आप दूसरी आय या व्यवसाय के बारे में सोचें, तो सुनिश्चित करें कि यह सेवा नियमों और आपके पेशेवर कर्तव्यों के अनुरूप हो। नियमित रूप से बचत करने की आदत डालें। अनावश्यक कर्ज और जीवनशैली में बेवजह की बढ़ोतरी से बचें। शिक्षा प्राप्त करने, किसी लाभकारी संपत्ति खरीदने या किसी सुनियोजित उद्यम के लिए उधार लेना भले ही स्वीकार्य हो, लेकिन अपनी मनचाही जीवनशैली बनाए रखने के लिए कर्ज लेना उचित नहीं है। निजी जीवन की बातें साझा न करें। कार्यालय में निजी संबंधों, आर्थिक मामलों, पारिवारिक मुद्दों और विवाह पर चर्चा नहीं करनी चाहिए। अपने निजी जीवन के बारे में जो बातें आप साझा करते हैं, उनसे नहीं, बल्कि अपने आचरण, पेशेवर रवैये और ईमानदारी से अपने सहकर्मियों, सहयोगियों और नियोक्ताओं का सम्मान करें। अपने करियर की शुरूआत से ही अपनी सेवानिवृत्ति की योजना बनाएं। ऐसा हमेशा नहीं होता कि सेवानिवृत्ति 40 या 50 वर्ष की आयु में ही हो। वास्तव में, सेवानिवृत्ति का अर्थ है उन दिनों के लिए वित्तीय, मानसिक और भावनात्मक रूप से तैयार होना जब काम, चाहे अच्छा हो या बुरा, समाप्त हो जाएगा। सेवानिवृत्ति के बाद जीवन को अर्थपूर्ण बनाने के लिए रुचियों और गतिविधियों की योजना बनाएं। यह लेखन, अध्यापन, खेती, छोटा व्यवसाय चलाना, सामाजिक कार्य, यात्रा, पढ़ना या कोई अन्य अच्छी गतिविधि हो सकती है। काम करते समय धीरे-धीरे कुछ करने से आपको उसका अनुभव मिलेगा और आप देख पाएंगे कि यह संभव और व्यवहार्य है या नहीं। अपनी दिनचर्या तय करने के लिए सेवानिवृत्ति का इंतजार न करें। दशकों तक काम करने के बाद, सेवानिवृत्ति के बाद जीवन में ढलना मुश्किल हो सकता है क्योंकि कोई और नियमित दिनचर्या या उद्देश्य नहीं होता। सेवानिवृत्ति जीवन का एक नया पड़ाव होना चाहिए, न कि अचानक आने वाला खालीपन। अपनी छुट्टियों का भरपूर आनंद उठाएं। कोई किताब पढ़ें, कोई नया कौशल सीखें, कोई व्यक्तिगत परियोजना शुरू करें, परिवार के साथ यात्रा करें, स्वस्थ रहें या कोई शौक अपनाएं। आप अपना समय कैसे बिताते हैं, यह दशार्ता है कि आप भविष्य में अपना जीवन कैसे जिएंगे।

मच्छर जानलेवा है, जागरूकता और स्वच्छता ही बचाव का सबसे बड़ा हथियार

कांतिलाल मांडोत

मच्छर आकार में भले ही बहुत छोटा जीव है, लेकिन मानव स्वास्थ्य के लिए इसका खतरा बेहद बड़ा है। दुनिया में अनेक गंभीर संक्रामक बीमारियों के प्रसार में मच्छरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, जापानी इंसेफलाइटिस, जीका, पीला बुखार और फाइलेरियासिस जैसी बीमारियां मच्छरों के माध्यम से फैलती हैं। इन बीमारियों के कारण हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़ते हैं और कई मामलों में स्थिति गंभीर भी हो जाती है। इसलिए मच्छर को केवल परेशान करने वाला कीट मानना उचित नहीं है। यह मानव जीवन के लिए गंभीर स्वास्थ्य चुनौती है। हर वर्ष 20 अगस्त को विश्व मच्छर दिवस मनाया जाता है। यह दिवस ब्रिटिश चिकित्सक सर रोनाल्ड रॉस की ऐतिहासिक खोज की स्मृति में मनाया जाता है। 20 अगस्त 1897 को रॉस ने यह महत्वपूर्ण प्रमाण प्रस्तुत किया कि मादा एनोफिलीज मच्छर मलेरिया के परजीवी को फैलाने में भूमिका निभाती है। इस खोज ने मलेरिया के संक्रमण और उसके नियंत्रण को समझने की दिशा में चिकित्सा विज्ञान को नई राह दिखाई। रॉस को बाद में वर्ष 1902 में चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विश्व मच्छर दिवस का उद्देश्य केवल इस वैज्ञानिक उपलब्धि को याद करना नहीं है, बल्कि लोगों को मच्छरजनित बीमारियों के खतरे और उनसे बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना भी है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि बीमारी फैलने के बाद उपचार करने से बेहतर है कि मच्छरों के प्रजनन को रोककर बीमारी की आशंका को ही कम किया जाए। मलेरिया मच्छर से फैलने वाली सबसे पुरानी और गंभीर बीमारियों में से एक है। यह प्लास्मोडियम परजीवी के कारण होता है और संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। बुखार, ठंड लगना, पसीना आना, सिरदर्द और कमजोरी इसके सामान्य लक्षण हो सकते हैं। समय पर जांच और उचित उपचार मिलने पर मलेरिया का इलाज संभव है, लेकिन लापरवाही की स्थिति में यह गंभीर और जानलेवा रूप ले सकता है। डेंगू भी मच्छरजनित बीमारी है, जो मुख्य रूप से संक्रमित एडीज मच्छरों से फैलती है। तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द, मतली और कमजोरी इसके सामान्य लक्षण हैं। कुछ मामलों में डेंगू गंभीर रूप ले सकता है, इसलिए लगातार या तेज बुखार होने पर चिकित्सकीय सलाह लेना आवश्यक है। डेंगू की रोकथाम में मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करना सबसे महत्वपूर्ण उपायों में शामिल है। चिकनगुनिया भी एडीज मच्छरों से फैलता है। इसमें बुखार के साथ जोड़ों में दर्द, सिरदर्द और थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जापानी इंसेफलाइटिस तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करने वाली गंभीर बीमारी है। जीका वायरस भी एडीज मच्छरों के माध्यम से फैल सकता है और गर्भावस्था के दौरान विशेष चिंता का विषय हो सकता है। इसके अलावा पीला बुखार और फाइलेरियासिस भी मच्छरों से फैलने वाली महत्वपूर्ण बीमारियां हैं। मच्छरों के बारे में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि सामान्यतः मादा मच्छर ही मनुष्य और अन्य जीवों का रक्त चूसती हैं। मादा मच्छर को अंडों के विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्राप्त करने के लिए रक्त की आवश्यकता होती है। नर मच्छर मुख्य रूप से पौधों के रस और अन्य वनस्पति स्त्रोतों पर निर्भर रहते हैं। मच्छर मनुष्य तक पहुंचने के लिए सांस से निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड, शरीर की गर्मी और गंध जैसे संकेतों का उपयोग करते हैं। इसी कारण वे मनुष्यों को आसानी से खोज लेते हैं। मच्छरों की अलग-अलग प्रजातियों का व्यवहार और बीमारी फैलाने की क्षमता भी अलग होती है। इसलिए मच्छर नियंत्रण के लिए वैज्ञानिक निगरानी और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार उपाय करना आवश्यक है। मच्छरों के प्रजनन को रोकने का सबसे प्रभावी तरीका उनके प्रजनन स्थलों को समाप्त करना है। घरों के आसपास जमा पानी मच्छरों के लिए अनुकूल वातावरण बनाता है। कूलर, गमले, पुराने टायर, खाली डिब्बे, छत पर रखे पात्र, पानी की टंकियां और अन्य बर्तन यदि खुले हों तो उनमें मच्छर पनप सकते हैं।

वंदे मातरम प्रेम:हकीकत या फसाना

6 छंदों पर आधारित यह गीत काफी लंबा भी है। चूँकि आम तौर पर केवल इसके पहले दो छंदों को ही आधिकारिक तौर पर गाया जाता रहा है, इसलिए देश के अधिकांश राजनेताओं और आम नागरिकों को भी इसके बाद के 4 छंद कंठस्थ याद नहीं होते हैं। लेकिन भाजपा के मामले में यह विवाद इसलिए भी बड़ा हो जाता है क्योंकि वह अन्य दलों पर राष्ट्रगीत के अपमान का तो आरोप लगाती है, जबकि खुद उसके अपने नेता इसे सही ढंग से प्रस्तुत करने में चूक जाते हैं। समय-समय पर भाजपा के नेताओं की इस गीत को लेकर अज्ञानता कैमरे पर भी उजागर हुई है। एक टेलीविजन लाइव डिबेट के दौरान, जब भाजपा प्रवक्ता नवीन कुमार सिंह दूसरों को ह्ववंदे मातरम्ह्व गाने की चुनौती दे रहे थे, तो एंकर ने उनसे स्वयं इसे गाने को कह दिया। वे अपने मोबाइल फोन में देखने के बावजूद गीत की गलत पंक्तियाँ गाने लगे और धुन भी पूरी तरह भूल गए। इसी तरह उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के पूर्व मंत्री बलदेव सिंह औलख से जब पत्रकारों ने ह्ववंदे मातरम्ह्व की कुछ पंक्तियाँ सुनाने को कहा, तो वे बेहद असहज हो गए। उन्होंने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि उन्हें इस समय पूरा याद नहीं है।

निर्मल रानी
(लेखक)

राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम के 150 साल पूरे होने के अवसर पर 2026 के नये सरकारी प्रोटोकॉल के अनुसार गृह मंत्रालय द्वारा जारी नए दिशा-निदेर्शों के तहत सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम बजाना और सभी के लिए सम्मान में खड़ा होना अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही औपचारिक अवसरों पर इसके सभी छह छंदों को गाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। विपक्ष सहित कुछ अन्य संगठन इस अनिवार्य प्रोटोकॉल को संविधान के अनुच्छेद 25 अर्थात व्यक्तिगत और धार्मिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बताते हैं। बहरहाल, इन सब के बावजूद ह्ववंदेमातरम ह्व को संसद में और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पर प्रधानमंत्री की मौजूदगी में लाल किले पर गाया गया कबंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा1875 में मूल रूप से बांग्ला और संस्कृत भाषा में लिखे इस गीत के शब्द काफी कठिन हैं। 6 छंदों पर आधारित यह गीत काफी लंबा भी है। चूँकि आम तौर पर केवल इसके पहले दो छंदों को ही आधिकारिक तौर पर गाया जाता रहा है, इसलिए देश के अधिकांश राजनेताओं और आम नागरिकों को भी इसके बाद के 4 छंद कंठस्थ याद नहीं होते हैं। लेकिन भाजपा के मामले में यह विवाद इसलिए भी बड़ा हो जाता है क्योंकि वह अन्य दलों पर राष्ट्रगीत के अपमान का तो आरोप लगाती है, जबकि खुद उसके अपने नेता इसे सही ढंग से प्रस्तुत करने में चूक जाते हैं। समय-समय पर भाजपा के नेताओं की इस गीत को लेकर अज्ञानता कैमरे पर भी उजागर हुई है। एक टेलीविजन लाइव डिबेट के दौरान, जब भाजपा प्रवक्ता नवीन कुमार सिंह दूसरों को ह्ववंदे मातरम्ह्व गाने की चुनौती दे रहे थे, तो एंकर ने उनसे स्वयं इसे गाने को कह दिया। वे अपने मोबाइल फोन में देखने के बावजूद गीत की गलत पंक्तियाँ गाने लगे और धुन भी पूरी तरह भूल गए। इसी तरह उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के पूर्व मंत्री बलदेव सिंह औलख से जब पत्रकारों ने ह्ववंदे मातरम्ह्व की कुछ पंक्तियाँ सुनाने को कहा, तो वे बेहद असहज हो गए। उन्होंने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि उन्हें इस समय पूरा याद नहीं है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जयपुर में भाजपा के मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान, मंच पर राष्ट्रगीत गाते समय गलत धुन और गलत वर्जन बज गया। कांग्रेस द्वारा इस बड़ी चूक पर हमला किए जाने के बाद राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी। कोटा, मेरठ और ग्वालियर जैसे कई शहरों में भाजपा के स्थानीय विधायकों और सांसदों के ऐसे अनेक वीडियो सामने आ चुके हैं, जहाँ वे वंदे मातरम् और राष्ट्रगान (जन गण मन) के बीच अंतर करने में भ्रमित हो जाते हैं या गीत की पंक्तियों को आपस में मिला देते हैं। हाल ही में गुजरे संसद के मॉनसून सत्र के दौरान जब ह्ववंदे मातरम्ह्व को लेकर नया कानून और राष्ट्रगीत विवाद गरमाया, तो विपक्ष ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि ह्लजिन्होंने वंदे मातरम्को लेकर कड़े कानून बनाये हैं, हकीकत यह है कि उनके अपने नेताओं और मंत्रियों को भी यह गीत पूरा याद नहीं है। उधर मुस्लिम समुदाय के भीतर इस गीत को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण और विचार हैं। हालाँकि समग्र मुस्लिम समाज ह्ववंदे मातरम्ह्व गायन का विरोध नहीं करता है परन्तु समाज के कुछ लोग या कुछ धार्मिक संगठन इसके पूरे पाठ या कुछ विशिष्ट छंदों का विरोध करते हैं। जबकि अनेक अन्य मुस्लिम नागरिक,प्रतिष्ठित लोग और कलाकार इसे देशभक्ति के प्रतीक के रूप में सहजता से गाते भी हैं। दरअसल मुसलमानों के एक वर्ग के वंदे मातरम् का विरोध करने के पीछे मुख्य रूप से धार्मिक, साहित्यिक और ऐतिहासिक कारण हैं। एकेश्वरवाद के सिद्धांत पर आधारित इस्लाम धर्म में केवल एक अल्लाह की इबादत की अनुमति है। जबकि वंदे मातरम् का शाब्दिक अर्थ ह्लमाँ, मैं आपकी वंदना/पूजा करता हूँह्व होता है जहाँ देश को एक देवी दुर्गा के रूप में चित्रित किया गया है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद जैसे धार्मिक संगठनों का मानना है कि अल्लाह के अलावा किसी भी अन्य सत्ता, भूमि या मूर्ति के सामने झुकना या उसकी पूजा करना उनके धार्मिक सिद्धांतों के विरुद्ध है। कुछ इतिहासकारों और मुस्लिम विचारकों का मानना है कि इस उपन्यास की पृष्ठभूमि और कुछ अंशों में मुस्लिम विरोधी भावनाएं निहित थीं, जिससे इस गीत को लेकर ऐतिहासिक रूप से एक संशय पैदा हुआ। कई मुस्लिम नेताओं और कानूनी विशेषज्ञों का यह तर्क भी है कि भारत का संविधान अनुच्छेद 19 और 25 नागरिकों को अभिव्यक्ति और धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है। उनका कहना है कि देशभक्ति साबित करने के लिए किसी को भी ऐसा गीत गाने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए जो उनकी धार्मिक आस्था से टकराता हो। हालांकि इस विषय पर मुस्लिम समाज भी एकमत नहीं है। कुछ उलेमाओं का मानना है कि इसके छंदों में मूर्तिपूजा और देवी स्वरूप की स्तुति शामिल है, इसलिए वे इसे गाने से परहेज करते हैं। यही वजह थी कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वर्ष 1937 में कांग्रेस ने मुस्लिम समुदाय की आपत्तियों को ध्यान में रखते हुए ही इस गीत के केवल शुरूआती दो छंदों को ही राष्ट्रगीत के रूप में अपनाया था। पहले दो छंदों में देश की प्राकृतिक सुंदरता (सुजलां सुफलां) का वर्णन है, जिस पर कई प्रगतिशील मुस्लिम संगठनों को कोई आपत्ति नहीं है। जबकि कई उदारवादी मुस्लिम, आम नागरिक और कलाकार इसे बिना किसी धार्मिक चश्मे के केवल अपनी मातृभूमि के प्रति सम्मान और प्रेम के रूप में देखते हैं।

विचारों की लड़ाई है -दिमागी नक्सली

असल चुनौती उन विचारों और प्रचार-तंत्रों से है, जो युवाओं को लोकतांत्रिक बहस से निकालकर हिंसा, घृणा, विध्वंस और अराजकता की ओर धकेलते हैं। भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में शामिल है। देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा आबादी है। युवा ऊर्जा यदि शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, उद्यमिता, कृषि, उद्योग, खेल और सामाजिक सेवा में लगे तो वही ऊर्जा देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है। इसके विपरीत यदि युवाओं के भीतर लगातार यह भावना भरी जाए कि व्यवस्था में कोई सुधार संभव नहीं है, लोकतांत्रिक संस्थाएं बेकार हैं और परिवर्तन का एकमात्र रास्ता हिंसा या विध्वंस है, तो यह मानसिकता व्यक्ति और समाज दोनों के लिए नुकसानदेह हो सकती है। युवा मन स्वभावतः प्रश्न करता है। वह अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना चाहता है और बदलाव की आकांक्षा रखता है। यही उसकी ताकत है। लेकिन इसी ऊर्जा को यदि तथ्यहीन प्रचार, आधी-अधूरी जानकारी और कट्टर वैचारिक प्रभाव दिशा देने लगे, तो रचनात्मक असंतोष विनाशकारी क्रोध में बदल सकता है। इसलिए सवाल युवाओं को चुप कराने का नहीं है, बल्कि उनके सवालों को सही दिशा देने का है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

देश में समय-समय पर ऐसे शब्द और अवधारणाएं चर्चा में आती हैं, जो समाज के भीतर चल रही किसी बड़ी बहस की ओर संकेत करती हैं। ह्लदिमागी नक्सलीह्व भी ऐसा ही एक विवादास्पद और तीखा शब्द है। इसका इस्तेमाल आम तौर पर उन लोगों के लिए किया जाता है, जिन पर हिंसक उग्रवाद, अराजकता या राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को प्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा दिए बिना वैचारिक स्तर पर युवाओं को भ्रमित करने, व्यवस्था के प्रति अंधी नफरत पैदा करने या हिंसा को उचित ठहराने का आरोप लगाया जाता है। लेकिन इस विषय पर चर्चा करते समय एक बुनियादी सावधानी जरूरी है असहमति, सरकार की आलोचना, वैचारिक मतभेद और नक्सली या हिंसक उग्रवाद एक ही चीज नहीं हैं। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना नागरिक अधिकार है। इसलिए किसी व्यक्ति या समूह को केवल उसके राजनीतिक विचारों के कारण दिमागी नक्सली कहना उचित नहीं होगा। असल चुनौती उन विचारों और प्रचार-तंत्रों से है, जो युवाओं को लोकतांत्रिक बहस से निकालकर हिंसा, घृणा, विध्वंस और अराजकता की ओर धकेलते हैं। भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में शामिल है। देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा आबादी है। युवा ऊर्जा यदि शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, उद्यमिता, कृषि, उद्योग, खेल और सामाजिक सेवा में लगे तो वही ऊर्जा देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है। इसके विपरीत यदि युवाओं के भीतर लगातार यह भावना भरी जाए कि व्यवस्था में कोई सुधार संभव नहीं है, लोकतांत्रिक संस्थाएं बेकार हैं और परिवर्तन का एकमात्र रास्ता हिंसा या विध्वंस है, तो यह मानसिकता व्यक्ति और समाज दोनों के लिए नुकसानदेह हो सकती है। युवा मन स्वभावतः प्रश्न करता है। वह अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना चाहता है और बदलाव की आकांक्षा रखता है। यही उसकी ताकत है। लेकिन इसी ऊर्जा को यदि तथ्यहीन प्रचार, आधी-अधूरी जानकारी और कट्टर वैचारिक प्रभाव दिशा देने लगे, तो रचनात्मक असंतोष विनाशकारी क्रोध में बदल सकता है। इसलिए सवाल युवाओं को चुप कराने का नहीं है, बल्कि उनके सवालों को सही दिशा देने का है। आज विचारों का प्रसार केवल किताबों, अखबारों और सार्वजनिक सभाओं तक सीमित नहीं है। मोबाइल फोन के माध्यम से कोई भी संदेश कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। सोशल मीडिया ने लोकतांत्रिक संवाद को व्यापक बनाया है, लेकिन इसके साथ गलत सूचना, भ्रामक वीडियो, फर्जी उद्धरण, संपादित तस्वीरें और भावनात्मक प्रचार की चुनौती भी बढ़ी है। किसी घटना का दस सेकंड का वीडियो देखकर पूरा निष्कर्ष निकाल लेना, किसी वायरल पोस्ट को बिना सत्यापन के सच मान लेना या किसी समुदाय के प्रति नफरत फैलाने वाली सामग्री को लगातार देखना व्यक्ति की सोच को प्रभावित कर सकता है। इसलिए आज के युवा के लिए डिजिटल साक्षरता भी उतनी ही जरूरी है जितनी पारंपरिक शिक्षा। उसे यह सीखना होगा कि हर वायरल संदेश सच नहीं होता है और हर तीखा भाषण तथ्यपरक नहीं होता है। यदि किसी समाज में कोई विध्वंसकारी विचार फैल रहा है, तो उसका मुकाबला केवल प्रतिबंध या दमन से नहीं किया जा सकता है। उसके सामने बेहतर विचार, बेहतर शिक्षा और बेहतर अवसर रखने होंगे। युवाओं को यह समझाना होगा कि गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, सामाजिक असमानता या प्रशासनिक कमियों का समाधान लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करके नहीं, बल्कि उन्हें मजबूत करके किया जा सकता है। संसद, विधानसभाएं, न्यायपालिका, मीडिया, विश्वविद्यालय, स्थानीय निकाय और नागरिक समाज, ये सभी लोकतांत्रिक परिवर्तन के रास्ते हैं। यदि व्यवस्था में कमी है तो उसके खिलाफ आवाज उठाइए। यदि नीति गलत है तो उसका विरोध कीजिए। यदि प्रशासनिक लापरवाही है तो जवाब मांगिए। लेकिन हिंसा और विध्वंस को परिवर्तन का साधन मानना अंततः उसी समाज को कमजोर करता है, जिसके सुधार की बात की जाती है। राष्ट्र-निर्माण की चर्चा में यह स्पष्ट करना भी जरूरी है कि देशभक्ति का अर्थ सरकार की हर नीति का समर्थन करना नहीं है। देश नागरिकों से बनता है, और नागरिकों को अपनी सरकार से सवाल पूछने का अधिकार है। लोकतंत्र में असहमति कोई अपराध नहीं है, बल्कि स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। एक जिम्मेदार नागरिक वह है जो देश से प्रेम करते हुए उसकी कमियों पर भी सवाल उठाता है और सुधार का रास्ता सुझाता है। इसलिए युवाओं को दो अतियों से बचाना होगा, एक ओर अंध-समर्थन और दूसरी ओर अंध-विरोध। देश को अंधभक्ति नहीं, जागरूक नागरिक चाहिए। भारत ने लंबे समय तक वामपंथी उग्रवाद और नक्सली हिंसा की चुनौती का सामना किया है। कई क्षेत्रों में हिंसा ने आम नागरिकों, सुरक्षाबलों और विकास कार्यों को प्रभावित किया है। हिंसक उग्रवाद का स्पष्ट विरोध होना चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में हथियार उठाकर नागरिकों या सुरक्षा बलों पर हमला करने को राजनीतिक असहमति का सामान्य रूप नहीं माना जा सकता है। लेकिन इसी के साथ वैचारिक बहस को भी हिंसक उग्रवाद के बराबर नहीं रखा जाना चाहिए। किसी विश्वविद्यालय के छात्र का किसी आर्थिक नीति से असहमत होना, किसी लेखक का सरकार की आलोचना करना या किसी नागरिक का सामाजिक अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना अपने आप में नक्सली गतिविधि नहीं है। यही अंतर लोकतांत्रिक समाज को बनाए रखता है। भारत आज विज्ञान, डिजिटल तकनीक, अंतरिक्ष, स्टार्टअप, विनिर्माण, बुनियादी ढांचे और शिक्षा के क्षेत्र में बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में युवाओं के सामने अवसरों का एक विशाल संसार है। उन्हें यह बताया जाना चाहिए कि देश बदलने के लिए केवल नारों की जरूरत नहीं है, बल्कि कौशल और मेहनत की जरूरत है।

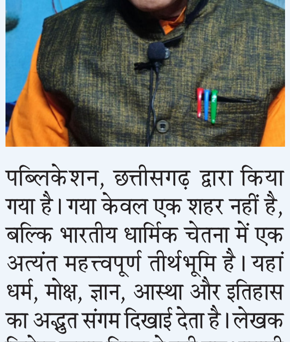

धर्म, मोक्ष और इतिहास की संगम भूमि पर एक पठनीय कृति है गया जी

सुरेन्द्र कुमार रंजन

बिहार के वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक जितेन्द्र कुमार सिन्हा की चौथी कृति गया जी प्रकाशित होकर पाठकों के बीच आ चुकी है। 122 पृष्ठों में प्रकाशित यह पुस्तक गया की धार्मिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को सहज एवं सरल भाषा में प्रस्तुत करती है। पुस्तक का मूल्य मात्र 299 है और इसका प्रकाशन ऑरेंज बुक पब्लिकेशन, छत्तीसगढ़ द्वारा किया गया है। गया केवल एक शहर नहीं है, बल्कि भारतीय धार्मिक चेतना में एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण तीर्थभूमि है। यहां धर्म, मोक्ष, ज्ञान, आस्था और इतिहास का अद्भुत संगम दिखाई देता है। लेखक जितेन्द्र कुमार सिन्हा ने इसी बहुआयामी पहचान को अपनी पुस्तक ह्वगया जीह्व का विषय बनाया है। लेखक ने पुस्तक को दो प्रमुख खंडों में विभाजित किया है। छोटे-छोटे पाठों के माध्यम से गया जी से जुड़े धार्मिक एवं ऐतिहासिक विषयों को पाठकों के सामने रखा गया है। भाषा सहज, सरल और प्रवाहपूर्ण है, जिसके कारण पुस्तक सामान्य पाठक के साथ-साथ धार्मिक एवं ऐतिहासिक विषयों में रुचि रखने वाले पाठकों के लिए भी उपयोगी बन जाती है। पुस्तक में गयासुर, भगवान विष्णु और उनके चरणचिह्न विष्णुपद, फल्गु नदी, विष्णुपद मंदिर, पितरों की मोक्ष-प्रक्रिया तथा गया जी के विभिन्न मोक्ष स्थलों का उल्लेख किया गया है। इन विषयों के माध्यम से लेखक ने गया की धार्मिक पहचान और उससे जुड़ी मान्यताओं को समझाने का प्रयास किया है। गया की धार्मिक पहचान की चर्चा गयासुर की कथा के बिना अधूरी मानी जाती है। पुस्तक में गयासुर से जुड़ी मान्यताओं को स्थान देकर लेखक ने गया जी के धार्मिक आख्यान की मूल कड़ी को पाठकों के सामने रखा है। भगवान विष्णु के चरणचिह्न से जुड़ा विष्णुपद गया जी की पहचान का प्रमुख केंद्र है। लेखक ने विष्णुपद और उससे संबंधित धार्मिक मान्यताओं को सरल भाषा में प्रस्तुत किया है। इससे पाठक गया जी की आध्यात्मिक परंपरा को केवल एक तीर्थ के रूप में नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही धार्मिक आस्था की परंपरा के रूप में समझ सकता है। गया जी की चर्चा फल्गु नदी के बिना भी पूरी नहीं हो सकती। धार्मिक दृष्टि से फल्गु का विशेष महत्त्व है और पितरों के लिए किए जाने वाले कर्मकांडों से इसका गहरा संबंध है। पुस्तक में पितरों की मोक्ष प्रक्रिया तथा गया जी में होने वाले विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का उल्लेख किया गया है। लेखक ने इन विषयों को जटिल बनाने के बजाय छोटे-छोटे पाठों के माध्यम से पाठकों के लिए सुगम व सरल बनाया है। इस पुस्तक की एक प्रमुख विशेषता यह है कि गंभीर विषयों को बड़े ही सहज भाषा में प्रस्तुत किया गया है। गया जी को भारतीय धार्मिक परंपरा में मोक्षभूमि के रूप में विशेष स्थान प्राप्त है। देश के विभिन्न हिस्सों से लोग यहां पितरों के निमित्त धार्मिक कर्मकांड करने आते हैं। पुस्तक में गया के विभिन्न मोक्ष स्थलों और उनके धार्मिक महत्त्व पर भी प्रकाश डाला गया है। लेखक ने केवल धार्मिक मान्यताओं को सामने रखने तक स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि गया जी शहर के अनेक महत्त्वपूर्ण स्थानों की चर्चा भी की है। इस दृष्टि से गया जी धार्मिक पुस्तक होने के साथ-साथ एक उपयोगी परिचयात्मक पुस्तक भी बन जाती है। गया जी की सबसे उल्लेखनीय विशेषता इसकी भाषा है। लेखक ने कठिन धार्मिक और ऐतिहासिक विषयों को बोझिल बनाने के बजाय सामान्य पाठक की समझ के अनुरूप प्रस्तुत किया है।

संक्षिप्त खबरें

तालाब में डूबे युवक का शव बरामद

अमेठी। अमेठी जिले के जायस थाना क्षेत्र के पूरे हकीम वार्ड नंबर दो स्थित ईशा के तालाब में मंगलवार शाम डूबे युवक का शव बुधवार की सुबह बरामद कर लिया गया। युवक घर से शौच के लिए जा रहा था। इसी दौरान तालाब के पास अचानक पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मंगलवार शाम करीब सात बजे पूरे हकीम निवासी मुकेश कुमार घर से शौच के लिए निकले थे। इसी दौरान ईशा के तालाब के पास उनका पैर फिसल गया और वह तालाब में जा गिरे। युवक के तालाब में डूबने की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उसकी तलाश शुरू कर दी। देर शाम तक पुलिस और ग्रामीणों ने तालाब में युवक की तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका।

बनारस से झूंसी तक ही जाएंगी कई ट्रेनें

वाराणसी। रेलवे प्रशासन की ओर से परिचालनिक कारणों से वाराणसी, बनारस होकर प्रयागराज जाने वाली कुछ ट्रेनों को झूंसी तक ही चलाने का निर्णय लिया गया है। यह व्यवस्था कुछ दिनों के लिए लागू रहेगी। रेलवे के अनुसार, मऊ से चलने वाली 65131 मऊ–प्रयागराज रामबाग मेमू ट्रेन प्रयागराज रामबाग स्टेशन के स्थान पर झूंसी तक ही यात्रा समाप्त करेगी। वहीं 23 अगस्त तक चलने वाली 65111 बनारस–प्रयागराज रामबाग मेमू ट्रेन और बलिया से 23 अगस्त तक चलने वाली 55131 बलिया-प्रयागराज रामबाग पैसेंजर भी प्रयागराज रामबाग की जगह झूंसी तक ही जाएगी।

कच्चे मकान की दीवार ढहने से मलबे में दबकर वृद्ध महिला की मौत

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच बुधवार सुबह अमेठी कोतवाली क्षेत्र के सूबेदार का पुरवा गंगौली गांव में दर्दनाक हादसा हो गया। बारिश के कारण कमजोर हुआ कच्चा मकान अचानक भरभराकर ढह गया। हादसे के समय मकान के अंदर सो रही 65 वर्षीय वृद्ध महिला मलबे में दब गईं। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें मलबे से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हादसे में मकान के पास बंधी चार बकरियां भी मलबे की चपेट में आ गईं, जिनमें दो की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल बताई जा रही हैं। अमेठी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत त्रिपाठी ने बताया कि मृतका की पहचान सूबेदार का पुरवा गंगौली निवासी फूलकली यादव (65) पत्नी स्वर्गीय बाबूलाल के रूप में हुई है। बुधवार सुबह करीब पांच बजे वह कच्चे मकान में सो रही थीं। लगातार बारिश के चलते मकान की दीवार कमजोर हो गई थी। अचानक दीवार भरभराकर गिर गई और फूलकली यादव मलबे में दब गईं। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल बचाव कार्य शुरू किया। काफी प्रयास के बाद मलबा हटाकर वृद्ध महिला को बाहर निकाला गया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

औरैया : छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अछल्दा थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक 17 वर्षीय इंटर कॉलेज की छात्रा ने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बीरपुर गांव निवासी शिशुपाल सिंह सेंगर की 17 वर्षीय पुत्री सीता इंटर कॉलेज में पढ़ती थी। बुधवार सुबह उसका भाई कृष्णा अपनी मां सुलेखा को दिखाने के लिए अछल्दा स्थित एक निजी अस्पताल ले गया था। इस दौरान छात्रा सीता घर पर अकेली थी। बताया गया कि पड़ोस में रहने वाली चाची रजनी देवी के पास सीता की बड़ी बहन किशोरी का फोन आया और उसने सीता से बात कराने के लिए कहा। रजनी देवी सीता के घर पहुंचीं तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद गोपाल समेत अन्य परिजनों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया। अंदर कमरे में सीता का शव छत पर लगे पंखे से साड़ी के सहारे लटकता मिला। परिजनों ने शव को नीचे उतारा और निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृत छात्रा के पिता शिशुपाल सिंह पाता प्लांट में कार्यरत बताए गए हैं। घटना की सूचना पर अछल्दा थाना प्रभारी सुरेश चंद्र पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल की जांच-पड़ताल कर आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है।

मुख्यमंत्री योगी ने दो ऑटोमोबाइल कंपनियों के प्लांट का किया शिलान्यास

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में ट्रैक्टर निर्माण और ऑटोमोबाइल कंपनियों के लिए हार्नेस वायर बनाने के दो प्लांट का शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज वर्चुअल तरीके से दिल्ली में आयोजित एक जापानी निवेश कार्यक्रम के दौरान किया। इन दोनों प्लांट में करीब 5145 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। पहले मुख्यमंत्री को यमुना सिटी आना था। अधिकारियों के मुताबिक बाद में कार्यक्रम में कुछ बदलाव हुआ है। मुख्यमंत्री बुधवार सुबह नौ बजे वर्चुअल जुड़कर शिलान्यास किया। यमुना विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि सेक्टर-10 में जापान और भारतीय कंपनी के संयुक्त उपक्रम एस्कॉर्ट-कुबोटा का प्लांट लगाया जाना है। यहां ट्रैक्टर और खेती में उपयोग होने वाले दूसरे उपकरण बनाए जाने हैं। इस प्लांट के लिए यमुना प्राधिकरण ने पूर्व में करीब 190 एकड़ जमीन आवंटित की थी। अब शिलान्यास के बाद कंपनी यहां निर्माण शुरू करेगी जिससे उत्पादन भी जल्दी शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि करीब 4500 करोड़ रुपये का निवेश इस प्रोजेक्ट में कंपनी करेगी। उन्होंने बताया कि इसके अलावा स्पार्क मिंडा समूह की कंपनी मिंडा कॉरपोरेशन का सेक्टर-24 में प्लांट का शिलान्यास मुख्यमंत्री ने बुधवार को किया। करीब 23 एकड़ जमीन कंपनी को यमुना प्राधिकरण ने आवंटित की है। कोरियन कंपनी डेसुंग और भारतीय कंपनी लोकोनाव के साथ साझेदारी में यहां करीब 645 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इस प्लांट में हार्नेस वायर के अलावा इग्निशन स्विच कम स्टीयरिंग लॉक और मेकाट्रोनिक्स कंपोनेंट का निर्माण किया जाना है। इस यूनिट से लगभग 2270 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। उन्होंने बताया कि यह कंपनी इसके अलावा सेक्टर-10 में भी एक प्लांट लगाने की योजना पर काम कर रही है।

आईएमएस बीएचयू में आध्यात्मिक कार्यक्रम पर उठे सवाल, शिवकथा को लेकर प्रो. ओमशंकर ने जताई आपत्ति

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान संस्थान (आईएमएस बीएचयू) में 19 से 21 अगस्त तक मेडिकल छात्रों की ओर से प्रस्तावित आध्यात्मिक कार्यक्रम को लेकर परिसर में चर्चा तेज हो गई है। कार्यक्रम के तहत श्रीरामचरित मानस पर आधारित शिवकथा समेत विभिन्न आध्यात्मिक गतिविधियां आयोजित की जानी हैं। इसके लिए संस्थान के केएन उडुप्पा सभागार में तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी बीच हृदय रोग विभाग के प्रो. ओमशंकर ने संस्थान परिसर में धार्मिक-आध्यात्मिक आयोजन को लेकर सार्वजनिक रूप से आपत्ति जताई है। तीन दिन चलेगा कार्यक्रम मेडिकल छात्रों की ओर से प्रस्तावित यह आयोजन 19 से 21 अगस्त तक चलेगा। इसके लिए केएन उडुप्पा सभागार निर्धारित किया गया है। आयोजन से जुड़े छात्रों के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विषयों से जोड़ना है। श्रीरामचरित मानस पर आधारित शिवकथा कार्यक्रम का प्रमुख हिस्सा बताई जा रही है। सभागार में आयोजन को लेकर आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। आयोजन को लेकर छात्रों में उत्साह है, लेकिन संस्थान परिसर में धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन को लेकर अब सवाल भी उठने लगे हैं। मामले में प्रो. ओमशंकर की सार्वजनिक आपत्ति के बाद यह मुद्दा चर्चा में आ गया है। फेसबुक पोस्ट के जरिए जताई आपत्ति आईएमएस बीएचयू के हृदय रोग विभाग के प्रो. ओमशंकर ने अपने फेसबुक पेज पर पोस्ट के माध्यम से कार्यक्रम को लेकर सवाल उठाए हैं।

डंपर की टक्कर से स्कूटी सवार युवक की मौत, चालक गंभीर

प्रात: किरण संवाददाता

मरीज के हार्ट का ऑपरेशन होना था।

कानपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत डीपीएस स्कूल के पास बुधवार को तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से रेपिडो स्कूटी सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से वाहन लेकर भाग निकला। बर्रा निवासी फैजान (30) एसए हेल्थ टेक कंपनी में करीब तीन महीने से काम कर रहा था। बुधवार को बिठूर स्थित पारस अस्पताल में एक मरीज के हार्ट का ऑपरेशन होना था। ऑपरेशन के लिए आवश्यक मेडिकल उपकरण लेकर फैजान ने सुबह करीब सात बजे बर्रा से रेपिडो बुक की थी। स्कूटी प्रांजुल मिश्रा चला रहा था। दोनों बिठूर की ओर जा रहे थे। डीपीएस स्कूल के पास पहुंचते ही पीछे से आए तेज रफ्तार डंपर ने स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर के कारण दोनों सड़क पर जा गिरे। इसके बाद चालक डंपर लेकर भागने लगा। इसी दौरान फैजान डंपर के पहिये की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रांजुल भी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और फैजान के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल प्रांजुल को उपचार के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उसे हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया। कंपनी में फैजान के सहकर्मी सत्येंद्र तिवारी ने बताया कि फैजान का स्वभाव मिलनसार था और कम समय में ही वह कर्मचारियों के बीच घुल-मिल गया था। उसके माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। परिवार में उसका बड़ा भाई नूर आलम है। फैजान की शादी तय हो चुकी थी और इसी साल दिसंबर में विवाह होना था। हादसे की सूचना उसके भाई को दे दी गई है। कल्याणपुर थाना प्रभारी केशव कुमार तिवारी ने बताया कि फरार डंपर चालक की तलाश की जा रही है।

गंगा के जलस्तर में वृद्धि, अंत्येष्टि के लिए करना पड़ रहा इंतजार, हरिश्चंद्र घाट पर गलियों में शवदाह

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। गंगा के बढ़ते जलस्तर ने काशी में जनजीवन के साथ अंतिम संस्कार की व्यवस्था को भी प्रभावित किया है। महाश्मशान मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पर पानी बढ़ने के कारण शवदाह के लिए उपलब्ध स्थान लगातार कम होता जा रहा है। सोमवार से मणिकर्णिका घाट की छत और हरिश्चंद्र घाट की गलियों में अंतिम संस्कार किया जा रहा है। सीमित जगह के कारण शवों की संख्या बढ़ने पर परिजनों को अपनी बारी के लिए दो से तीन घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है। मोक्षनगरी काशी में देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग अपने परिजनों का अंतिम संस्कार करने पहुंचते हैं। ऐसे में घाटों पर बनी मौजूदा स्थिति उनके लिए भावनात्मक पीड़ा के साथ व्यवस्थागत परेशानी भी बढ़ा रही है। गंगा का पानी लगातार घाटों की सीढ़ियों और आसपास के रास्तों की ओर बढ़ रहा है। इससे शवदाह के लिए सामान्य दिनों में इस्तेमाल होने वाली जगह प्रभावित हुई है। गीली लकड़ियों से लग रहा समय बारिश और बाढ़ के पानी के कारण शवदाह के लिए रखी लकड़ियां भी गीली हो गई हैं। गीली लकड़ियों में चिता जलने में अधिक समय लग रहा है। पहले से सीमित स्थान और अधिक संख्या में शव पहुंचने के कारण एक शव के अंतिम संस्कार में लगने वाला अतिरिक्त समय दूसरे परिजनों के इंतजार को बढ़ा रहा है। हरिश्चंद्र घाट पर पहुंचे लोगों का कहना है कि अंतिम संस्कार जैसी संवेदनशील स्थिति में परिवार पहले ही मानसिक तनाव से गुजरता है। ऐसे में घाट पर बैठने, प्रकाश, पेयजल, शौचालय और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं पर्याप्त नहीं होने से परेशानी और बढ़ जाती है। नगर निगम की व्यवस्थाओं पर सवाल स्थानीय लोगों ने घाट पर सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि बाढ़ की स्थिति के बावजूद घाट पर साफ-सफाई, प्रकाश, पेयजल और बैठने की समुचित व्यवस्था नहीं हो पा रही है।

बाराबंकी में पुरानी रंजिश में चौकीदार की हत्या

-ड्यूटी से घर लौटते समय दबंगों ने घेरा, जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

प्रात: किरण संवाददाता

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के जनपद बाराबंकी के रामनगर कोतवाली क्षेत्र के भरसवां गांव में सोमवार शाम पुरानी रंजिश को लेकर दबंगों ने थाना रामनगर में तैनात चौकीदार राजेश यादव (45) को लाठी-डंडों से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान बीती रात मौत हो गई। बुधवार को मृतक के बेटे रामू यादव की तहरीर पर पुलिस ने पांचों आरोपितों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया। पुलिस के अनुसार, राजेश यादव सोमवार शाम करीब सात बजे ड्यूटी खत्म कर घर लौट रहे थे। गांव के पास सहजराम मौर्य की पिपरमेंट टंकी के निकट आरोपितों ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि शुभम, बाबू, श्रवण, कुलदीप और राम कैलाश ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में राजेश के सिर समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीण रामलखन और शिवपाल घायल राजेश को रामनगर थाने ले गए। वहां से उन्हें सीएचसी रामनगर भेजा गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में सोमवार रात करीब साढ़े नौ बजे उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बुधवार को मृतक के बेटे रामू यादव की तहरीर पर पुलिस ने पांचों आरोपितों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया। मामले की विवेचना इंस्पेक्टर अरुण प्रताप सिंह को सौंपी गई है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई है। एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि घटना की गंभीरता से जांच की जा रही है। आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात है।

बीएचयू के सीर गोवर्धनपुर गेट पर रोजाना लग रहा जाम, बीएचयू के छात्रों और मरीजों की बढ़ी परेशानी

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। सीर गोवर्धनपुर गेट के पास पिछले कई महीनों से सुबह के समय रोजाना जाम की समस्या बनी हुई है। सड़क पर वाहनों का बढ़ता दबाव, सड़क किनारे लगे ठेले-खोमचे और अव्यवस्थित यातायात के कारण लोगों को काफी देर तक जाम में फंसना पड़ रहा है। इसका सबसे अधिक असर काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं, स्कूली बच्चों और अस्पताल जाने वाले मरीजों व उनके परिजनों पर पड़ रहा है। सुबह स्कूल और विश्वविद्यालय जाने का समय होने के कारण इस मार्ग पर वाहनों की संख्या अचानक बढ़ जाती है। देखते ही देखते सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। गर्मी और उमस के बीच जाम में फंसे लोग काफी देर तक सड़क खुलने का इंतजार करते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि समस्या पिछले कई महीनों से बनी हुई है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं हो सका है। परीक्षा के समय बढ़ी विद्यार्थियों की चिंता इन दिनों परीक्षाओं का दौर होने के कारण विद्यार्थियों की परेशानी और बढ़ गई है। बीएचयू जाने वाले छात्र-छात्राओं को जाम के कारण समय से पहुंचने में दिक्कत हो रही है। विद्यार्थियों को डर रहता है कि जाम के कारण परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में देरी न हो जाए। मरीजों और एंबुलेंस के लिए भी मुश्किल सीर गोवर्धनपुर गेट से सर सुंदरलाल चिकित्सालय और ट्रामा सेंटर की ओर भी बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं। जाम लगने पर मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आपात स्थिति में एंबुलेंस या मरीजों के वाहनों का जाम में फंसना गंभीर समस्या बन सकता है। ठेला-खोमचे से सड़क पर घट रही जगह स्थानीय निवासी रोशन यादव ने बताया कि सड़क किनारे कई ठेला-खोमचे लगने से आवागमन के लिए उपलब्ध जगह कम हो जाती है। सुबह वाहनों का दबाव बढ़ते ही यातायात व्यवस्था बिगड़ जाती है और जाम लग जाता है। इससे स्थानीय निवासियों के साथ स्कूली बच्चों और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को रोजाना परेशानी उठानी पड़ रही है। यातायात पुलिस की तैनाती की मांग स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सुबह के व्यस्त समय में यातायात पुलिस की तैनाती, सड़क किनारे लगे अव्यवस्थित ठेला-खोमचों को निर्धारित स्थान पर व्यवस्थित कराने और यातायात सुचारू करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि सीर गोवर्धनपुर गेट बीएचयू और अस्पताल क्षेत्र को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है। यहां नियमित यातायात व्यवस्था लागू होने से विद्यार्थियों, मरीजों, स्कूली बच्चों और स्थानीय नागरिकों को रोजाना लगने वाले जाम से राहत मिल सकती है।

जौनपुर में बारिश से पुराना मकान ढहा हादसे में कोई जनहानि नहीं

प्रात: किरण संवाददाता

काफी समय से जर्जर अवस्था में था और इसमें कोई नहीं रहता था।

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के सिपाह मोहल्ले के चाचापुर में मंगलवार देर रात हुई बारिश के कारण एक पुराना मकान ढह गया। यह मकान महेश मौर्या का था। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई बताया गया है कि यह मकान काफी समय से जर्जर अवस्था में था और इसमें कोई नहीं रहता था। इसी वजह से मकान गिरने के दौरान कोई व्यक्ति हताहत नहीं हुआ घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे मोहल्ला निवासी राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव के प्रतिनिधि मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि बारिश के कारण पुराना मकान गिरा है। उन्होंने पुष्टि की कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है और मौके पर स्थिति सामान्य है। श्रीवास्तव ने यह भी बताया कि क्षति का आकलन कराया जाएगा और नियमानुसार प्रभावित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा स्थानीय लोगों के अनुसार, क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण पुराने और जर्जर मकानों के गिरने का खतरा बना हुआ है। उन्होंने प्रशासन से ऐसे भवनों का सर्वे कराकर आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की है।

देवरिया: प्राथमिक विद्यालय के निरीक्षण में शिक्षक मिले अनुपस्थित, जिलाधिकारी ने दिए नोटिस जारी करने के निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद के जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने सलेमपुर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय पिपरा भानुमती का बुधवार को निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति कम पाई गई, जबकि एक शिक्षक अनुपस्थित मिले। जिलाधिकारी ने इस पर संबंधित बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) को निर्देशित किया कि संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) के माध्यम से अनुपस्थित शिक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण तलब किया जाए। जिलाधिकारी ने विद्यालय में डिजिटल अटेंडेंस की व्यवस्था भी प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों के शैक्षिक स्तर की भी जांच की। कक्षा पांच के विद्यार्थियों से हिंदी एवं अंग्रेजी विषय से संबंधित प्रश्न पूछे गए। विद्यार्थियों ने प्रश्नों के उत्तर देने और पाठ को पढ़कर समझने की क्षमता संतोषजनक पाई गई। उन्होंने शिक्षकों को निर्देशित किया कि विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता को और बेहतर बनाने के लिए प्रभावी पेडागॉजी तकनीकों का निरंतर प्रयोग करें। शिक्षण कार्य को इस प्रकार प्रभावी बनाया जाए कि प्रत्येक बच्चा निपुण बने और विद्यालय एवं विकासखंड भी निपुणता के लक्ष्य को प्राप्त कर सके। जिलाधिकारी ने बच्चों को प्रतिदिन समय से विद्यालय आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, वहां मौजूद अभिभावकों को भी अपने बच्चों को नियमित रूप से समय से विद्यालय भेजने के लिए जागरूक किया। जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग के संबंधित अधिकारियों को लगातार निगरानी एवं नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में लगातार सुधार के लिए अधिकारी नियमित रूप से निरीक्षण करते रहें और कमियों को तत्काल दूर कराएं।

काशीवासियों को जल्द मिलेगी रोपवे की सौगात

वाराणसी। रोपवे को लेकर ट्रायल रन और टेस्टिंग का काम चल रहा है। इसके बाद महीने के अंत तक ट्रायल होने की उम्मीद है। करीब 148 गोंडोला को लोड रोप पर लादकर चलाया जाएगा। इसके बाद रोपवे को आम यात्रियों के लिए चालू किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजना के तहत एशिया का पहला अर्बन रोपवे प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसका पहला चरण रोपवे प्रोजेक्ट शहरी परिवहन में बनाया जा रहा है। यह करीब 3.8 किलोमीटर दूरी को कवर करेगा। इसमें कैंट रेलवे स्टेशन से शुरू होकर काशी विद्यापीठ, रथयात्रा, गिरजाघर और गोदौलिया समेत पांच स्टेशन और 29 टावर बनाए गए हैं।

सतुआ बाबा की फर्जी आईडी बनाकर रुपये मांगने का आरोप, चौक थाने में शिकायत

-लोगों को भेजे जा रहे संदेश, आर्थिक मदद के नाम पर मांगे जा रहे पैसे

-अभद्र भाषा के इस्तेमाल का भी आरोप, साइबर सेल जुटी जांच में

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। महामंडलेश्वर संतोष दास सतुआ बाबा के नाम और पहचान का कथित रूप से दुरुपयोग कर सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बनाने और लोगों से रुपये मांगने का मामला सामने आया है। आरोप है कि फर्जी आईडी संचालित करने वाले लोग सतुआ बाबा बनकर श्रद्धालुओं और परिचितों को संदेश भेज रहे हैं। संदेशों में आर्थिक मदद के नाम पर रकम मांगी जा रही है। इसके अलावा अभद्र और अमर्यादित भाषा में संदेश भेजे जाने का भी आरोप है। मामला संज्ञान में आने के बाद सतुआ बाबा ने मंगलवार को चौक थाने पहुंचकर शिकायत की और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सतुआ बाबा के अनुसार, उनके नाम से बनाई गई फर्जी आईडी के जरिए कई लोगों से संपर्क किया जा रहा है। संदेश भेजकर खुद को सतुआ बाबा बताया जा रहा है और अलग-अलग वजहों का हवाला देकर पैसे की मांग की जा रही है। फर्जी आईडी से अमर्यादित संदेश भेजे जाने की जानकारी भी सामने आई है।

चुनाव आयोग से जुड़े काम की जिम्मेदारी निभाएंगे सतीश मिश्र : मायावती

प्रात: किरण संवाददाता

बसपा प्रमुख मायावती ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों के मद्देनजर बसपा के उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया चल रही है।

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सबसे भरोसेमंद और पार्टी के महासचिव सतीश चन्द्र मिश्र को चुनाव आयोग सम्बन्धी कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी है। बसपा सुप्रीमो ने कहा बहुजन समाज पार्टी के काफी लम्बे अरसे से चले आ रहे राष्ट्रीय महासचिव सतीश चन्द्र मिश्र को पार्टी द्वारा लीगल व मीडिया आदि के साथ-साथ अब चुनाव आयोग सम्बन्धी कार्यों की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालेंगे। इसके साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव में रणनीति, चुनाव की तैयारी तथा प्रबंधन समेत अन्य कार्यों में भी इनकी अहम भूमिका रहेगी। बसपा प्रमुख मायावती ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों के मद्देनजर बसपा के उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया चल रही है। जिसको लेकर विरोधी पार्टियों में काफी बेचैनी है और सत्ताधारी पार्टी बीजेपी व अन्य विरोधी पार्टियों में भी अब अनवरत बदलाव होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि बसपा ने सर्वसमाज में से खासकर ब्राह्मण समाज को भी पार्टी में उनकी 2007 की तरह बसपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की तैयारी के हिसाब से, उन्हें बसपा उम्मीदवार बनाना जब से शुरू किया है तब से विरोधी पार्टियों में इसको लेकर चर्चा व चिन्ताएं दोनों होना स्पष्ट है, जिनके हथकण्डों से द्वबहुजन समाजहृ के लोगों को लगातार सजग व सतर्क रहने की जरूरत है।

काशी में तीन दिन ओडिशा पर्व का होगा आयोजन, ओडिशा के नृत्य-संगीत से लेकर शिल्प और व्यंजनों तक दिखेगी विरासत

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। गंगा महोत्सव और देव दीपावली की तैयारियों के बीच काशी में ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का रंग भी देखने को मिलेगा। ओडिशा सरकार के भाषा, साहित्य एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से 22 से 24 अगस्त तक दीनदयाल हस्तकला संकुल स्थित ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर में तीन दिवसीय द्वओडिशा पर्वद्व आयोजित किया जाएगा। सुबह 11 बजे से रात 10 बजे तक चलने वाले आयोजन में ओडिशा के शास्त्रीय, लोक और जनजातीय नृत्य-संगीत के साथ हस्तशिल्प, हथकरघा और पारंपरिक खानपान की झलक मिलेगी। आयोजकों के अनुसार, ओडिशा पर्व का उद्देश्य काशी आने वाले देश-विदेश के पर्यटकों और स्थानीय लोगों को राज्य की कला, संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा और लोक विरासत से परिचित कराना है। एक ही परिसर में नृत्य, संगीत, शिल्प और खानपान की विविधता लोगों को ओडिशा की संस्कृति को करीब से जानने का अवसर देगी। ओडिसी से पाइका अखाड़ा तक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां कार्यक्रम में ओडिशा के प्रसिद्ध ओडिसी, गोटीपुआ और संबलपुरी नृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके अलावा पाइका अखाड़ा, घुमरा, डेमसा और घड़घड़ी जैसी लोक एवं जनजातीय प्रस्तुतियां भी होंगी। पारंपरिक वेशभूषा और वाद्ययंत्रों के साथ होने वाली प्रस्तुतियों में ओडिशा की लोककथाओं, आध्यात्मिक परंपरा, वीरता और जनजातीय संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। लाइव क्राफ्ट डेमो में दिखेगा कारीगरों का हुनर ओडिशा के विशिष्ट हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। जीआई टैग प्राप्त उत्पादों और पारंपरिक डिजाइनों को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। मास्टर आर्टिजनों की ओर से लाइव क्राफ्ट डेमोंस्ट्रेशन किया जाएगा, जिससे आगंतुक शिल्प तैयार करने की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष देख सकेंगे। कारीगरों से संवाद कर उनकी तकनीक और परंपरागत शिल्प विधियों की जानकारी लेने का अवसर भी मिलेगा। प्रदर्शनी में उत्पादों की बिक्री के जरिए कारीगरों को संभावित खरीदारों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

फांसी लगाकर महिला ने गंवाई जान

लोनी। अंकुर विहार थाना क्षेत्र की कच्चा बलराम नगर में 46 वर्षीय मधु नामक एक महिला ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। थाना अंकुर विहार प्रभारी से प्राप्त जानकारी के मुताबिक सुबह लगभग 8:30 बजे किरण पाल पुत्र रामदास निवासी कच्चा बलराम नगर ने मो.नं. 9005114830 के माध्यम से उन्हें सूचना प्राप्त हुई कि श्रीमती मधु पत्नी सुनील, (46) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि मृतका श्रीमती मधु पत्नी सुनील उपरोक्त की शादी लगभग 20 वर्ष पूर्व सुनील पुत्र भोपाल निवासी छाछोला जनपद सहारनपुर के साथ हुई थी. अब से लगभग एक वर्ष पूर्व मृतका अपने पति को छोड़कर सुनील निवासी कच्चा बलराम नगर के साथ वह किरण पाल पुत्र रामदास के मकान में किराए पर लिविंग में रहने लगी थी। लगभग एक माह पूर्व सुनील किसी काम से बाहर चला गया था जिस कारण उसने पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली है। घटना की सूचना पर मृतका के पिता वेद प्रकाश व उनका परिवार भी मौके पर पहुंच गया। पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

देवरिया के चिकित्सा महाविद्यालय को पहली बार देह दान से मिला मानव शरीर : प्राचार्या

देवरिया। उत्तर प्रदेश के महर्षि देवराहा बाबा स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय देवरिया के एनाटॉमी विभाग को पहली बार देह दान के माध्यम से मानव शरीर प्राप्त हुआ है। आश्रम हुआ पाना घरहू के सहयोग से मिली इस देह का उपयोग मेडिकल विद्यार्थियों के अध्ययन और प्रायोगिक प्रशिक्षण में किया जाएगा। एनाटॉमी विभाग वर्ष 2021 से मेडिकल विद्यार्थियों के लिए देह दान की व्यवस्था सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा था। लंबे प्रयासों के बाद यह पहली महत्वपूर्ण सफलता मिली। 62 वर्षीय श्रीमती मीनाक्षी देवी की छाती में संक्रमण के कारण निधन हुआ था। उनके परिजनों ने मानव शरीर को चिकित्सा शिक्षा और भावी चिकित्सकों के प्रशिक्षण के लिए दान करने का सराहनीय निर्णय लिया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रजनी के प्रयास और सहयोग से देह को वाराणसी से समय पर मेडिकल कॉलेज लाया गया। सूचना मिलते ही प्रभारी देह दान डॉ. शालिनी गुप्ता ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी कराई। देह मिलने के बाद एनाटॉमी विभाग में अब 10 से अधिक मृत मानव शरीर मेडिकल विद्यार्थियों के अध्ययन और प्रायोगिक प्रशिक्षण के लिए उपलब्ध हैं। इससे विद्यार्थियों को मानव शरीर की संरचना का प्रत्यक्ष अध्ययन करने, डिसेक्शन की विधि समझने तथा सैद्धांतिक और प्रायोगिक शिक्षा के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में मदद मिलेगी। महाविद्यालय प्रशासन ने श्रीमती मीनाक्षी देवी के परिजनों के इस अमूल्य और समाज हितकारी योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस ने बुनकर प्रकोष्ठ का किया पुनर्गठन हसन आरिफ अंसारी बने राष्ट्रीय संयोजक

तीन दशक से बुनकरों और दस्तकारों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे अंसारी को मिली अहम जिम्मेदारी

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। बुनकर समाज की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती देने के उद्देश्य से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने बुनकर प्रकोष्ठ (हॉ॰ऐ२ह डी'') का पुनर्गठन किया है। कांग्रेस ने बुनकर समाज के बीच लंबे समय से सक्रिय रहे हसन आरिफ अंसारी को प्रकोष्ठ का राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किया है। हसन आरिफ अंसारी पिछले करीब तीन दशकों से बुनकरों, दस्तकारों और हस्तशिल्प से जुड़े लोगों के अधिकारों एवं सम्मान की लड़ाई लड़ते आ रहे हैं। संयुक्त बुनकर मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में भी उन्होंने बुनकर समाज की समस्याओं को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया है। बुनकरों के लिए आर्थिक राहत और विशेष पैकेज की मांग को लेकर उन्होंने लंबे समय तक संघर्ष किया। उनके प्रयासों में बुनकरों की आर्थिक स्थिति, रोजगार, सरकारी योजनाओं में भागीदारी और सामाजिक व राजनीतिक अधिकारों जैसे मुद्दे प्रमुख रहे हैं। कांग्रेस में भी हसन आरिफ अंसारी का पुराना और गहरा जुड़ाव रहा है। उन्होंने पार्टी संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां निभाई हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी में प्रदेश महासचिव से लेकर प्रदेश कैंपेन कमेटी के सदस्य तक की जिम्मेदारी संभालने के साथ वह कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ लगातार सक्रिय रहे हैं कांग्रेस द्वारा बुनकर प्रकोष्ठ के पुनर्गठन और हसन आरिफ अंसारी को राष्ट्रीय संयोजक बनाए जाने को बुनकर समाज के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नई जिम्मेदारी के बाद उनसे उम्मीद की जा रही है कि वह देशभर के बुनकरों और दस्तकारों को संगठन से जोड़कर उनकी समस्याओं को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से उठाएंगे। हसन आरिफ अंसारी ने कहा कि बुनकर समाज की आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक हिस्सेदारी सुनिश्चित कराने के लिए संघर्ष को और व्यापक बनाया जाएगा। उनका प्रयास रहेगा कि देश के बुनकरों की समस्याओं और उनके अधिकारों की आवाज कांग्रेस के राष्ट्रीय मंच पर मजबूती से पहुंचे।

किसान दिवस में बैंकिंग समस्याओं के समाधान पर जोर

सीडीओ ने अधिकारियों को किसानों की शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के दिए निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें जिलेभर से पहुंचे किसानों ने कृषि एवं बैंकिंग समेत विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। किसान दिवस में कृषि ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), ऋण वितरण व नवीनीकरण, बैंक शाखाओं में अनावश्यक विलंब, तकनीकी समस्याओं तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं का समय से लाभ न मिलने के मामले प्रमुखता से उठाए गए। किसानों ने अपनी समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि किसान दिवस केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि किसानों की समस्याओं के वास्तविक समाधान का मंच है। अधिकारियों को किसानों की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर उनका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को किसानों के साथ नियमित संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का सकारात्मक सोच के साथ समाधान करना चाहिए। सीडीओ ने निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण के बाद प्रस्तुत की जाने वाली निरीक्षण आख्या में स्थल निरीक्षण के स्पष्ट फोटोग्राफ अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। साथ ही शिकायतकर्ता की उपस्थिति और संतुष्टि का भी उल्लेख किया जाए, ताकि शिकायत निस्तारण में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनी रहे। उन्होंने बैंक अधिकारियों को किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता एवं संवेदनशीलता के साथ समाधान करने के निर्देश दिए। कहा कि किसानों को बैंकिंग सेवाओं के लिए अनावश्यक परेशानी न हो और शासन की योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक सरल एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचे। लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने के साथ किसानों के प्रति सहयोगात्मक व्यवहार अपनाने पर भी जोर दिया। बैठक में कृषि, सिंचाई, विद्युत, राजस्व, गन्ना, पशुपालन समेत विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं पर भी चर्चा हुई। सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को किसान दिवस में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने तथा उसकी नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

सौर ऊर्जा से रोशन होंगे अमरोहा के गांव, विधायक ने योजनाओं में शामिल कराने को लिखा पत्र

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। सदर विधायक अमरोहा एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री महबूब अली ने विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों के विकास को लेकर मुख्य विकास अधिकारी अमरोहा को पत्र लिखा है। उन्होंने बाबू जी कल्याण सिंह उन्नति योजना एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय योजना के अंतर्गत क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों को शामिल किए जाने की मांग की है विधायक ने पत्र में ग्राम शेखपुरा माफी, सोनाली, फरीदपुर अफजलपुर, हरियाना, असगरीपुर, जिवाई, कांकर सराय, ढकिया चमन, चक धनौरी और अशरफपुर फैजगंज आदि को संबंधित योजनाओं में शामिल करने का अनुरोध किया है। महबूब अली ने कहा कि इन गांवों को योजनाओं में शामिल किए जाने से ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के माध्यम से प्रकाश व्यवस्था बेहतर हो सकेगी। इससे ग्रामीणों को सुविधा मिलने के साथ ही गांवों में विकास को भी गति मिलेगी। विधायक ने संबंधित अधिकारियों से इस दिशा में आवश्यक कार्रवाई किए जाने की अपेक्षा की है। पत्र की प्रति उन्होंने स्वयं को विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री तथा लोक लेखा समिति उत्तर प्रदेश के सभापति के रूप में उल्लेखित किया है।

32 यूपी बटालियन को मिला नया कैप्टन

प्रात: किरण संवाददाता

धामपुर। 32 यूपी बटालियन एनसीसी धामपुर में शशांक कुमार शर्मा तथा भूपेंद्र सिंह को कमान अधिकारी कर्नल गणेश शंकर विद्यार्थी एवं सूबेदार मेजर बलवंत सिंह ने संयुक्त रूप से क्रमशः कैप्टन तथा फर्स्ट अफसर की रैंक लगाई ' कैप्टेन शशांक कुमार शर्मा ने 2017 में लेफ्टिनेंट रैंक प्राप्त की थी जबकि भूपेंद्र सिंह ने थर्ड अफसर की रैंक प्राप्त की थी दोनों एनसीसी अधिकारियों ने ऑफिसर ट्रेनिंग एकादमी नागपुर में कठोर सैन्य प्रशिक्षण लिया' बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल गणेश शंकर विद्यार्थी एवं प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल ललित भट्ट ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं दोनों अधिकारियों ने बटालियन स्तर पर विभिन्न प्रशंसा पत्रप प्राप्त कर चुके हैं विद्यालय एवं बटालियन के अन्य अधिकारियों ने भी उन्हें शुभकामनाएं दी हैं दोनों एनसीसी अधिकारियों का कहना है है कि वह आगे भी कठिन परिश्रम करते रहेंगे तथा राष्ट्रीय कैडेट कोर में रहकर ऊंचाइयों तक पहुंचना उनका सपना है अपने अधिकारियों की रैंक बढ़ने से उनकी सब यूनिट के कैडेट्स भी खासे उत्साहित है '

बदमाशों ने बंद घर को बनाया निशाना, आभूषण, नगदी व अन्य कीमती सामान चुराकर फरार

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी। लोनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्रीन सिटी में रहने वाले सन्नी शर्मा के मकान को निशाना बनाते हुए अज्ञात बदमाश घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात, नगदी व अन्य कीमती सामान चुराकर चंपत हो गए। चोरी गए सामान की कीमत लगभग 25 लाख रुपए बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सन्नी शर्मा ग्रीन सिटी के फ्लैट- ट्र में रहते हैं। 14 अगस्त को घर का ताला लगाकर वह अपनी बीमार पत्नी को लेकर उसकी बहन के यहां गय थे। इसी बात का लाभ उठाकर अज्ञात बदमाश घर का ताला तोड़कर वहां रखे लाखों रुपए के जेवरात नगदी व अन्य कीमती समान समेटकर फरार हो गए। घर वापस लौटकर आए गृह स्वामी सन्नी को घटना की जानकारी हुई। पीड़ित के अनुसार चोरी में गए सामान की कीमत नगदी सहित लगभग 25 लाख रुपए बताई गई हैं। घटना के मामले पीड़ित द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर पुलिस आवश्यक कार्रवाई करने के साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो की मदद से चोरों की पहचान करने में जुटी है।

डीएम–एसपी ने खोला सफलता का राज, विद्यार्थियों को बताए करियर टिप्स

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। राजकीय इंटर कॉलेज में बुधवार को जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और बेहतर करियर मार्गदर्शन के उद्देश्य से प्रेरक संवाद कार्यक्रम किया। विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने विद्यार्थियों को सफलता का मूलमंत्र बताते हुए कहा कि जीवन में सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासन, निरंतर मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के लिए किसी की जाति, धर्म या पारिवारिक पृष्ठभूमि को बाधा नहीं बनने देना चाहिए। विद्यार्थियों को अपनी समस्याओं का सामना करते हुए करियर पर पूरा ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने गुरु द्रोणाचार्य द्वारा कौरवों और पांडवों को दी गई शिक्षा में चिड़िया की आंख पर निशाना साधने का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार अर्जुन का ध्यान केवल लक्ष्य पर था, उसी प्रकार विद्यार्थियों को भी अपने लक्ष्य पर एकाग्र रहना चाहिए। उन्होंने करियर से संबंधित मैगजीन और समाचार पत्र पढ़ने तथा मोबाइल का उपयोग सकारात्मक एवं ज्ञानवर्धक कार्यों के लिए करने की सलाह दी। डीएम ने विद्यार्थियों को समय-सारिणी बनाकर नियमित अध्ययन करने, कठिन विषयों को प्राथमिकता देने, नोट्स बनाने, नियमित रिवीजन एवं अभ्यास करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पढ़ाई में छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित कर उनका समय से पूरा करना चाहिए। केवल अधिक समय तक पढ़ना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि समझकर पढ़ना और समय-समय पर स्वयं का मूल्यांकन करना भी जरूरी है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने विद्यार्थियों को करियर निर्माण के लिए कठिन परिश्रम, अनुशासन, ईमानदारी, आत्मविश्वास तथा शारीरिक एवं मानसिक फिटनेस को जरूरी बताया। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, समय प्रबंधन और निरंतर अभ्यास के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से असफलताओं से निराश न होकर उनसे सीख लेकर लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने का आह्वान किया। एसपी ने साइबर सुरक्षा, नशा मुक्ति, सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग और यातायात नियमों के प्रति भी जागरूक किया। उन्होंने डायल-112 की जानकारी देते हुए कहा कि बाइक पर दो लोग सवार होने पर दोनों को हेलमेट पहनना चाहिए तथा कार में सीट बेल्ट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं यातायात नियमों का पालन करने और अपने परिवार व आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने को कहा। उन्होंने विद्यार्थियों को खान-पान के प्रति जागरूक करते हुए पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी। साथ ही टाइम टेबल के अनुसार विषयों का चयन कर अध्ययन करने पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने डीएम और एसपी से करियर, प्रतियोगी परीक्षाओं, अध्ययन की रणनीति, समय प्रबंधन, तनाव से निपटने और सफलता के उपायों से संबंधित सवाल पूछे। अधिकारियों ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का सरल एवं प्रेरणादायक तरीके से जवाब दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने संवाद कार्यक्रम को अपने भविष्य के लिए उपयोगी बताते हुए इसकी सराहना की। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक, राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण तथा छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

बाढ़ को लेकर नगला भज्जा व कोपा गांव का निरीक्षण

प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

धामपुर। बाढ़ की आशंका को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। उपजिलाधिकारी धामपुर नितिन कुमार ने परगना धामपुर के ग्राम नगला भज्जा में बाढ़ का पानी आने की सूचना पर गांव का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित विभागों एवं हल्का लेखपाल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके अलावा एसडीएम ने ग्राम कोपा में भी बाढ़ प्रबंधन एवं नियंत्रण की तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने नहर के तटबंधों की सुरक्षा व्यवस्था को बारीकी से परखा और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि कहीं तटबंधों में दरार अथवा अन्य कोई कमी तो नहीं है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बरसात के दौरान बाढ़ के पानी को गांव में प्रवेश करने से रोकने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से दुरुस्त रखी जाएं। एसडीएम नितिन कुमार ने बाढ़ प्रबंधन एवं नियंत्रण कक्ष को भी बरसात के दौरान पूरी तरह सजग रहने तथा जलस्तर एवं बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि ग्राम नगला भज्जा में बाढ़ के पानी से फसलों को हुए नुकसान का जायजा लेकर संबंधित विभाग एवं हल्का लेखपाल को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार धामपुर राजकमल, संबंधित हल्का लेखपाल एवं ग्रामवासी मौजूद रहे।

चुनाव निकट आते ही विधायक बनने की चाह रखने वाले नेता भी अचानक हुए सक्रिय, जनता की आई याद

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी। विधानसभा चुनाव 2026 की सुगबुगाहट के साथ ही अब जनता के बीच धन-बल और रसूख का दिखावा कर विधायक बनने की चाह रखने वाले नेता भी अचानक सक्रिय हो गए है। इसका सबसे बड़ा असर लोनी क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। यह वह नेता होते है जो अपने धनबल की ताकत पर अक्सर यह सिद्ध करना चाहते हैं कि वे व्यवस्था से ऊपर हैं, अपने क्षेत्र में वर्चस्व रखते हैं और जनता के हर काम को अपनी ताकत से करवा सकते हैं। इसके पीछे उनका मुख्य उद्देश्य राजनीतिक भय और प्रभाव पैदा करना होता है। दरसल अपने करोड़ों के व्यापार की खातिर लोनी से दूर का रिश्ता रखने वाले ऐसे कुछ नेताओं ने अब अचानक लोनी क्षेत्र का रुख कर लिया है. जिन्होंने अपने बड़े-बड़े फोटो के साथ होर्डिंग लगवा कर क्षेत्र को पाटना शुरू कर दिया है। इनकी मानसिकता की बात करें तो कथित तौर पर राजनीति को व्यापार समझने वाले ऐसे नेता सौदागीरी की राजनीति करते है, वह इसके लिए किए गए खर्च को व्यापारिक निवेश मानते हैं, जहां पहले पैसा लगाकर जनता को खरीदा या प्रभावित किया जाता है और बाद में सत्ता में आकर उसका कई गुना मुनाफा कमाया जाता है. साथ ही विधायक या मंत्री बनने से अपने ऊपर चल रहे मुकदमों या अवैध धंधों के लिए एक कानूनी और सामाजिक सुरक्षा कवच पा लेते हैं। यह मानते हैं कि आम जनता मुद्दों या विकास पर नहीं, बल्कि डर, जाति, और धन के दिखावे से ही प्रभावित होती है। जब तक जेब में नोटों की गड्डियां हैं, तब तक इनका रुआब और चमक दिखाई देती है, लेकिन असल वक्त आने पर यह दिखावा सिर्फ छलावा साबित होता है। राजनीति के जानकारो की माने तो जो नेता सिर्फ पैसों के दम पर भीड़ जुटाते हैं, उनका असर चुनाव के पर्चे और भाषण तक ही सीमित रहता है। क्योंकि इनका पूरा प्रभाव विकास के कामों पर नहीं, बल्कि नोटों के बंडल, साथ रहने वाले दर्जन भर शस्त्रधारी बॉडीगार्ड और गाड़ियों के शोरगुल पर टिका होता है। अब इन्हें कौन समझाए कि आज की जनता इनकी इस हकीकत को बखूबी पहचानती है कि चमकती हुई गाड़ी के पीछे खाली वादे और खोखले इरादे छिपे हैं। पैसों के दम पर खड़े किए गए ह्लभौकालह्व के गुब्बारे में जब तक हवा रहती है, तब तक उड़ता है; एक बार हवा निकली कि जमीन पर ही गिरना पड़ता है। ऐसे नेताओं का घमंड ऐसा होता है मानो जनता ने इन्हें नहीं, बल्कि इन्होंने जनता को खरीद रखा हो। जब चुनाव के दिन आते हैं, तो ये बड़े-बड़े काफिले और रसूख धरे के धरे रह जाते हैं, और जनता अपने वोट की चोट से असली औकात दिखा देती है। रसूख और धन-बल का गुब्बारा सिर्फ कुछ दिनों का मेहमान होता है, जबकि जनता की एक सही वोट इन सारे दिखावों को हमेशा के लिए शांत कर देती है। जनता अब भाषणबाजी और शक्ति प्रदर्शन के धोखे में न आकर जमीनी काम और नीयत को तवज्जो देने लगी है।

सांसद चंद्रशेखर आजाद पीड़ितो की समस्याओं को सुन करा रहे तत्परता से समाधान

प्रात: किरण संवाददाता

धामपुर ।नगीना लोकसभा क्षेत्र के सांसद एडवोकेट चंद्रशेखर आजाद ने अपने आवास धामपुर में जनता की समस्याओं को गंभीरता के साथ सुना और अनेक समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कराया। वहाँ उपस्थित जनसमुदाय ने जनता की समस्याओं को गंभीरता से लेने पर सांसद चंद्रशेखर आजाद की सराहना की। प्राप्त जानकारी के अनुसार आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ,भीम आर्मी चीफ एवं नगीना लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद एडवोकेट चंद्रशेखर आजाद ने अपने निवास धामपुर में जनता की समस्याएं सुनी और अनेक समस्याओं को मौके पर ही उसका समाधान कराया बाकी समस्याओं को भी जल्द से जल्द उनका निस्तारण करने के लिए अधिकारियों को सचेत करते होगा किसी की भी कीमत पर जनता का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और पीड़ितों को अधिकारियों के चक्कर नही लगाने दिया जाएगा ।और फरियादियों को दर दर भटकने नहीं दिया जाएगा। अनेक गांव वासियो ने अपने गांव में सड़के बनवाने की मांग को प्रमुखता से रखा जिस पर सांसद ने है समय रहते हैं सांसदनिधि अनुसार जल्द से सड़क बनवाने का आश्वासन दिय। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य एवं सांसद प्रतिनिधि विवेक सेन, भीम आर्मी जिला महासचिव रजनीश कुमार, सरदार ख्वाजा, सुखेंद्र सिंह, रोहित कुमार,शेरकोट नगर पालिका के सभासद गण आदि सहित बड़ी संख्या जनता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में डीएम जसजीत कौर ने लिया जायजा, ग्रामीणों को हरसंभव मदद का भरोसा

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। तहसील नगीना क्षेत्र में बढ़ते नदी के जलस्तर और संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिलाधिकारी जसजीत कौर ने बुधवार को अधिकारियों के साथ विभिन्न प्रभावित एवं संभावित बाढ़ क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम मुरादबख्शपुर उर्फ मतवाली और कादरगंज पहुंचकर जमीनी स्थिति का जायजा लिया तथा ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), उपजिलाधिकारी नगीना, क्षेत्राधिकारी नगीना, नायब तहसीलदार बढ़ापुर व नगीना सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सवार होकर नदी के तटवर्ती क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने जलस्तर और ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की स्थिति की जानकारी ली।

गांव में घुसा पानी, तत्काल पहुंची राजस्व टीम

मंगलवार को परगना बढ़ापुर के ग्राम मुरादबख्शपुर उर्फ मतवाली में नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण पानी गांव में प्रवेश कर गया था। ग्रामीणों की सूचना पर उपजिलाधिकारी नगीना राजस्व टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी की ।बुधवार को जिलाधिकारी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति की समीक्षा की और ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि प्रशासन उनकी सुरक्षा को लेकर पूरी तरह गंभीर है और आवश्यकता के अनुसार हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

वन गुर्जर समुदाय से भी की बातचीत

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गांव में निवासरत वन गुर्जर समुदाय के लोगों से भी संवाद किया। उन्होंने उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं के बारे में जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए विशेष सावधानी बरतने और नदी के तट से पर्याप्त दूरी बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि जलस्तर में अचानक वृद्धि की स्थिति में किसी भी प्रकार का जोखिम न उठाएं और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाढ़ संभावित क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और ग्रामीणों की सुरक्षा एवं सहायता के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। प्रशासन की ओर से संबंधित विभागों को पूरी तरह सतर्क रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि किसी भी आपात स्थिति में ग्रामीणों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भारत स्काउट एवं गाइड उत्तर प्रदेश की जिला परिषद बैठक आयोजित

अमरोहा। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में भारत स्काउट एवं गाइड उत्तर प्रदेश, जनपद अमरोहा की जिला परिषद की बैठक आयोजित हुई। बैठक में स्काउट-गाइड गतिविधियों के बेहतर संचालन, प्रशिक्षण और आगामी जिला स्तरीय कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में गत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि के साथ पिछले वर्ष कराए गए कार्यों की समीक्षा की गई। जिला संस्था के नए पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। इसके अलावा दल एवं कंपनी के पंजीकरण व नवीनीकरण, सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों में स्काउट-गाइड गतिविधियों के विस्तार, प्रथम एवं द्वितीय सोपान प्रशिक्षण, रोवर-रेंजर प्रशिक्षण तथा तहसील एवं जनपद स्तरीय जांच शिविरों के आयोजन पर चर्चा हुई। राज्य पुरस्कार जांच शिविर, जिला रैली, सामाजिक सेवा शिविर तथा स्काउट-गाइड ट्रेनिंग सेंटर के जीर्णोद्धार समेत अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी विचार-विमर्श कर आगामी कार्ययोजना तैयार की गई। अपर जिलाधिकारी गरिमा सिंह ने निर्देश दिए कि जनपद के अधिक से अधिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों को स्काउट-गाइड गतिविधियों से जोड़ा जाए। विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना एवं राष्ट्र निर्माण के संस्कार विकसित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से संचालित किए जाएं। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों और पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समयावधि में सभी गतिविधियों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के निर्देश दिए। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक शतानंद शर्मा, जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) डॉ. अजय कुमार, जिला सचिव अनिल कुमार, जिला प्रशिक्षण आयुक्त अतुल कौशिक, श्रीमती मंजू श्री सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, स्काउट-गाइड पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

संभावित बाढ़ क्षेत्रों में प्रशासन की नजर, एसडीएम ने किया निरीक्षण

जनपद में फिलहाल बाढ़ जैसी स्थिति नहीं, जलस्तर में मामूली बढ़ोतरी प्रशासन ने जारी किए कंट्रोल रूम के नंबर

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर के निर्देश पर बुधवार को उप जिलाधिकारी सदर स्मृति मिश्रा और उप जिलाधिकारी धामपुर विनीत कुमार ने अपने-अपने तहसील क्षेत्रों के संभावित बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशासन के अनुसार दोनों तहसील क्षेत्रों में फिलहाल कहीं भी बाढ़ जैसी स्थिति नहीं है और न ही किसी स्थान पर कटान की सूचना है। हालांकि जलस्तर में कुछ बढ़ोतरी दर्ज की गई है। प्रशासन ने संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील गांवों को चिह्नित करते हुए बाढ़ चौकियों को सक्रिय स्थिति में रखा है, ताकि किसी भी विषम परिस्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया जा सके।

कुंदनपुर और गलखा देवी मंदिर क्षेत्र का निरीक्षण

उप जिलाधिकारी सदर स्मृति मिश्रा ने तहसील क्षेत्र के ग्राम कुंदनपुर तथा गलखा देवी मंदिर के आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण किया। उन्होंने मौके पर जलस्तर की स्थिति देखी और ग्रामीणों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में क्षेत्र में बाढ़ अथवा कटान जैसी स्थिति नहीं है, लेकिन प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। एसडीएम ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगा। उन्होंने बताया कि तहसील क्षेत्र के संवेदनशील और अतिसंवेदनशील गांवों का चिन्हांकन किया जा चुका है तथा बाढ़ चौकी भी स्थापित की गई है। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए तहसील क्षेत्र के लोग कंट्रोल रूम नंबर 01342-262031 और 01342-262295 पर संपर्क कर सकते हैं।

धामपुर में तटबंध और सैंड पैक की व्यवस्था पर जोर

उप जिलाधिकारी धामपुर विनीत कुमार ने ग्राम नगला भज्जा, कोपा, शाहलीपुर निचल, नाथढोई और नंदग्राम सहित विभिन्न संभावित बाढ़ क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन वर्तमान में कहीं भी बाढ़ जैसी स्थिति नहीं है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता को तटबंध का कार्य आगे तक पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही सैंड पैक को रस्सी के बजाय मेटल वायर से बांधने के निर्देश दिए, ताकि व्यवस्था को अधिक मजबूत बनाया जा सके।

भाजपा ने सरकारी योजना से बाहर करने के लिए एसआईआर में कटवा दिए लाखों पूर्वांचलियों के वोट: संजीव झा

● वोटर लिस्ट में नाम न होने से लाखों गरीब महिलाएं दिल्ली लक्ष्मी योजना से बाहर हो जाएंगी- संजीव झा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक संजीव झा ने एसआईआर के बहाने लाखों लोगों के वोट काटने के पीछे भाजपा की बड़ी साजिश की ओर इशारा किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सरकारी योजना से बाहर करने के लिए एसआईआर में लाखों पूर्वांचलियों के वोट कटवा दिए हैं। अब वोटर लिस्ट में नाम न होने से लाखों गरीब महिलाएं दिल्ली लक्ष्मी योजना से बाहर हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में करीब 66 फीसद लोग ही एसआईआर में हिस्सा ले पाए हैं। चुनाव आयोग ने 47.58 लाख से ज्यादा वोट काट दिए गए हैं। अब स्पष्ट हो गया है कि चुनाव आयोग ने मनमाना वोट काटने के लिए ही ह्यआपह्ण प्रतिनिधिमंडल को मांगने के बाद भी शिफ्टेड लोगों का डाटा नहीं दिया। चुनाव आयोग अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। वरना लाखों लोग मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। बुधवार को आप मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर पार्टी के दिल्ली प्रदेश उपाध्यक्ष व बुराड़ी विधायक संजीव झा ने कहा कि दिल्ली में एसआईआर का काम पूरा हो गया है और इसके आंकड़े चौंकाने वाले हैं। दिल्ली में 47,58,455 लोगों के वोट काट दिए गए हैं। जिलेवार आंकड़े देखें तो साउथ ईस्ट जिले में केवल 56 फीसद ही एसआईआर हो पाया है, यानी वहां 44 फीसद लोगों के वोट काट दिए गए हैं। इसी तरह नई दिल्ली में 60 फीसद और साउथ जिले में 61 फीसद ही एसआईआर हुआ है। कुल मिलाकर दिल्ली में औसतन 65-66 फीसद ही एसआईआर हो पाया है और लगभग 34 फीसद लोगों के वोट काट दिए गए हैं। संजीव झा ने कहा कि चुनाव आयोग का कहना है कि लोगों के शिफ्ट होने के कारण ये वोट काटे गए हैं। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग से मिला था और यही चिंता जाहिर की थी। चुनाव आयोग को बताया गया था कि शिफ्ट होने के नाम पर भारी संख्या में वोट काटे जा रहे हैं और इनमें ज्यादातर लोग बिहार, यूपी और अन्य राज्यों से आए प्रवासी हैं। पार्टी ने सुझाव दिया था कि जो लोग शिफ्टेड दिखाए गए हैं, उनका बूथवार डाटा (पता और फोन नंबर) दिया जाए ताकि हमारे बीएलए अपने स्तर पर इसकी जांच कर सकें कि वे वास्तव में कहां शिफ्ट हुए हैं। इससे चुनाव आयोग को भी लोगों की सही पहचान करने में आसानी होती। संजीव झा ने कहा कि कई बीएलओ पर काम पूरा करने का भारी दबाव था, जिसके कारण उन्होंने घर बैठे ही लोगों को शिफ्टेड दिखा दिया। अनधिकृत कॉलोनियों और झुग्गियों में स्थिति बहुत जटिल है। वहां एक ही घर और एक ही परिवार के लोगों के वोट चार अलग-अलग बूथों पर होते हैं, इसलिए उन्हें पहचानना मुश्किल होता है। कई बीएलओ ने वहां जाकर बिल्कुल काम नहीं किया। पार्टी ने चुनाव आयोग को सुझाव दिया था कि जिन बूथों पर 50 फीसद से कम काम हुआ है, वहां के बीएलओ की सभी पार्टियों के बीएलए के साथ एक बैठक कराई जाए। चुनाव आयोग ने उस समय सारी बातें मान ली थीं, लेकिन बाद में धोखा दिया। आयोग ने न तो शिफ्ट हुए लोगों का कोई डाटा दिया, न कोई बैठक कराई और आनन-फानन में एसआईआर का काम खत्म कर दिया।

प्रवेश वर्मा के जल बोर्ड का अध्यक्ष बनने के बाद से छिपाई जा रही टेंडरों की जरूरी जानकारी: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एलजी और मुख्यमंत्री का ध्यान दिल्ली जल बोर्ड के मिनट्स ऑफ मीटिंग में की जा रही गड़बड़ी की ओर खींचा है। उन्होंने एलजी और सीएम से कहा कि जब से प्रवेश वर्मा दिल्ली जल बोर्ड का अध्यक्ष बने हैं, टेंडरों की जरूरी जानकारी बोर्ड के मिनट्स में छिपाई जा रही है। इससे पहले जल बोर्ड के मिनट्स में ठेकेदार के नाम और एल-1 कीमत स्पष्ट रूप से बताई जाती थी, लेकिन अब नहीं बताई जा रही। टेंडर की कीमतों और टेंडर लेने वाली कंपनी के नाम छिपाना परंपरा के खिलाफ है। जब सारी जानकारी सार्वजनिक नहीं होगी, तो कैसे पता चलेगा कि दिल्लीवालों का पैसा कहां इस्तेमाल हो रहा है? बुधवार को आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और एलजी साहब को इस ओर ध्यान देना चाहिए कि जब से प्रवेश वर्मा दिल्ली जल बोर्ड के अध्यक्ष बने हैं, तब से सार्वजनिक रूप से उपलब्ध बोर्ड बैठक के मिनट्स बहुत ही चालाकी से तैयार किए जा रहे हैं। अब करोड़ों रुपए के टेंडर और अनुबंधों के महत्वपूर्ण विवरण प्रकाशित नहीं किए जाते हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पहले जल बोर्ड के मिनट्स में ठेकेदार का नाम और सटीक एल-1 कीमत स्पष्ट रूप से बताई जाती थी, जिससे टैक्सपेयर और पत्रकारों को जनता के पैसे की निगरानी करने में मदद मिलती थी। अगस्त 2025 के बाद से इन विवरणों को पूरी तरह से हटा दिया गया है। अब मिनट्स केवल एक सामान्य चेकलिस्ट की तरह दिखते हैं, जिसमें सिर्फ सामान्य बजट अनुमान या आंतरिक विभाग के कोड (जैसे श्ग्स्तवथ संख्या) ही दिखाई देते हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह दिल्ली जल बोर्ड के स्थापित तरीके का सीधा उल्लंघन है। अंतिम कीमतों और टेंडर जीतने वाली कंपनियों के नामों को छिपाने से जनता यह नहीं जान पाती कि सार्वजनिक धन का सही इस्तेमाल हो रहा है या फिर अंदरूनी लोगों को ठेके बांटे जा रहे हैं। 650 करोड़ रुपए के स्वास्थ्य घोटाले में भी एसीबी ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि महत्वपूर्ण फाइलें नष्ट कर दी गई थीं। जल बोर्ड के मिनट्स में इस तरह विवरण छिपाना एक संभावित खतरा है और इसी तरीके का इस्तेमाल करके दिल्ली जल बोर्ड की फाइलें भी नष्ट की जा सकती हैं।

संक्षिप्त खबरें

568 लोगों के चेहरे पर लौटी मुस्कान, पुलिस ने बरामद किए खोए मोबाइल

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले में पुलिस ने तकनीक के इस्तेमाल से 568 लोगों के खोए और गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर उन्हें उनके असली मालिकों तक पहुंचाया। पुलिस ने यह कार्रवाई ऑपरेशन विश्वास के तहत की। बरामद मोबाइल फोन में दिसंबर 2021 में चोरी हुआ फोन भी शामिल है, जबकि सबसे हाल में मई 2026 में चोरी हुआ मोबाइल बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक, 01 जुलाई से 15 अगस्त 2026 तक विशेष अभियान चलाया गया। जिला एडवांस नॉलेज-बेस्ड साइंटिफिक हेल्पडेस्क टीम ने तकनीकी माध्यमों से मोबाइल फोन की तलाश की। टीम का नेतृत्व इंस्पेक्टर राम मनोहर मिश्रा ने किया। अभियान अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त-द्वितीय अरविंद कुमार की निगरानी में चलाया गया। टीम में एसआई विश्व विजय, एएसआई बिजेंद्र, हेड कांस्टेबल नितिन समेत जिले के सभी थानों के पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस ने मोबाइल फोन की तलाश में सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल का इस्तेमाल किया। सी-डॉट की ओर से विकसित इस व्यवस्था के जरिए खोए या चोरी हुए मोबाइल के आईएमईआई नंबर को ब्लॉक कराया जा सकता है। इसके बाद फोन में दूसरी सिम डालने पर भी उसका सामान्य इस्तेमाल मोबाइल नेटवर्क पर नहीं हो पाता। पुलिस के अनुसार, जब चोरी या गुम हुआ मोबाइल दोबारा किसी टेलीकॉम नेटवर्क पर सक्रिय होता है तो सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल के जरिए तकनीकी जानकारी मिलती है। इसके आधार पर पुलिस टीम मोबाइल की लोकेशन और इस्तेमाल से जुड़े इनपुट जुटाकर उसे बरामद करने की कोशिश करती है। इस दौरान तकनीकी विश्लेषण के साथ-साथ फील्ड वेरिफिकेशन और टेलीकॉम कंपनियों के साथ समन्वय भी किया गया। बरामद किए गए 568 मोबाइल फोन संबंधित थानों के एसीपी, एसएचओ और अन्य पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे गए। लंबे समय पहले मोबाइल खोने वाले कई लोगों को जब उनका फोन वापस मिला तो उनके चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी।

सीवेज प्लांटों की निगरानी में न हो लापरवाही : एनजीटी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने न्यू कोंडली और मयूर विहार फेज-तीन के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की नियमित निगरानी के निर्देश दिए हैं। अधिकरण ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि प्लांट लगातार पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप संचालित हों और आसपास रहने वाले लोगों को दुर्गंध या अन्य परेशानी न हो। यह आदेश एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. अफरोज अहमद की पीठ ने दिया। मामले में कोंडली फेज-एक से चार तक के एसटीपी में मानकों के उल्लंघन, बिना उपचारित पानी के बहाव और दुर्गंध व जहरीली गैसों से संबंधित शिकायतें सामने आई थीं। हालांकि, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने बताया कि अप्रैल में लिए गए नमूनों की जांच में चारों एसटीपी निर्धारित मानकों के अनुरूप पाए गए। उल्लंघन पर अतिरिक्त क्षतिपूर्ति का प्रावधान एनजीटी ने पिछले आदेश के तहत ह्यप्रदूषण करने वाला भुगतान करेगाह्ण सिद्धांत के आधार पर दिल्ली जल बोर्ड और संबंधित कंपनी पर पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति लगाने का निर्देश दिया था। डीपीसीसी के अनुसार 10 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति लगाई जा चुकी है। पीठ ने कानूनी अड़चन न होने पर इसकी जल्द वसूली और उल्लंघन की आगे की अवधि की जांच के निर्देश दिए। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त क्षतिपूर्ति भी लगाई जाएगी।

टिकरी कलां में सीएनजी पंप पर सिलेंडर फटा, 1 की मौत; 6 झुलसे

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के मुंडका थाना क्षेत्र के टिकरी कलां इलाके में बुधवार को एक सीएनजी पंप पर ट्रक में गैस भरने के दौरान उसके सिलेंडर में जोरदार धमाका हो गया। हादसे में 1 व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 6 लोग झुलसकर घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। धमाके के बाद पंप परिसर और आसपास के क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह हादसा टिकरी कलां मेट्रो स्टेशन के पास स्थित सीएनजी पंप पर शाम करीब 3:30 बजे हुआ। ट्रक में सीएनजी भरी जा रही थी, इसी दौरान अचानक उसके सिलेंडर में तेज धमाका हो गया। धमाके की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी, जिससे आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 2 गाड़ियां, 1 जल बौछार वाहन तथा बचाव दल को मौके पर भेजा गया। पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया तथा घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। दमकल विभाग के अनुसार, शाम करीब 4 बजे ट्रक के सिलेंडर में धमाका होने और 6 लोगों के घायल होने की सूचना मिली थी। घायलों की चोटों की गंभीरता और उनकी वर्तमान स्थिति के संबंध में विस्तृत जानकारी का इंतजार है। हादसे में 1 व्यक्ति की मौत की सूचना भी सामने आई है। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि सीएनजी भरने के दौरान सिलेंडर में किसी तकनीकी खराबी अथवा दबाव से यह विस्फोट हुआ हो सकता है।

चीनी की मिठास हुई कड़वी, 65 रुपये किलो तक पहुंचा भाव

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। आम आदमी की रसोई में रोज इस्तेमाल होने वाली चीनी अब जेब पर भारी पड़ने लगी है। महज कुछ ही दिनों में चीनी के दामों में जबरदस्त उछाल आया है और कई बाजारों में खुदरा भाव 60 से 65 रुपये किलो तक पहुंच गया है। करीब एक माह पहले 40-45 रुपये किलो के आसपास मिलने वाली चीनी के दाम में 15 से 20 रुपये किलो तक की बढ़ोतरी ने घरेलू बजट को हिला दिया है। ताजा बाजार रिपोर्टों में भी कुछ क्षेत्रों में चीनी 60 से 65 रुपये किलो बिकने और जल्द ही 65 रुपये के पार जाने की आशंका जताई गई है। चीनी की यह तेजी ऐसे समय आई है जब त्योहारों का मौसम शुरू होने वाला है। रक्षाबंधन से लेकर जन्माष्टमी, गणेशोत्सव और आगे दशहरा-दीपावली तक मिठाइयों की मांग बढ़ती है। ऐसे में चीनी महंगी होने का सीधा असर मिठाई, हलवाई की दुकानों, बेकरी उत्पादों और घरों में बनने वाले पकवानों पर पड़ना तय माना जा रहा है। बाजार में चीनी की थोक कीमत भी तेजी से बढ़ी है और उत्तर प्रदेश में 18 अगस्त को एम-ग्रेड चीनी का एक्स-फैक्ट्री भाव 5,400 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गया। जानकारों के मुताबिक चीनी की कीमतों में तेजी के पीछे कई कारण हैं। गन्ने के एक हिस्से का इस्तेमाल एथेनॉल उत्पादन में होने से चीनी की उपलब्धता प्रभावित हुई है। इसके अलावा त्योहारी मांग बढ़ने और बाजार में सीमित आपूर्ति ने भी कीमतों को ऊपर धकेला है। हालात पर नजर रखते हुए केंद्र सरकार चीनी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए सीमित शुल्क-मुक्त आयात, व्यापारियों की स्टॉक सीमा में बदलाव और घरेलू बाजार में चीनी की आपूर्ति बढ़ाने जैसे विकल्पों पर विचार कर रही है। सबसे बड़ी चिंता आम उपभोक्ता की जेब को लेकर है। चाय में डाली जाने वाली चीनी से लेकर बच्चों के दूध, मिठाई, खीर और अन्य घरेलू पकवानों तक हर जगह इसका इस्तेमाल होता है। ऐसे में 40-45 रुपये किलो से बढ़कर 60-65 रुपये किलो तक पहुंची चीनी आने वाले दिनों में महंगाई की नई परेशानी खड़ी कर सकती है। यदि कीमतों पर तत्काल नियंत्रण नहीं हुआ तो त्योहारों के दौरान मिठाइयों और अन्य खाद्य वस्तुओं के दाम भी बढ़ सकते हैं। सरकार को जमाखोरी और कृत्रिम महंगाई पर सख्ती के साथ बाजार में पर्याप्त चीनी उपलब्ध कराने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है।

भारतीय युवा कांग्रेस ने किया बेहतर शहर अभियान का शंखनाद

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय पदाधिकारी श्री गौरव यादव जी ने आज नई दिल्ली में प्रेस को संबोधित करते हुए भारतीय युवा कांग्रेस के बैनर तले देशव्यापी बेहतर शहर अभियान की शुरूआत की घोषणा की। श्री गौरव यादव जी ने बताया कि भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री उदय भानु जी एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के प्रभारी श्री मनीष शर्मा जी ने युवाओं, शोषितों एवं वंचितों की मुखर आवाज श्री राहुल गांधी जी के मार्गदर्शन में इस अभियान की रूपरेखा तैयार की है। बेहतर शहर अभियान मुख्य रूप से दो महत्वपूर्ण भागों में संचालित किया जाएगा– 1. मेरा शहर मेरा हक इस अभियान का उद्देश्य देश के शहरी क्षेत्रों में नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं एवं सम्मानजनक जीवन का अधिकार दिलाने के लिए आवाज बुलंद करना है। इसके अंतर्गत पानी की समुचित व्यवस्था, नाली एवं सीवर व्यवस्था, जलभराव से निजात, स्ट्रीट लाइट, बेहतर सड़कें, स्वच्छ पार्क, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्कूलों की बेहतर व्यवस्था, अस्पताल एवं डिस्पेंसरी की संख्या में वृद्धि, खुले में कूड़ा जलाने पर रोक, धूल एवं प्रदूषण को कम करना, पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था तथा बेहतर सार्वजनिक परिवहन जैसी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा। श्री गौरव यादव जी ने कहा कि दिल्ली सहित पूरे देश के शहरी क्षेत्रों में आम नागरिक इन बुनियादी समस्याओं से जूझ रहे हैं। भारतीय युवा कांग्रेस इन समस्याओं के समाधान के लिए सरकार को जवाबदेह बनाने और जनता के अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। 2. मेहनत के हाथ अभियान का दूसरा महत्वपूर्ण भाग मेहनत के हाथ है। इसके माध्यम से उन मेहनतकश लोगों के सम्मान, अधिकार एवं सुरक्षा की आवाज बुलंद की जाएगी, जो प्रतिदिन शहरों को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसमें मुख्य रूप से सफाई कर्मचारी, स्ट्रीट वेंडर, घरेलू कामगार महिलाएं एवं पुरुष, सुरक्षा गार्ड, ऑटो एवं ई-रिक्शा चालक तथा गिग वर्कर शामिल हैं। श्री गौरव यादव जी ने कहा कि ये मेहनतकश लोग शहरों की अर्थव्यवस्था और रोजमर्रा की जिंदगी की रीढ़ हैं, लेकिन उनके सम्मान, अधिकार, सामाजिक सुरक्षा और सुरक्षित कार्य-परिस्थितियों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता। भारतीय युवा कांग्रेस इनके सम्मान, अधिकार और सुरक्षा के लिए मजबूती से संघर्ष करेगी। उन्होंने कहा कि बेहतर शहर अभियान केवल एक अभियान नहीं, बल्कि शहरों में रहने वाले आम नागरिकों और मेहनतकश वर्ग के अधिकारों की लड़ाई को संगठित करने का प्रयास है। भारतीय युवा कांग्रेस देशभर में युवाओं और आम जनता को साथ लेकर इस अभियान को व्यापक जनआंदोलन का रूप देगी।

दिल्ली में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर 1008 भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक बुधवार को राजधानी दिल्ली सहित देशभर में श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। मोक्ष सप्तमी के पावन अवसर पर सुबह से ही जैन मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। कृष्णा नगर, राजगढ़, राधेपुरी सहित दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों के जैन मंदिरों में स्त्री-पुरुषों और बच्चों ने भगवान की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की तथा अपनी श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ निर्वाण लाडू अर्पित किए। मंदिरों में भगवान के जयकारों, मंत्रोच्चार और भक्ति से वातावरण आध्यात्मिक हो उठा। जैन परंपरा में श्रावण शुक्ल सप्तमी का विशेष महत्व है। इसी पावन तिथि को 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक की स्मृति में मोक्ष सप्तमी मनाई जाती है। जैन मान्यता के अनुसार भगवान पार्श्वनाथ ने सांसारिक वैभव का त्याग कर तप और साधना का मार्ग अपनाया तथा अहिंसा, सत्य, अचौर्य और अपरिग्रह जैसे महान सिद्धांतों का संदेश दिया। अंततः सम्मेद शिखरजी की पावन भूमि से उन्होंने मोक्ष प्राप्त किया। भगवान पार्श्वनाथ का जीवन त्याग, तपस्या, संयम और आत्मकल्याण की प्रेरणा देता है। इसी धार्मिक भावना के साथ शाहदरा जिले के गांधी नगर विधानसभा क्षेत्र के शंकर नगर स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष महोत्सव बड़े ही भक्तिभाव और धूमधाम से मनाया गया। लगभग 60 धर्मप्रेमियों ने एक साथ पार्श्वनाथ विधान में सम्मिलित होकर विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की और भगवान के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की। विधान के पश्चात भगवान की आरती की गई तथा श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों पर नृत्य कर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। पूरे मंदिर परिसर में भक्ति और आस्था का ऐसा वातावरण बना रहा कि हर श्रद्धालु भगवान पार्श्वनाथ की आराधना में लीन नजर आया। आयोजन में शंकर नगर जैन समाज के धर्मप्रेमियों के साथ महिला मंडल का विशेष योगदान रहा। श्रद्धालुओं ने कहा कि भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक हमें केवल धार्मिक अनुष्ठान करने की प्रेरणा नहीं देता, बल्कि अपने जीवन से क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे विकारों को दूर कर संयम और अहिंसा के मार्ग पर चलने का संदेश देता है। शंकर नगर जैन समाज ने समाज की एकता और धार्मिक भावना को इसी प्रकार मजबूत बनाए रखने का संकल्प लिया। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से भगवान पार्श्वनाथ के चरणों में नमन करते हुए विश्व में सुख, शांति और मंगल की कामना की।

डूसू चुनाव शांतिपूर्ण करवाने के लिए डीयू प्रशासन ने कसी कमर

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से करवाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी और दक्षिणी परिसरों में 500 से अधिक सीसी कैमरों के साथ मुख्य मार्गों पर निगरानी रखी जा रही है। यह जानकारी दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर प्रो. मनोज कुमार सिंह ने एक पत्रकार वार्ता के दौरान दी। इस अवसर पर उनके साथ दिल्ली पुलिस के एसीपी राजेंद्र प्रसाद सहित दिल्ली विश्वविद्यालय प्रॉक्टर ऑफिस की टीम भी उपस्थित रही। पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रो. मनोज कुमार ने बताया कि डूसू चुनाव के दौरान लिंगदोह कमेटी की सिफारिशों का पूरी कड़ाई के साथ पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस के सहयोग से विश्वविद्यालय के सभी मार्गों पर गाड़ियों पर सख्त नजर रखी जा रही है। एक महीने की मेहनत के परिणाम सही आ रहे हैं, और गाड़ियों के जमावड़े पर लगाम लगी है। प्रो. मनोज कुमार सिंह ने कहा डिफेसमेंट (विरूपण) की भी कोई सूचना अभी तक नहीं मिली है। डीयू की टीम ने पुलिस के साथ मिलकर सामूहिक मुहिम चलाई है जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। विद्यार्थियों को समझाया है कि नियमों का पालन न करने पर नॉमिनेशन भी कैंसिल हो सकता है और चुनाव भी कैंसिल हो सकता है। प्रो. मनोज कुमार ने बताया कि चुनाव प्रचार के लिए छपे हुए (प्रिंटेड) पर्चे या पोस्टरों पर पूर्ण प्रतिबंध है। हाथ से लिखे पोस्टर विश्वविद्यालय परिसर में केवल ह्यवाल ऑफ डेमोक्रेसीह्ण पर ही लगाए जा सकते हैं। उन्होंने सभी 54 कॉलेजों के प्रिंसिपलों से भी आग्रह किया है कि वे अपने-अपने कॉलेजों में 10 10 फुट की 2-2 ह्यवाल ऑफ डेमोक्रेसीह्ण बनाएं जिनमें से एक डूसू के लिए और एक कॉलेज कमेटी के लिए हो।

यमुना की सफाई के नाम पर अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की जनता से किया धोखा : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) घोटाले में एंटी-करप्शन ब्रांच द्वारा पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी के बाद राजधानी की राजनीति गर्मा गई है। भाजपा ने इसे यमुना सफाई के नाम पर धोखा बताया है, वहीं कांग्रेस ने भी आप पर अनियमितताओं के आरोप लगाए। दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) घोटाला बहुत बड़ा था। यमुना की सफाई के नाम पर अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की जनता को धोखा दिया। उस समय एसटीपी प्लांट लगाने की बात हुई थी। लेकिन 2021 में निकाले गए टेंडर में जानबूझकर एक शर्त जोड़ी गई ताकि एक खास कंपनी, यूरोटेक, को फायदा हो सके। उस कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए टेंडर की शर्तों में हेरफेर की गई और टेंडर उन्हें दे दिया गया। सचदेवा ने आगे कहा, पिछले 10 सालों में अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की जनता को जिस तरह से धोखा दिया है, यह काम उन्हीं गलत कामों का एक हिस्सा है, जिसमें अब इन छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी केजरीवाल का नाम भी सामने आएगा। रचनात्मक कांग्रेस के चेयरपर्सन संदीप दीक्षित ने भी आप सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, उन टेंडर्स और इस घोटाले में क्या हो रहा था, इसकी जानकारी हमें काफी पहले से थी। जब कांग्रेस सरकार सत्ता में थी, तो यमुना की सफाई के मुख्य पहलुओं जैसे कि हमारे कुछ नाले जो इसमें गिरते हैं और बहुत गंदगी फैलाते हैं को लेकर उन पर इंटरसेप्टर लगाने की योजना बनाई गई थी। इसमें समय लग रहा था क्योंकि परमिशन को लेकर कई दिक्कतें थीं। कांग्रेस के कार्यकाल में, जहां तक मुझे याद है, दो या तीन बड़े इंटरसेप्टर लगाए जाने थे, जिनमें सीवेज का पानी और नालों से आने वाला गंदा पानी साफ किया जाता और ट्रीटमेंट के बाद ही वह साफ पानी यमुना में बहता। उन्होंने आरोप लगाया, लेकिन केजरीवाल की सरकार बनने के बाद उन्होंने उसे रिटेंडर में डाल दिया। जब सरकार 5 रुपये की चीज को 10 रुपये की करके रिटेंडर करने लगे तो समझ जाइए की कुछ न कुछ तो गड़बड़ है। क्योंकि तकनीकी रूप से इन चीजों को चलने देना चाहिए था, लेकिन केजरीवाल सरकार ने ऐसा नहीं किया। इन्हीं अनियमतताओं के कारण ये फंसे हैं।

डेटिंग ऐप पर फर्जी पहचान से बुजुर्ग को फंसाया, 1.30 लाख की ठगी

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस के साइबर थाना पुलिस ने डेटिंग ऐप पर फर्जी पहचान बनाकर 67 वर्षीय बुजुर्ग को अपने जाल में फंसाने, उसका मोबाइल फोन चोरी करने और बैंक खातों से 1.30 लाख रुपये निकालने के मामले में दो युवतियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान दिल्ली निवासी ज्योत्सना (26) और मानशी (21) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, ज्योत्सना ने फर्जी नाम से डेटिंग ऐप पर प्रोफाइल बनाई और बुजुर्ग से संपर्क किया, जबकि मानशी ने प्रोफाइल धारक महिला बनकर उससे मुलाकात की। पुलिस के अनुसार, बुजुर्ग की डेटिंग ऐप के जरिए एक महिला से बातचीत शुरू हुई थी। बाद में टेलीग्राम के माध्यम से संपर्क बढ़ा और दोनों युवतियों ने 20 तथा 24 जुलाई को उससे मुलाकात की। 24 जुलाई को डिफेंस कॉलोनी स्थित एक रेस्तरां में खाना खाने के बाद बुजुर्ग का मोबाइल फोन कथित तौर पर चोरी कर लिया गया। इसके बाद उसके दो बैंक खातों से यूपीआई के जरिए बिना अनुमति 1.30 लाख रुपये स्थानांतरित कर दिए गए। इनमें से 90 हजार रुपये एटीएम के जरिए निकाले गए। मामले की जांच के लिए पुलिस ने बैंक खातों और लेनदेन का ब्योरा खंगालने के साथ सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी निगरानी का सहारा लिया। जांच में सामने आया कि ठगी की रकम पहले एक आरोपी के खाते में पहुंची और वहां से दूसरी आरोपी के खाते में स्थानांतरित की गई। एटीएम से रकम निकालते समय दोनों युवतियां सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गईं। बैंकिंग ट्रेल और तकनीकी सुरागों के आधार पर पुलिस ने दोनों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने कथित तौर पर बताया कि ज्योत्सना ने फर्जी डेटिंग ऐप प्रोफाइल बनाकर बुजुर्ग से संपर्क किया और अपनी साथी मानशी को योजना में शामिल किया। मानशी ने खुद को प्रोफाइल धारक महिला बताकर बुजुर्ग से मुलाकात की। पुलिस के मुताबिक, चोरी किया गया मोबाइल फोन भी आरोपियों ने कथित तौर पर नष्ट कर दिया, ताकि सबूत मिटाए जा सकें। पुलिस ने दोनों के कब्जे से दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। मामले में आगे की जांच जारी है।

सूचना

मैं बिजेन्ती देवी, पत्नी भूषण सिंह, निवासी उ-354, उ ब्लॉक, अमन विहार, किरारी सुलेमान नगर, सुल्तानपुरी, उत्तर-पश्चिम दिल्ली 110086, यह बताना चाहती हूँ कि किसी गलती के कारण मेरे आधार कार्ड पर मेरा नाम बिजेन्ती देवी के बजाय विजेंती देवी छप गया था, और भविष्य में सभी कार्यों के लिए मेरा नाम बिजेन्ती देवी ही माना जाए।

Public Notice

I, Leela Banoo, mother of Service No. 9927819L, Hav GH Haider, Unit 2nd Ladakh Scouts C/o 56 APO, R/o Lankerchay, Sankoo Kargil-Ladakh UT do hereby inform that my name has been wrongly/incorrectly recorded in Service Record of my son as Lella Banoo instead of Leela Banoo. That my actual and correct name is Leela Banoo. Now, I have applied for correction of my name in my son's Service Record. Objection, if any, conveyed to concerned authorities within seven days of this publication.

Public Notice

I, Service No. 9928300F, Rank Nk Name Tsering Namgyal, S/o Phunchok Namgyal R/o Mulbekh, Kargil-Ladakh-UT, A/P Katmocha Leh do hereby inform that my son's name has been wrongly/incorrectly recorded in my Army Record as Skama Kesang instead of Skarma Kesang. That my son's actual and correct name is Skarma Kesang. Now, I have applied for correction of my son's name in my Army Record. Objection, if any, conveyed to concerned authorities within seven days of this publication.

संक्षिप्त समाचार

शेयर बाजार में गिरावट के बीच उछले शुगर स्टॉक्स, इस महीने 51% तक उछल चुके हैं शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। चीनी की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है और यह रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। फेस्टिव सीजन के दौरान इसमें और तेजी आने की उम्मीद है। अच्छे बिजनेस आउटलुक की उम्मीद में चीनी कंपनियों के शेयरों में भी हाल में काफी तेजी आई है। बुधवार को शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद चीनी कंपनियों के शेयर 14 फीसदी तक उछल गए। इस महीने इन शेयरों में 51 फीसदी तक तेजी आई है। भारत दुनिया में चीनी का दूसरा बड़ा उत्पादक है। बीएसई पर बजाज हिंदुस्तान, द्वारिकेश शुगर इंडस्ट्रीज और श्री रेणुका शुगर्स के शेयरों में कारोबार 10 प्रतिशत से 14 प्रतिशत तक की तेजी आई। धामपुर शुगर मिल्स, अवध शुगर एंड एनर्जी, उत्तम शुगर मिल्स, डालमिया भारत शुगर, त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज, EID पैरी और बलरामपुर चीनी मिल्स के शेयरों में भी 2 प्रतिशत से 7 प्रतिशत तक का उछाल आया। अवध शुगर एंड एनर्जी के शेयर की कीमत में इस महीने अब तक 51 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी आई है। इसी तरह उत्तम शुगर, डालमिया भारत, द्वारिकेश शुगर, धामपुर शुगर, त्रिवेणी इंजीनियरिंग और बजाज हिंदुस्तान के शेयरों में 26 प्रतिशत से 38 प्रतिशत तक की तेजी आई है। इस दौरान बेंचमार्क इंडेक्स में 1.4 प्रतिशत की गिरावट आई है। सेंसेक्स आज लगातार चौथे दिन गिरा है जबकि निफ्टी में लगातार सातवें सत्र में गिरावट आई है। जानकारों का कहना है कि 2025-26 सीजन उम्मीद से ज्यादा टाइट रहा है। उत्पादन उम्मीद से कम रहा, घरेलू खपत अच्छी रही और इथेनॉल की ओर डायवर्जन के कारण इन्वेंट्री में कमी आई। मांग-आपूर्ति के इस टाइट बैलेंस के कारण देश में चीनी की कीमत में तेजी आई है। इससे मिल मालिकों को राहत मिली है। 2026-27 शुगर सीजन के लिए अगले कुछ दिनों में स्पष्ट तस्वीर मिलने की उम्मीद है।

यूपीआई पेमेंट पर सरकार को मिला बड़ा हथियार, राष्ट्रति ने एमडीआर से जुड़े विधेयक को मंजूरी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपीआई से भुगतान पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट से जुड़े विधेयक को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंजूरी दे दी है। उन्होंने पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट 2007 में बदलाव वाले इस विधेयक को सोमवार को मंजूरी दी। इसके साथ यह कानून बन गया। हालांकि पर जीरो की व्यवस्था में अभी कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसके साथ ही राष्ट्रपति ने टैक्सेशन एंड अदर लॉन (अमेंडमेंट) एक्ट 2026 को भी मंजूरी दी जिससे देश में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए टैक्स रियायतों की व्यवस्था होगी। पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट 2007 में बदलाव से सरकार को रूपे डेबिट कार्ड से होने वाले भुगतान पर जीरो की व्यवस्था बदलने का कानूनी अधिकार मिल गया है। अब सरकार केवल नोटिफिकेशन के जरिए तय कर सकती है कि किन डिजिटल पेमेंट्स को से फ्री रखा जाएगा। अभी बैंक और पेमेंट सर्विस देने वाली इकाइयां और रूपे डेबिट कार्ड से भुगतान पर कोई चार्ज नहीं ले सकते है। टैक्सेशन एंड अदर लॉग (अमेंडमेंट) एक्ट 2026 का मकसद देश में ज्यादा विदेशी पूंजी आकर्षित करने को राह बनाना और कारोबार करने में आसानी बढ़ाकर देश में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देना है। इस फंड मैनेजरों के लिए भारत में कारोबार स्थापित करने की राह आसान करने की बात है।

बुक माय शो में हिस्सेदारी खरीदेगी अमेरिका की केकेआर, मुकेश अंबानी की कंपनी का भी है निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फर्म घरेलू एंटरटेनमेंट और टिकटिंग प्लेटफॉर्म में माइनॉरिटी स्टेक खरीदने के लिए सहमत हो गई है। चलाए जा रहे रिलायंस इंडस्ट्रीज की यूनिट की 39 प्रतिशत हिस्सेदारी है। अन्य मौजूदा इन्वेस्टर्स में शामिल हैं। केकेआर ने कहा कि यह इन्वेस्टमेंट की ग्रोथ के अगले चरण में मदद करेगा। इसमें कंपनी के लाइव एंटरटेनमेंट बिजनेस का विस्तार और पूरे भारत में इसके फुल-स्टैक एंटरटेनमेंट ऑफरिंग का विकास शामिल है। हालांकि इस डील की फाइनेंशियल डिटेल नहीं दी गई है। 2007 में शुरू हुई एक टिकटिंग प्लेटफॉर्म से एक फुल-स्टैक एंटरटेनमेंट कंपनी बन गई है।

रूसी डिस्काउंट खत्म, वेनेजुएला के बढ़े भाव

खाड़ी और अफीका वसूल रहे प्रीमियम, कैसे चलेगी अपनी गाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में संकट गहराने से हाल में कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। पिछले दो हफ्ते में ब्रेंट फ्यूचर्स की कीमत में लगभग .10 प्रति बैरल की बढ़ोतरी हुई है। अभी यह 92 प्रति बैरल से करीब पहुंच गया है। लेकिन भारतीय रिफाइनर्स के लिए कच्चे तेल की लागत ग्लोबल बेंचमार्क की तुलना में तेजी से बढ़ रही है। फिजिकल सप्लाई में कमी के कारण खाड़ी और पश्चिमी अफ्रीका से आने वाले बैरल के लिए प्रीमियम बढ़ रहा है। साथ ही, रूसी तेल पर मिलने वाले डिस्काउंट खत्म हो गया है और वेनेजुएला के तेल पर भी डिस्काउंट काफी कम रह गया है।

होर्मुज स्ट्रेट के साथ-साथ लाल सागर में भी तनाव बढ़ा है। इसका असर सप्लाई पर साफ दिख रहा है। फिजिकल मार्केट में ज्यादा दबाव दिख रहा है। इससे सप्लायर्स को प्रीमियम वसूलने का मौका मिल रहा है और भारतीय रिफाइनर गल्फ से सप्लाई पाने के लिए महंगे स्पॉट मार्केट की ओर रुख कर रहे हैं। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक एक रिफाइनरी से जुड़े एग्जीक्यूटिव ने कहा, हर ट्रेडर प्रीमियम मांग रहा है। उदाहरण के लिए गल्फ सप्लायर्स रीजनल दुबई-ओमान बेंचमार्क से 3-4 प्रति बैरल ज्यादा कीमत मांग रहे हैं जबकि यह बेंचमार्क खुद ब्रेंट से 6-7 प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। गल्फ के कच्चे तेल की प्रभावी लागत ब्रेंट से लगभग .10 प्रति बैरल ज्यादा हो जाती है।

कहां से तेल मंगा रहा है भारत

इंडस्ट्री के एग्जीक्यूटिव्स ने कहा कि ये ट्रेडर्स मुश्किल समुद्री रास्तों से कार्गो ले जाने में ज्यादा जोखिम उठा रहे हैं और इस अतिरिक्त जोखिम के लिए प्रीमियम वसूल रहे हैं। साथ ही वेस्ट अफ्रीकन कच्चे तेल के लिए भी प्रीमियम बढ़ गए हैं। भारतीय रिफाइनर खाड़ी देशों से होने वाली सप्लाई में कमी को पूरा करने और महंगे होते वेस्ट अफ्रीकन ग्रेड से बचने के लिए अमेरिका, ब्राजील और गुयाना जैसे सप्लायर्स से ज्यादा कच्चा तेल खरीदने की कोशिश कर रहे हैं।

भारत का आयात बिल सालाना करीब 2 अरब डॉलर यानी 18,000 करोड़ रुपये बढ़ जाता है

कच्चे तेल की कीमत में 1 डॉलर की तेजी से भारत का आयात बिल सालाना करीब 2 अरब डॉलर यानी 18,000 करोड़ रुपये बढ़ जाता है। भारत अपनी जरूरत का करीब 90 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। एग्जीक्यूटिव्स ने कहा कि सऊदी अरामको द्वारा अलग-अलग ग्रेड के लिए तय आधिकारिक बिक्री कीमतें बहुत ज्यादा राहत नहीं देती हैं, क्योंकि लाल सागर और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में रुकावटों के कारण टर्म-डील सप्लाई कम हो गई है। भारतीय रिफाइनर गल्फ के कच्चे तेल के लिए तेजी से स्पॉट मार्केट का रुख कर रहे हैं, जहां ट्रेडर्स प्रीमियम मांग रहे हैं। यह स्थिति जुलाई की शुरुआत से बिल्कुल उलट है। तब अमेरिका-ईरान के बीच समझौता लागू होने के बाद ब्रेंट स्पॉट कीमतें 70 प्रति बैरल से नीचे आ गई थीं। लेकिन पिछले हफ्ते ब्रेंट स्पॉट कीमतें 93 प्रति बैरल से ऊपर चली गईं। साथ ही रूसी तेल पर मिलने वाली छूट लगभग खत्म हो गई है।

सिम्बायोटिक फार्मालैब आईपीओ में अगले सोमवार से लगा सकते हैं बोली

मुंबई, एजेंसी। बायोफार्मास्युटिकल और बायोटेक्नोलॉजी सेक्टर की कंपनी पूंजी बाजार से पैसे जुटाने की पूरी तैयारी में है। कंपनी का 1,757 करोड़ रुपये का

आगामी सोमवार यानी 24 अगस्त 2026 को खुलेगा। निवेशक इसमें 27 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे। इसमें से 150 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू है जबकि कंपनी के वर्तमान शेयर होल्डर्स 1,605 करोड़ रुपये ऑफर फोर सेल ला रहे हैं।

कंपनी 1,757 करोड़ रुपये के इस आईपीओ के तहत एक शेयर का फेस वैल्यू दो रुपये तय किया है। इसका प्राइस बैंड 938 से 988 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इसमें बीड करने के लिए एक लॉट में कम से कम 15 शेयरों को शामिल किया गया है। इससे ऊपर इतने के गुणक में ही बोली लगानी होगी। एक लॉट के लिए निवेशकों को 14,820 रुपये का निवेश करना होगा। आईपीओ प्राइस बैंड की बात करें तो यह फ्लोर प्राइस पर फेस वैल्यू का 469 गुना और कैप प्राइस पर 494 गुना है।

कहां लिस्ट होंगे शेयर

सिम्बायोटिक फार्मालैब के शेयर दोनों पर लिस्ट होंगे। सबकुछ योजनाबद्ध तरीके से चला तो इसमें शेयरों का अलॉटमेंट 28 अगस्त को जबकि इसकी लिस्टिंग एक सितंबर को हो जाएगी।

कहां होगा पैसे का इस्तेमाल

इस आईपीओ इश्यू का मुख्य उद्देश्य कंपनी की बैलेंस शीट को मजबूत करना है। इस राशि का इस्तेमाल कुछ बकाया कर्जों को लौटाने में होगा। कंपनी लोन को पूरी तरह या आंशिक रूप से प्रीपेमेंट और/या रीपेमेंट करने की योजना बना रही है। बाकी की फंडिंग का इस्तेमाल सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

किनके लिए कितना आरक्षण

इस आईपीओ में रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए 35 फीसदी आरक्षण है। मतलब कि आईपीओ का कम से कम 35 फीसदी हिस्सा खुदरा निवेशकों को अलॉट किया जाएगा। इसके अलावा क्यूआईबी के लिए 50 फीसदी और एनआईआई के लिए 15 फीसदी हिस्सा रिजर्व किया गया है। कंपनी के पात्र कर्मचारियों को कर्मचारी आरक्षण हिस्से के माध्यम से की गई बोलियों पर प्रति शेयर 90 रुपये की छूट मिलेगी। फार्मास्यूटिकल इंग्रेडिएंट्स, न्यूट्रिशनल इंग्रेडिएंट्स है। साथ ही कंपनी घरेलू तथा ग्लोबल मार्केट्स के लिए स्पेशलाइज्ड प्रोडक्ट्स डेवलप और मैन्यूफैक्चर करती है।

बिहारी लाल शेयर की मार्केट में धमाकेदार एंट्री! 63 प्रतिशत प्रीमियम पर लिस्टिंग से निवेशक हुए मालामाल

नई दिल्ली, एजेंसी। इंजीनियरिंग सेक्टर की मैन्युफैक्चरिंग कंपनी बिहारी लाल इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयरों की बुधवार को मार्केट में धमाकेदार लिस्टिंग हुई है। 12 से 14 अगस्त 2026 तक खुले बिहारी लाल इंजीनियरिंग आईपीओ को कुल 108 गुना से अधिक सब्सक्राइब किया गया था। अब स्टॉक एक्सचेंज पर 63 फीसदी की इसकी लिस्टिंग ने इसके निवेशकों को मालामाल कर दिया है। बुधवार को लिस्ट होने के साथ ही बिहारी लाल इंजीनियरिंग शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई पर 458 रुपये और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी एनएसई पर 465 रुपये प्रति शेयर पर खुला। इसका इश्यू प्राइस 285 रुपये था।

301.62 करोड़ रुपये का आईपीओ: बिहारी लाल इंजीनियरिंग आईपीओ की बात करें तो यह मेनबोर्ड का आईपीओ था, जिसके शेयर अब मार्केट में लिस्ट हो चुके हैं। इस आईपीओ को सब्सक्राइब करने के लिए समयसीमा 12 अगस्त से 14 अगस्त 2026 थी। इसका प्राइस बैंड 271 रुपये से 285 रुपये प्रति शेयर था। इसका इश्यू प्राइस 285 रुपये था। बिहारी लाल इंजीनियरिंग आईपीओ के एक लॉट में 52 शेयर थे। आईपीओ का बुक बिल्ट इश्यू 301.62 करोड़ रुपये का था। इसमें 93 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू और करीब 209 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल शामिल था।

108.44 गुना हुआ था सब्सक्राइब

12 से 14 अगस्त तक खुले इस आईपीओ को निवेशकों का शानदार समर्थन मिला। इसे कुल 108.44 गुना सब्सक्राइब किया गया था। कैटेगरी के अनुसार बात करें तो रिटेल में 53.27 गुना, क्यूआईबी में 165.33 गुना और एनआईआई कैटेगरी में 165.32 गुना सब्सक्रिप्शन रहा।

बिहारी लाल इंजीनियरिंग शेयर प्राइस: बिहारी लाल इंजीनियरिंग शेयर प्राइस की बात करें तो 11 बजकर 11 मिनट पर इसमें 9.98 फीसदी की तेजी दिखी। यह हरे निशान में 504.70 के लेवल पर कारोबार कर रहा था। इसका अभी तक का हाई 528.70 रुपये और लो 458.00 रुपये रहा। कंपनी का मार्केट कैप 2,153.20 करोड़ रुपये का है।

यूट्यूब से सीखकर रील्स के जरिये प्रमोशन, 1 साल में कमा डाले 2 करोड़, जीरो से बन गए हीरो

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी दो दोस्तों की है। इनके नाम हैं कुशल रेड्डी और चहक जैन। वे बेंगलुरु के रहने वाले हैं। क्लाउड किचन में शुरुआती फेलियर और नुकसान झेलने के बाद इन्होंने जीरो से हीरो बनने का सफर तय किया है। हार मानने के बजाय दोनों ने अपने बिजनेस मॉडल को बदला। फूड ट्रक शुरू किया। इस काम में यूट्यूब और रील्स उनके बहुत काम आए। सितंबर 2025 से जुलाई 2026 के बीच इस जोड़ी ने 2 करोड़ रुपये का भारी-भरकम रेवेन्यू हासिल करके दिखाया। आइए, यहां कुशल रेड्डी और चहक जैन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

कुशल बेंगलुरु के रहने वाले हैं। पहले वह प्रोफेशनल रहे हैं। वहीं, चहक जयपुर से बेंगलुरु शिफ्ट हुई हैं। वह इंटरैक्शन डिजाइन में ग्रेजुएट हैं। दोनों की मुलाकात 2023-24 में हुई। मार्केट में अच्छे और फ्रेश फ्राइड फूड की कमी देखकर कुशल ने घर की रसोई में यूट्यूब से सीखकर रेसिपी पर काम करना शुरू किया। शाकाहारी होने के बावजूद चहक ने कुशल के आइडिया पर भरोसा जताया। नवंबर 2024 में 4 लाख रुपये लगाकर उन्होंने एक क्लाउड किचन खोला। हालांकि, जोमैटो-स्विगी जैसे डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स के भारी कमीशन (30-32त्न), विज्ञापन खर्च और कम ऑर्डर्स की वजह से यह बिजनेस पूरी तरह नुकसान में चला गया।

रील्स ने कर दिया कमाल

सितंबर 2025 में जब जेपी नगर में कुशल और चहक का पहला फूड ट्रक लॉन्च हुआ तो पहले ही दिन 100 से ज्यादा लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। शुरुआती तीन दिनों में 30,000 रुपये की बिक्री हुई।

बिजनेस मॉडल बदला

आर्थिक नुकसान के बावजूद दोनों ने उम्मीद नहीं खोई। क्लाउड किचन की जगह फूड ट्रक मॉडल अपनाने का फैसला किया। इसके लिए उन्होंने अपने माता-पिता से उधार लिए। केरल से टाटा विंगर ट्रक खरीदा। तमिलनाडु के इरोड में इसे किचन के रूप में तैयार कराया। जब ट्रक तैयार हो रहा था, तब कुशल और चहक ने इंस्टाग्राम रील्स पर बेंगलुरु में फूड ट्रक कैसे शुरू करें सीरीज बनाकर अपनी यात्रा को शेयर करना शुरू किया। उनकी रील्स वायरल हो गईं। फूड ट्रक लॉन्च होने से पहले ही इंस्टाग्राम पर उनके 5,000 से अधिक फॉलोअर्स जुड़ गए।

ओडिशा में 3.6 गीगावॉट का सोलर सेल प्लांट लगाएगी सात्विक सोलर, सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली एजेंसी। सात्विक सोलर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने ओडिशा के गंजाम जिले के गोपालपुर में 3.6 गीगावॉट की सोलर सेल विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए ओडिशा सरकार के औद्योगिक संवर्धन एवं निवेश निगम (इंडस्ट्रियल प्रमोशन एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन ऑफ ओडिशा लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह प्रस्तावित संयंत्र ओडिशा में कंपनी की विनिर्माण क्षमताओं को और आगे बढ़ाने तथा राज्य के स्वच्छ ऊर्जा विनिर्माण तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। इस परियोजना से स्थानीय स्तर पर रोजगार पैदा होने और क्षेत्र के औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

यह नया संयंत्र गोपालपुर में सात्विक सोलर के एकीकृत विनिर्माण विकास का हिस्सा होगा, जहाँ कंपनी के फेज-ढ्ढ प्लांट का काम पहले से ही तेजी से चल रहा है। फेज-ढ्ढ ने निर्माण और उपकरण लगाने से जुड़े प्रमुख पड़ावों को पूरा कर लिया है और अब यह शुरू (कमीशन) होने की दिशा में बढ़ रहा है। टूल्स और मशीनों की स्थापना का काम पूरा होने वाला है तथा उत्पादन की प्रक्रिया जल्द ही शुरू कर दी जाएगी।

गोपालपुर में सात्विक सोलर के फेज-ढ्ढ संयंत्र में काफी प्रगति हुई है। यहाँ मुख्य बुनियादी ढांचे और निर्माण का काम पूरा हो चुका है, जबकि उपकरणों को लगाने और उनकी जांच (टेस्टिंग) का काम अंतिम चरण में है। कंपनी ने बिजली आपूर्ति से जुड़े महत्वपूर्ण पड़ाव को भी हासिल कर लिया है, जिसके तहत विशेष रूप से तैयार 220 केवी का सबस्टेशन चालू होने के लिए पूरी तरह तैयार है। विनिर्माण लाइनें अपने अंतिम परीक्षण, सत्यापन और संचालन की तैयारियों के दौर से गुजर रही हैं। सेल लाइन से उत्पादन जल्द शुरू होने की राह पर है। इस उपलब्धि पर बोलते हुए, सात्विक ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के सीईओ श्री प्रशांत माथुर ने कहा- ओडिशा सात्विक के लिए सिर्फ विनिर्माण से जुड़ा एक पड़ाव नहीं है, बल्कि यह हमारी महत्वाकांक्षा को दर्शाता है। हमारी 2.4 गीगावॉट सेल और 4 गीगावॉट मॉड्यूल विनिर्माण लाइनें उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

क्रोमा का नया कैंपेन 'घर बनता है क्रोमा से': मकान को 'घर' बनाने वाले खूबसूरत पलों का जश्न

मुंबई, एजेंसी। टाटा समूह के एक ब्रांड और भारत के विश्वसनीय ओम्नी-चैनल इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर, क्रोमा ने भारतीय परिवारों के साथ अपने जुड़ाव का जश्न मनाते हुए 'घर बनता है क्रोमा से' अभियान की शुरुआत की है। यह अभियान उन रिश्तों, बातों और यादों को समर्पित है जो एक मकान को घर में बदल देते हैं।

आधुनिक भारतीय घर तेजी से बदल रहे हैं, जहाँ अब इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू उपकरण कोई विलासिता की चीज़ें नहीं रह गए हैं; बल्कि वे लाइफस्टाइल, आराम और सुविधा को तय करने वाली जरूरी जरूरतें बन चुके हैं। इसी बदलाव को आधार बनाकर, यह अभियान दिखाता है कि क्रोमा सिर्फ सामान बेचने वाला रिटेलर नहीं है, बल्कि एक भरोसेमंद सलाहकार है जो जीवन के महत्वपूर्ण पलों में परिवारों का मार्गदर्शन करता है। क्रोमा के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, अमित अगरवाल ने कहा, अपनी 20 साल की यात्रा के दौरान, क्रोमा को लाखों भारतीय घरों में पहुँचने का सौभाग्य मिला है। हमने करीब से देखा है कि तकनीक किस तरह पारिवारिक जीवन के ताने-बाने में रच-बस गई है। हर पहला मकान, हर त्योहार और परिवार के साथ बिताया हर पल एक कहानी कहता है। क्रोमा में हमारा मुख्य उद्देश्य ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स खरीदना और उसका इस्तेमाल आसान बनाना है, जो हमारे हर काम के केंद्र में है। हमारा मिशन ग्राहकों को उनकी ज़रूरतों के हिसाब से सबसे बेहतरीन और जीवन को बेहतर बनाने वाली आधुनिक तकनीक चुनने में मदद करके उनके चेहरों पर खुशी लाना है। 'घर बनता है क्रोमा से' अभियान इन्हीं कहानियों और उस खास भूमिका के प्रति हमारा सम्मान है, जो हमें ग्राहकों को आराम, जुड़ाव और खूबसूरत यादों से भरा घर बनाने में मदद करने के लिए मिली है। यह अभियान ग्राहकों को उनके सपनों का घर बनाने में मदद करने और एक भरोसेमंद पार्टनर के रूप में क्रोमा की स्थिति को और मजबूत करने का एक नया वादा है।

संक्षिप्त समाचार

जब गोल्ड जीतने पर राष्ट्रगान बजा, वह पल शानदार था

- एरोबिक जिम्नास्टिक्स में इतिहास रचने के बाद अरिहा ने साझा किए अनुभव

मुंबई, एजेंसी। भारतीय एयरोबिक जिम्नास्ट अरिहा पंगमबम ने कुछ हफ्तों पहले एशियन एयरोबिक जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता था, जिसके साथ वह एशियन चैंपियनशिप में सीनियर महिला व्यक्तिगत श्रेणी में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। फिलीपींस में हुए फाइनल में उन्होंने 19.100 अंक हासिल किए, जिसमें आर्टिस्ट्री (कलात्मकता) में 8.650, एग्जीक्यूशन (प्रदर्शन) में 7.600 और डिफिकल्टी (कठिनाई) में 2.850 अंक शामिल थे। इस उपलब्धि के बाद अरिहा ने कहा, जब मुझे यह गोल्ड मेडल मिला, तो वह पल बहुत शानदार था। मैं इसे शब्दों में बयां भी नहीं कर सकती। जब मैंने पोडियम पर अपने देश का राष्ट्रगान बजते हुए सुना, तो उस पल मुझे गर्व भी महसूस हुआ क्योंकि मैं कुछ हासिल कर पाई थी, सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि पूरे भारत के लिए। वह बहुत शानदार अनुभव था और मैं उस समय बहुत खुश थी।

22 वर्षीय जिम्नास्ट ने कहा, हम डबल फ्लेक्स फ्लोर, यानी लकड़ी का फ्लोर इस्तेमाल करते हैं। भारत में उत्तराखंड में एक फ्लोर है जो हमें नेशनल गेम्स के दौरान मिला था, लेकिन दुर्भाग्य से, न सिर्फ मैं, बल्कि पूरे भारत के ज्यादातर जिम्नास्ट उस पर ट्रेनिंग भी नहीं कर पाए। हम आमतौर पर रबड़ इंटरलॉकिंग मैट पर ट्रेनिंग करते हैं, इसलिए सिर्फ एक दिन में तालमेल बिठाना हमारे लिए बहुत मुश्किल होता है। प्रतियोगिता से पहले हमें खुद को ढालने के लिए एक दिन की पोडियम ट्रेनिंग दी जाती है, इसलिए हममें से ज्यादातर जिम्नास्ट को मुश्किल होती है, क्योंकि हमें उस फ्लोर पर कभी ठीक से ट्रेनिंग करने का मौका नहीं मिला। यही वह मुश्किल थी जिसका हमने सामना किया।

World Championship

बिना मैच खेले ही प्री क्वार्टरफाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग

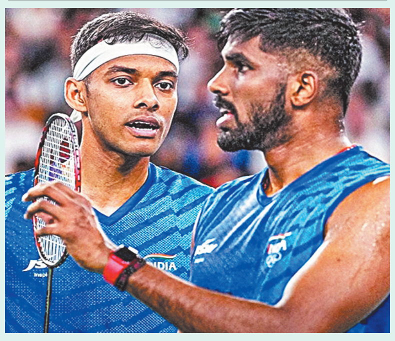

नई दिल्ली, एजेंसी। सात्विक-चिराग की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। दिलचस्प बात यह है कि इस भारतीय जोड़ी ने अब तक टूर्नामेंट में अपना अभियान शुरू नहीं किया है। सात्विक साईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। सात्विक-चिराग को शुरुआती मैच में वॉकओवर मिला था।

पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी विश्व चैंपियनशिप में दो कांस्य पदक जीत चुकी है। पहले दौर में बाई मिलने के बाद सात्विक-चिराग को दूसरे दौर में स्कॉटलैंड के एलेक्सजेंडर डुन और एडम प्रिंजल का सामना करना था। हालांकि, स्कॉटलैंड की जोड़ी आखिरी मिनटों में हट गई जिससे सात्विक-चिराग बिना मैच खेले ही राउंड ऑफ 16 में पहुंच गए।

मानव सुथार-पडिकल बने जीत के हीरो

इंडिया-श्रीलंका टेस्ट

सीरीज में 1-0 की बढ़त

गॉल में टीम इंडिया की महाजीत

- भारत 600वें टेस्ट में जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने श्रीलंका को 165 रन से हराकर अपना 600वां टेस्ट जीत लिया है। गॉल में 372 रन के टारगेट का पीछा कर रही श्रीलंकाई टीम दूसरी पारी में 206 रन पर ऑलआउट हो गई। पहले टेस्ट में भारत की जीत के हीरो मानव सुथार रहे। उन्होंने मैच में 10 विकेट लिए। राजस्थान के सुथार ने दूसरी पारी में 6 विकेट लिए। उन्होंने एक ही ओवर में 3 विकेट लेकर श्रीलंका की पारी समेट दी। पहले उन्होंने सोनल दिनूषा को 84 रन पर आउट किया, फिर प्रभात जयसूर्या को पहली गेंद पर बोल्ड किया और अगली गेंद पर लहिरू कुमारा को ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे। देवदत्त पडिक्कल ने 167 रन की पारी खेली। जवाब में श्रीलंका 284 रन पर ऑलआउट हुआ। भारत ने दूसरी पारी में 193 रन बनाए और श्रीलंका को 372 रन का टारगेट दिया। भारत ने गॉल टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से हराकर मैच अपने नाम कर लिया। श्रीलंका की दूसरी पारी 77.4 ओवर में 206 रन पर सिमट गई। मानव सुथार ने केशरा नुवान्था को बोल्ड कर श्रीलंका की पारी खत्म की और मैच में 10 विकेट पूरे किए।

- श्रीलंका 165 रन से हारा
- मानव सुथार ने मैच में 10 विकेट लिए
- देवदत्त पडिक्कल का शतक

सुथार ने एक ओवर में 3 विकेट लिए

मानव सुथार ने श्रीलंका की दूसरी पारी के 75वें ओवर में 3 विकेट लेकर मैच का रुख भारत के पक्ष में कर दिया। उन्होंने पहले सोनल दिनूषा को 84 रन पर आउट किया। इसके बाद सुथार ने प्रभात जयसूर्या को पहली ही गेंद पर बोल्ड किया और अगली गेंद पर लाहिरू कुमारा को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। यह टेस्ट में सुथार का लगातार दूसरे मैच में दूसरा 5 विकेट हॉल है।

Football

क्या 2026 विश्व कप की सनसनी केप वर्डे से भिड़ेगी भारतीय टीम?

सितंबर-अक्तूबर में दौरा प्रस्तावित

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत सितंबर-अक्तूबर के बीच केप वर्डे की मेजबानी कर सकता है, दोनों टीमों के बीच दोस्ताना मुकाबले की बातचीत जारी है। केप वर्डे ने 2026 फीफा विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार नॉकआउट दौर में जगह बनाई थी। भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों के लिए आने वाले महीनों में एक और बड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। सूत्रों के मुताबिक, भारत सितंबर के अंत से अक्तूबर की शुरुआत के बीच हाल में 2026 फीफा विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाली केप वर्डे की मेजबानी कर सकता है। प्रस्तावित मुकाबला 30 सितंबर से 6 अक्तूबर के बीच खेले जाने की संभावना है। हालांकि, मैच की तारीख और आयोजन स्थल को लेकर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। 'बातचीत जारी है, लेकिन अभी इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। हालांकि, इस बात की काफी संभावना है कि भारत 30 सितंबर से 6 अक्तूबर के बीच केप वर्डे की मेजबानी करेगा।'

सूत्र ने कहा, 'मैच का आयोजन स्थल और तारीख आधिकारिक तौर पर फैसला होने के बाद तय किए जाएंगे। इससे जुड़ी प्रक्रियाएं और विचार-विमर्श जारी हैं। उम्मीद है कि जल्द ही इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा।'

'विराट बस एक फोन कॉल दूर हैं'

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स ने विराट कोहली के साथ बिताए समय और उनसे मिली सीख को लेकर बड़ा खुलासा किया है. कॉक्स ने बताया कि कोहली उनके लिए सिर्फ एक महान क्रिकेटर नहीं, बल्कि एक मेंटर की तरह रहे हैं. जब भी उन्हें किसी सलाह या मदद की जरूरत होती है, विराट हमेशा फोन के दूसरी तरफ मौजूद रहते हैं. जॉर्डन कॉक्स आईपीएल में आरसीबी टीम का हिस्सा हैं. कॉक्स ने बताया कि उन्होंने विराट कोहली के साथ करीब चार महीने भारत में बिताए.

इस दौरान वह कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने और उनके अनुभव से सीखने में सक्षम रहे. हालांकि कॉक्स ने दोनों के बीच हुई हर बातचीत का खुलासा नहीं किया, लेकिन डेब्यू से पहले कोहली की दी गई सलाह को उन्होंने बेहद खास बताया।

दिल्ली प्रीमियर लीग:

सार्थक नंबर 1

यस ढुल को छोड़ा पीछे, दिल्ली प्रीमियर लीग में छठा पचासा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में सांसद पप्पू यादव के क्रिकेटर बेटे सार्थक रंजन का तूफान जारी है। इस लीग के अपने 7वें मैच में सार्थक ने छठी बार अर्धशतक ठोका है। वहीं वह यश ढुल को पीछे छोड़ते हुए टूर्नामेंट के नंबर 1 बल्लेबाज बन गए हैं। आईपीएल 2026 में केकेआर के स्क्वाड का हिस्सा रहे सार्थक रंजन को एक भी मैच में जगह नहीं मिली थी।

अब इस फॉर्म से उन्होंने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। सार्थक ने पुरानी दिल्ली के खिलाफ 32वें मैच में 51 गेंद पर 78 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 5 छक्के शामिल थे। उनकी शानदार पारी के बावजूद उनकी टीम नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को जीत नहीं मिल पाई। इस मैच में 20 रन से जीत के साथ पुरानी दिल्ली 6 ने अंकतालिका में दूसरे स्थान पर जगह बना ली। सार्थक रंजन ने 100, 64, 95, 65, 57, 59, 10, 78 की पारियां अब तक खेली हैं। वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में पहले से ही प्लेऑफ में पहुंच चुकी सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स को 30 रन से मात दी। इस मुकाबले में सेंट्रल दिल्ली के दोनों इन फॉर्म ओपनर्स सिद्धार्थ जून और यश ढुल खाता भी नहीं खोल सके।

सिनसिनाटी ओपन:

सबालेंका, एंड्रीवा, और गॉफ ने चौथे राउंड में जगह बनाई

सिनसिनाटी, एजेंसी। आर्यना सबालेंका ने सिनसिनाटी ओपन के चौथे राउंड में जगह बना ली है। सबालेंका ने 54 मिनट तक चले मुकाबले में सबालेंका ने वांग शिन्यु को 6-1, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ, सबालेंका अब अपने करियर में 45 डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में राउंड ऑफ 16 में पहुंच गई हैं। उनकी इस जीत ने सिनसिनाटी में जीत के मामले में उन्हें सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे आगे कर दिया है। सबालेंका के नाम अब डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में 50 करियर जीत है। सबालेंका 2009 में इस फॉर्मेट के शुरू होने के बाद से ऐसा करने वाली सेरेना विलियम्स (104) और इगा स्वियाटेक (58) के बाद तीसरी खिलाड़ी हैं।

इस बीच, नंबर 5 सीड मीरा एंड्रीव नंबर 32 सीड जेनिस त्जेन को हराकर चौथे राउंड में पहुंच गईं। एंड्रीव ने 1 घंटे 42 मिनट तक चले इस मैच में 6-1, 7-6(5) से जीत दर्ज की। एंड्रीवा, जो 2024 में टूर्नामेंट में अपनी पिछली एकमात्र उपस्थिति में सिनसिनाटी में क्वार्टर फाइनलिस्ट थीं, ने जून में रोलैंड गैरोस में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद पहली बार लगातार मैच जीते हैं।

अब उनका सामना इस साल चौथी बार नंबर 10 सीड मार्टा कोस्त्युक से होगा। कोस्त्युक उनके हेड-टू-हेड में 2-1 से आगे हैं, हालांकि पिछली मुलाकात में एंड्रीवा ने रोलैंड गैरोस सेमीफाइनल में कोस्त्युक को हराया था। 2023 की चैंपियन कोको गॉफ ने भी साथी अमेरिकन एन ली पर 6-1, 7-6 (3) से जीत हासिल करके 2026 सिनसिनाटी ओपन के चौथे राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली।

गॉफ अब अपने करियर के 36वें डब्ल्यूटीए 1000 चौथे राउंड में हैं, जिसमें इस सीजन के छह शामिल हैं। सिनसिनाटी एकल में हिस्सा लेने वाले सक्रिय खिलाड़ियों में सिर्फ एरिना सबालेंका (44), कैरोलिन प्लिसकोवा (44), एलिना स्वितोलिना (43), इगा स्वियाटेक (38) और जेसिका पेगुला (38) के नाम उनसे ज्यादा हैं।

शाहीन शाह अफरीदी ने वनडे में पहली बार झटके 7 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की टेस्ट टीम तो इंग्लैंड के दौरे पर है. मगर उस टीम से बाहर चल रहे शाहीन शाह अफरीदी के पुराने तेवर लगता है व्हाइट बॉल क्रिकेट में लौट चुके हैं. ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि पाकिस्तान के घरेलू वनडे टूर्नामेंट में जब मैटर सबसे बड़ा दिखा, तो शाहीन वहां शहंशाह की तरह अपनी टीम के लिए खड़े दिखे. उन्होंने नेशनल चैंपियंस कप के फाइनल में ना सिर्फ हैट्रिक ली है, बल्कि गेंद से ऐसी आग बरसाई कि वनडे करियर का बेस्ट प्रदर्शन ही कर डाला. नतीजा, ये हुआ कि उनकी टीम टूर्नामेंट की चैंपियन बन गई.

शाहीन अफरीदी ने टीम को फ्रंट से किया लीड

नेशनल चैंपियंस कप 2026 के फाइनल में पाकिस्तान गोल्ड और पाकिस्तान ग्रीन की टीमें आमने-सामने थी. इस मुकाबले में शाहीन अफरीदी पाकिस्तान गोल्ड के कप्तान थे.उनकी टीम ने पहले बैटिंग की और 50 ओवर में 340 रन बनाए. मतलब बल्लेबाजों ने अपना काम कर दिया था. अब बारी गेंदबाजों की थी. स्ट्राइक गेंदबाज होने के नाते कप्तान शाहीन शाह अफरीदी ने इस काम में अपनी टीम पाकिस्तान गोल्ड को फ्रंट से लीड किया.

शाहीन ने गेंद से उगली आग!

पाकिस्तान ग्रीन के सामने पहले से ही 341 रन जैसा बड़ा लक्ष्य था. मगर उसे और भी विकराल बना दिया शाहीन शाह अफरीदी की आग उगलती और विरोधी बल्लेबाजों से सवाल पूछती शाहीन की गेंदों ने. पाकिस्तान ग्रीन के बल्लेबाजों के पास शाहीन की गेंदों का कोई जवाब नहीं था. ऐसे में वो बस एक-एक दम उनके आगे दम तोड़ते दिखे.

टीम को बनाया चैंपियन

शाहीन अफ्रीदी की हैट्रिक

शाहीन अफरीदी की हैट्रिक में पाकिस्तान ग्रीन के जो बल्लेबाज फंसे, उनमें मेहरान मुमताज, सलमान मिर्जा और मोहम्मद हसनेन का विकेट शामिल रहा. शाहीन के इस हैट्रिक के साथ ही पाकिस्तान ग्रीन की पारी का भी अंत हो गया.

टीम को चैंपियन बनाकर हीरो बने शाहीन अफरीदी

शाहीन शाह अफरीदी ने नेशनल चैंपियंस कप के फाइनल में अपने वनडे यानी लिस्ट ए करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 8.3 ओवर में 36 रन देकर कुल 7 विकेट लिए और अपनी टीम पाकिस्तान गोल्ड को चैंपियन बनाया. 341 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ग्रीन पूरे 50 ओवर भी बैटिंग नहीं कर सकी और 37.3 ओवर में सिर्फ 239 रन पर ऑल आउट हो गई. इस तरह पाकिस्तान गोल्ड ने फाइनल मुकाबला 101 रन के बड़े अंतर से जीत लिया, जिसके हीरो खुद उसके कप्तान शाहीन शाह अफरीदी बने.

पहले 6 ओवर में 3 विकेट, फिर अगली 15 गेंदों में 4 विकेट

शाहीन अफरीदी ने नेशनल चैंपियंस कप के फाइनल में डाले अपने पहले 6 ओवर में 29 रन देकर 3 विकेट लिए. लेकिन, इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान ग्रीन का और बुरा हाल किया. वो और भी ज्यादा मानो खतरनाक हो गए. उन्होंने अगली 15 गेंदों पर 7 रन देकर 4 और विकेट लिए, जिसमें हैट्रिक भी शामिल रही.

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, गुरूवार, 20 अगस्त, 2026

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com
@Pratahkiran
epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

आस्था और जुगाड़ का मिलन: आखिर एम-सील बना कांवड़ यात्रा 2026 का एक गुमनाम हीरो?

मुंबई, एजेंसी। जैसे ही ऐतिहासिक कांवड़ यात्रा 2026 रिकॉर्ड तोड़ 4.8 करोड़ कांवड़ियों द्वारा

अपनी पवित्र तीर्थयात्रा को सफलतापूर्वक पूरा करने के साथ संपन्न हुई, एक अप्रत्याशित घरेलू चीज़ इस सीज़न के गुमनाम हीरो के रूप में उभरी है- एम-सील। हालांकि यह वार्षिक यात्रा मुख्य रूप से अटूट आध्यात्मिक भक्ति द्वारा संचालित होती है, लेकिन ज़मीन पर इसकी लॉजिस्टिक (प्रबंधन) सफलता पारंपरिक भारतीय जुगाड़ को एक बहुत बड़ा श्रेय देती है। कांवड़ यात्रा में कांवड़िये, गंगा नदी (आमतौर पर हरिद्वार, गौमुख या सुल्तानगंज में) से पवित्र जल एकत्र करते हैं और इसे अपने स्थानीय मंदिरों में भगवान शिव को अर्पित करते हैं। इस तीर्थयात्रा के नियम बहुत सख्त हैं—पवित्र जल के पात्र (बर्तन) को कभी भी ज़मीन को नहीं छूना चाहिए, और एक बूंद भी पानी नहीं छलकना चाहिए। कांवड़िये अपने दोस्तों के साथ भगवान में अपनी अटूट आस्था के साथ-साथ उबड़-खाबड़ रास्तों और मानसून के कठिन मौसम में रिसाव-मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने के लिए एम-सील की सीलिंग शक्ति पर अपना अपार भरोसा जताया है।

हैदराबाद में 36 टन मिलावटी घी जब्त, खाद्य सुरक्षा विभाग ने चलाया विशेष अभियान

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद में 36 टन मिलावटी घी जब्त किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर, हैदराबाद खाद्य मिलावट निगरानी टीम ने खाद्य सुरक्षा विभाग के साथ मिलकर विशेष अभियान चलाया। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने बताया कि टीमों ने निरीक्षण के दौरान पता लगाया कि नकली, निम्न गुणवत्ता की सामग्री और खतरनाक, अवैध रासायनिक पदार्थों से सिंथेटिक घी बनाया जा रहा था। इस दौरान टीम ने 36 टन मिलावटी घी, क्रीम (कच्चा माल), पाम आयल, वनस्पति, नकली घी के फ्लेवर, स्टार्च, केमिकल जब्त किए। विस्तृत प्रयोगशाला विश्लेषण के लिए मौके पर ही नमूने एकत्र किए। मिलावटी घी शुद्ध देसी घी के नाम पर उपभोक्ताओं को बेचा जा रहा था।

ग्रेटर नोएडा में 12 करोड़ से बढ़ेगी हरियाली, पार्कों और ग्रीन बेल्ट के रखरखाव पर फोकस

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण शहर को हरा-भरा और सुंदर बनाने के लिए बड़ा अभियान चलाने जा रहा है। इस पर करीब 12 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होने का अनुमान है। प्राधिकरण ने सेक्टर चाई-5, ओमिक्रान-एक ए, केपी-2, केपी-3, ओमिक्रान-3, चाई-3, ज्यू-एक, स्वर्ण नगरी और ईकोटेक-एक समेत 9 सेक्टरों में पार्कों, ग्रीन बेल्ट, सेंट्रल वर्ज और सड़कों के किनारे हरियाली के विकास व रख रखाव के लिए करोड़ों रुपये के टेंडर जारी किए हैं। सेक्टर चाई-5 की 6 लेन सड़क के सेंट्रल वर्ज और हरित पट्टी के विकास व एक साल तक के रख रखाव पर 70.21 लाख रुपये खर्च होंगे। वहीं ओमिक्रान-एक ए, ज्यू-3, साइट-5 और ओमीक्रान-एक ए बैक साइड के सेंट्रल वर्ज में पौधारोपण और दो साल तक रख रखाव के लिए 1.09 करोड़ रुपये का खर्च किए जाएंगे। में दो साल तक के रख रखाव पर 1.24 करोड़ खर्च किए जाएंगे।

सिटिंग-गेटिंग फॉर्मूले से मौजूदा विधायकों को मिला मौका, उत्तराखंड में भाजपा समन्वय से साधेगी हैट्रिक के समीकरण

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में सरकार और संगठन के साथ निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय के रथ पर सवार होकर भाजपा अगले विधानसभा चुनाव में दमदार तरीके से खम ठोकने जा रही है। तालमेल के साथ होने वाले इस शक्ति प्रदर्शन में लोकसभा के पांच और राज्यसभा के तीन सदस्यों यानी सभी आठ सांसदों की भूमिका योगक्षेम की रहने वाली है। यानी, विधानसभा सीटों की मौजूदा संख्या को सुरक्षित रखने के साथ उसमें वृद्धि करने में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। वहीं, सिटिंग-गेटिंग के फार्मूले पर ही आगे बढ़ने के संकेत देकर पार्टी ने वर्तमान 47 विधायकों को राहत दे दी है। इससे उन विधायकों को भी संभलने का मौका मिला है, पार्टी के सर्वे में जिनकी स्थिति नाजुक आंकी गई है।

उत्तराखंड में लगातार तीसरे विधानसभा चुनाव में हैटट्रिक के समीकरण साधने के लिए त्रिस्तरीय समन्वय भाजपा की रणनीति का खास हिस्सा बन गया है। इसे मजबूत किलेबंदी के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा प्रदेश कोर कमेटी की हाल ही में दिल्ली में हुई बैठक में मंथन के बाद निर्णय किया गया कि सरकार,

संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच तालमेल व भरोसे को मजबूत करने के साथ विपक्ष के नैरेटिव को ध्वस्त किया जाएगा। ये निर्णय अब जमीन पर उतरने लगे हैं। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के इन दिनों भाजपा के भीतर गुटीय खींचतान को लेकर नैरेटिव बनाने के प्रयासों को देखते हुए सत्ताधारी दल सतर्क हुई है। अगले विधानसभा चुनाव के नेतृत्वकर्ता के रूप में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लोकसभा क्षेत्रवार सांसदों, विधायकों और जिलाध्यक्षों की लगातार बैठकें ले रहे हैं। मंडल स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन के ठीक बाद इन बैठकों का क्रम आरंभ हो चुका है, ताकि विधानसभा चुनाव में लगने जा रही भाजपा की ताकत में बिखराव न होने पाए। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में सत्ताधारी दल के सांसद अलग-थलग नहीं दिखेंगे। उनकी सक्रिय भूमिका का ताना-बाना बुना गया है।

1600 घर खरीदारों के लिए गुड न्यूज, 19 साल से अटके अंसल प्रोजेक्ट को लेकर आई राहत भरी खबर

गाजियाबाद, एजेंसी। करीब 19 साल से अपने आशियाने का इंतजार कर रहे अंसल हाउसिंग प्रोजेक्ट के करीब 1,600 खरीदारों की उम्मीदों को अब सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद राहत की उम्मीद नजर आ रही है। अदालत की सख्ती के बाद उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव पी गुरुप्रसाद ने जीडीए अधिकारियों के साथ अंसल प्रोजेक्ट की साइट का निरीक्षण किया। परियोजना की मौजूदा स्थिति, निर्माण में आ रही अड़चनों और लंबित स्वीकृतियों की जानकारी ली और घर खरीदारों से भी बातचीत करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं। सुप्रीम कोर्ट ने जुलाई में मामले की सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार और प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने कहा था कि करीब 1,600 खरीदार 19 वर्षों से अपने फ्लैट की प्रतीक्षा कर रहे हैं। अदालत ने राज्य सरकार और जीडीए को संयुक्त रूप से बैठक कर डेवलपमेंट लाइसेंस के नवीनीकरण और संशोधित भवन नक्शों की मंजूरी पर जल्द निर्णय लेने के निर्देश दिए थे। साथ ही निर्णय की जानकारी अदालत के समक्ष रखने को कहा था। इसी क्रम में प्रमुख सचिव का साइट निरीक्षण महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

शिमला में भारी बारिश और भूस्खलन ने किया बेहाल: चार भवनों पर मंडराया खतरा, गाड़िया क्षतिग्रस्त

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में रात से लगातार बारिश का दौर जारी है। शिमला में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण अपर लंबिधार-इंद्रनगर एंबुलेंस रोड पूरी तरह से बंद हो गया है। लैंडस्लाइड की चपेट में एक वाहन भी आया है। सड़क बंद होने से स्कूल और कार्यालय जाने वाले लोगों को सुबह भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, लैंडस्लाइड से ऊपर की तरफ बने चार घरों पर भी खतरा मंडरा रहा है। भट्ठाकुफर में भूस्खलन के कारण दो गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं। मंगलवार से हो रही भारी बारिश के कारण शिमला के अपर लंबिधार-इंदर नगर एंबुलेंस रोड पर अचानक लैंडस्लाइड हो गया। पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा सड़क पर आ जाने के कारण यहां वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई। लैंडस्लाइड की चपेट में एक वाहन भी आ गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक लैंडस्लाइड के कारण सड़क के ऊपर बने चार घरों को भी खतरा पैदा हो गया है। ऐसे में अगर जल्द सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए गए तो बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो सकती है। रामनगर वेलफेयर सोसाइटी, लंबिधार-इंदर नगर की ओर से पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री अनिरुद्ध सिंह, नगर निगम शिमला के महापौर सुरेंद्र चौहान और नगर निगम आयुक्त से सड़क से मलबा जल्द हटाने की मांग की गई है। साथ ही

लैंडस्लाइड वाले स्थान पर जल्द रिटेनिंग वॉल यानी सुरक्षा दीवार लगाने का आग्रह किया गया है, ताकि ऊपर बने घरों को सुरक्षित किया जा सके। शिमला में दो दिन से लगातार हो रही वर्षा के बाद छोटा शिमला, समरहिल समेत अन्य क्षेत्रों में छह पेड़ गिरे हैं। पेड़ गिरने से कहीं वाहन इसकी चपेट में आए तो कहीं भवनों को खतरा पैदा हो गया। वर्षा के कारण जमीन में नमी बढ़ने से पेड़ों के गिरने का खतरा भी बढ़ गया है। राज्य सचिवालय में एक पेड़ गिरा है और दूसरा पेड़ गिरने के कगार पर है। इसे गिराने का काम चला है। छोटा शिमला क्षेत्र में एक पेड़ गिरने से सड़क किनारे खड़ा वाहन चपेट में आ गया। इससे वाहन को नुकसान पहुंचा।

हमारा एक्शन सही था, बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश से हैरान तुकाराम मुंडे; एफडीए पर लगा था 5 लाख का जुर्माना

मुंबई, एजेंसी। पुणे की एक मिठाई दुकान के लाइसेंस सस्पेंशन को लेकर बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा महाराष्ट्र फ़ूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाने के बाद विभाग में हलचल तेज हो गई है। इस पूरे घटनाक्रम पर

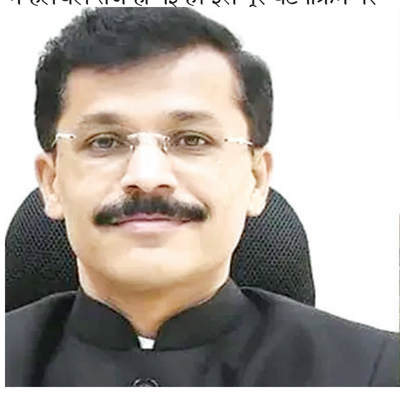

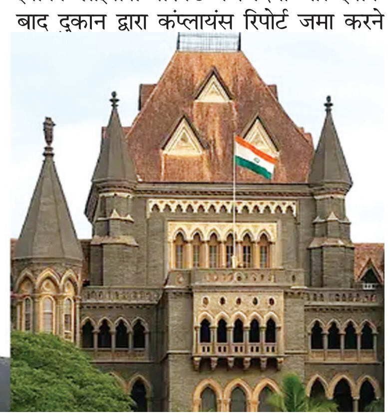

महाराष्ट्र कमिश्नर तुकाराम मुंडे ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हाई कोर्ट का यह आदेश उनके लिए हैरान करने वाला है, लेकिन विभाग अपनी कार्रवाई पर पूरी तरह कायम है और आदेश की लिखित कॉपी मिलने के बाद इसके खिलाफ आगे कानूनी विकल्प अपनाएगा। मामले की शुरुआत 12 जून को हुई, जब एफडीए की टीम ने पुणे की एक मिठाई दुकान का निरीक्षण किया और स्वच्छता व हाइजीन में भारी कमियां पाते हुए इसका लाइसेंस सस्पेंड कर दिया था। इसके बाद दुकान द्वारा कंप्लायंस रिपोर्ट जमा करने पर 13 जुलाई को दोबारा जांच की गई, जिसमें 98 प्रतिशत नियमों का पालन (36 में से 35 पैरामीटर सही) पाया गया। इसके बावजूद लाइसेंस सस्पेंशन जारी रहने पर बॉम्बे हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया। अदालत ने विभाग की इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए सस्पेंशन को रद कर दिया, दुकान को तुरंत काम फिर से शुरू करने की इजाजत दी और स्नष्ठ को 30 दिनों के भीतर दुकान मालिक को 5 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया। हाई कोर्ट के फैसले के बाद अपने विभाग के फैसले का बचाव करते हुए स्नष्ठ कमिश्नर तुकाराम मुंडे ने कहा, यह सिर्फ कागजी नियमों की अनदेखी का मामला नहीं था, बल्कि फूड पॉइजनिंग की एक गंभीर घटना थी। इस दुकान से मिठाई खाने के बाद कई ग्राहक बीमार पड़े थे और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। लैब जांच में सैंपल असुरक्षित पाए गए थे। उन्होंने कहा, जनस्वास्थ्य के हित में उठाया गया हमारा कदम पूरी तरह सही था, इसमें कुछ भी गलत नहीं था। हम अपने स्टैंड पर कायम हैं। फिलहाल हम कोर्ट के लिखित आदेश का इंतजार कर रहे हैं। आदेश की समीक्षा करने के बाद हम अपने कानूनी अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे। तुकाराम मुंडे ने कहा, मुझे लगता है कि यह सच में बहुत जरूरी है। सपोर्ट के अलावा, हिस्सा लेना भी जरूरी है। मैंने पहले भी कहा था कि यह एक पब्लिक मूवमेंट बनना चाहिए। मुझे लगता है कि हम इस तरफ पहला कदम उठा रहे हैं। इसे एक हेल्दी और मजबूत इंडिया, एक सुपरपावर बनाना है, तो हमारे पास एक हेल्दी इंडिया होना चाहिए।

वशिष्ठ नगर योजना को शासन से मिली मंजूरी, स्टार्टअप्स को एलडीए देगा 50 एकड़ जमीन

लखनऊ, एजेंसी। आगरा एक्सप्रेसवे के निकट आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने व रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए वशिष्ठ नगर योजना के प्रस्ताव पर शासन की मुहर लग गई है। अब लखनऊ विकास प्राधिकरण योजना में स्टार्ट अप के लिए भारत सरकार के एमएसएमई विभाग को 50 एक? जमीन देगा। सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम स्थापित होने से क्षेत्र का आर्थिक विकास होने का अनुमान है।

मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के तहत आगरा एक्सप्रेसवे पर 6580 एक? क्षेत्रफल में वरुण विहार आवासीय योजना विकसित की जा रही है। इस क्षेत्र में ही वशिष्ठ नगर योजना आकार लेगी।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया, इसमें विशेष तौर से आर्थिक विकास को गति देने के लिए औद्योगिक, लाजिस्टिक व व्यावसायिक क्लस्टर नियोजित किए जाएंगे। मंगलवार को वशिष्ठ नगर योजना का प्रस्ताव शासन के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसे शासन ने मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के तहत स्वीकृत किया है। योजना आगरा एक्सप्रेसवे के पास 1035 एक? क्षेत्रफल में विकसित की जाएगी। इसके लिए ग्राम-रेवरी, भलिया, गहलवारा, आदमपुर इन्दवारा, बहरू व जलियामऊ की भूमि चिन्हित हुई है। आने वाले समय में योजना उत्तर प्रदेश स्टेट कैपिटल रीजन के विजन को साकार करते हुए राजधानी को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन से जोड़ेगी। उपाध्यक्ष ने बताया कि वशिष्ठ नगर में औद्योगिक, लाजिस्टिक व आर्थिक गतिविधियों के लिए नए जोन विकसित किये जाएंगे। एमएसएमई विभाग द्वारा संचालित सरदार वल्लभ भाई पटेल रोजगार एवं औद्योगिक क्षेत्र योजना के तहत 50 एकड़ भूमि पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम स्थापित होंगे। इससे राजधानी में स्टार्ट अप को ब?ावा मिलेगा और युवाओं को रोजगार, कौशल विकास और उद्यमिता के अवसर एक ही मंच पर मिलेंगे। वशिष्ठ नगर योजना आगरा एक्सप्रेसवे, मोहान रोड, लिंक एक्सप्रेसवे व वरुण विहार योजना जैसे महत्वपूर्ण कारिडोर से सीधे कनेक्ट होगी। इससे उद्योग, वेयरहाउसिंग, लाजिस्टिक्स एवं परिवहन क्षेत्र को सीधा लाभ मिलेगा। शासन की मंजूरी के बाद अब किसानों से सहमति व अन्य माध्यमों से भूमि जुटाव का कार्य शुरू किया जाएगा। भूमि लेने में लगभग 1328 करो? रुपये खर्च होंगे।

पंजाब लाए गए बंबीहा गैंग के 3 गुर्गे, मलेशिया में छिपे थे; हत्या-रंगदारी और विस्फोटक मामलों में थे वांटेड

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब पुलिस ने विदेश में छिपकर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे गैंग्स्टरो के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दविंदर बंबीहा गैंग से जुड़े तीन वांछित आरोपितों को मलेशिया से भारत लाने में सफलता हासिल की है। पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस विंग की ओवरसीज फ्यूजिटिव ट्रैकिंग एंड एक्सट्रैक्शन सेल (ओएफटीईसी) ने केंद्रीय एजेंसियों की मदद से तीनों का प्रत्यर्पण कराया। तीनों आरोपितों को दिल्ली के आइजीआइ एयरपोर्ट पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उन्हें पंजाब लाकर आगे की पूछताछ की जा रही है।पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपितों की पहचान जसप्रीत सिंह उर्फ जस बेहबल, अजय सिंह और पवंदीप सिंह के रूप में हुई है। तीनों के खिलाफ हत्या, रंगदारी, विस्फोटक से जुड़े मामलों के साथ-साथ लुधियाना में हैंड ग्रेनेड से धमाका करने की साजिश में भी तलाश थी। ग्रेनेड मामलों में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ से जुड़े तार भी सामने आए हैं। दो दर्जन से ज्यादा मामलों में वांछित होने की जानकारी पुलिस जांच में सामने आया है कि विदेश भागने के बाद आरोपित मलेशिया में छिपकर रह रहे थे। पंजाब में उनके खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार इन आरोपितों के खिलाफ दो दर्जन से अधिक मामलों में कार्रवाई और रिपोर्ट दर्ज होने की जानकारी है। अब भारत वापस लाए जाने के बाद पुलिस इनसे पूछताछ कर इनके पूरे नेटवर्क, विदेश में मदद करने वाले लोगों और पंजाब में सक्रिय साथियों के बारे में जानकारी जुटाएगी। पंजाब पुलिस महानिदेशक कार्यालय की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, ओएफटीईसी की टीम लगातार विदेशों में छिपे वांछित अपराधियों की निगरानी कर रही है। केंद्रीय एजेंसियों के समन्वय से मलेशिया में मौजूद इन तीनों आरोपितों का पता लगाया गया और उन्हें भारत लाने की प्रक्रिया पूरी की गई। तीनों आरोपितों की गिरफ्तारी को पंजाब पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता बताया है।

भारत टू-स्टेट फॉर्मूले का समर्थक

फलस्तीनी मंत्री से मिलीं सचिव प्रिया रंगनाथन, कहा- गाजा की स्थिति चिंताजनक

यरुशलम, एजेंसी। भारत ने फलस्तीन में बातचीत से दो-राज्य समाधान के लिए अपने लंबे समय से चले आ रहे समर्थन को दोहराया है। विदेश मंत्रालय की सचिव प्रिया रंगनाथन ने फलस्तीन लोगों के लिए देश के निरंतर समर्थन की पुष्टि की। रंगनाथन 16 से 21 अगस्त तक मिस्र, फलस्तीन और लेबनान की आधिकारिक यात्रा पर हैं।

मंगलवार को रंगनाथन ने फलस्तीन की विदेश मामलों और प्रवासी मंत्री वर्सेन अघाबेकियन शाहिन से मुलाकात की। उन्होंने गाजा में गंभीर मानवीय स्थिति पर भारत की चिंता व्यक्त की। भारत के प्रतिनिधि कार्यालय ने एक्स पर बताया कि दोनों पक्षों ने भारत-फलस्तीन द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। इसमें उनके व्यापक विकास सहयोग पहल भी शामिल थे। भारत ने बातचीत से दो-राज्य समाधान के लिए अपने समर्थन पर जोर दिया।

गाजा में मानवीय स्थिति को निरंतर सहायता और कूटनीति से सुलझाने का महत्व बताया। भारत इस्राइल और फलस्तीन के लिए मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर शांति से रहने वाले दो-

राज्य समाधान का समर्थन करता है। यह अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है। दोनों नेताओं ने फलस्तीन की वर्तमान स्थिति और गाजा के घटनाक्रम पर विशेष ध्यान दिया। मानवीय जरूरतों और भारत की विकास साझेदारी पर भी चर्चा हुई। रंगनाथन ने फलस्तीन लोगों और बातचीत से दो-राज्य समाधान के लिए भारत के निरंतर समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने शांति और स्थिरता के प्रयासों के लिए भारत के समर्थन को दोहराया। संवाद और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष के स्थायी राजनीतिक समाधान पर जोर दिया। बैठक के दौरान स्वास्थ्य, शिक्षा और क्षमता-निर्माण से संबंधित चल रही पहलों की भी समीक्षा की गई। फलस्तीनी विदेश मंत्री ने जनवरी 2026 में भारत की अपनी सफल यात्रा को याद किया। उन्होंने भारत के निरंतर समर्थन के लिए सराहना व्यक्त की। यह समर्थन विकास परियोजनाओं, क्षमता-निर्माण कार्यक्रमों और छात्रवृत्तियों के माध्यम से दिया जाता है।

अबू अल-दुहूर एयरबेस पर इस्राइली हमले से तनाव, क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा

यरुशलम, एजेंसी। सीरिया के इदलिब प्रांत स्थित अबू अल-दुहूर एयरबेस पर इस्राइली हवाई हमलों के बाद क्षेत्रीय तनाव बढ़ गया है। ने हमलों को सीरिया की संप्रभुता, अंतरराष्ट्रीय कानून और 1974 के डिसइंगेजमेंट एग्रीमेंट का उल्लंघन बताते हुए कड़ी निंदा की है। इस्राइल ने अपने कदम को सुरक्षा संबंधी चिंताओं से जोड़ा है, जबकि अमेरिका ने हमलों को अनावश्यक रूप से तनाव बढ़ाने वाला बताया है। सीरिया, जॉर्डन, कतर और तुर्की ने भी अलग-अलग तरीके से हमलों पर आपत्ति जताई है। एक बयान में के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह इस्राइली हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करता है। मंत्रालय ने ऐसी किसी भी कार्रवाई को पूरी तरह खारिज किया, जो सीरिया की सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा पैदा करती हो। मंत्रालय ने कहा, सीरिया की संप्रभुता के किसी भी उल्लंघन या उसकी सुरक्षा और स्थिरता के लिए पैदा किए जा रहे खतरों को पूरी तरह से खारिज करता है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि सीरियाई क्षेत्र में इस्राइल की ओर से लगातार किए जा रहे हमले अंतरराष्ट्रीय कानून और सीरिया तथा इस्राइल के बीच 1974 में हुए डिसइंगेजमेंट एग्रीमेंट यानी सेनाओं की वापसी संबंधी समझौते का खुला उल्लंघन हैं। मंत्रालय ने कहा, मंत्रालय ने सीरिया की स्थिरता और क्षेत्रीय अखंडता के समर्थन में,श्व के अडिग रुख को दोहराया। साथ ही, सीरियाई लोगों के साथ एकजुटता जताई और सुरक्षा, शांति, सम्मान, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व तथा विकास की उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के उद्देश्य से किए जा रहे सभी प्रयासों के लिए समर्थन व्यक्त किया।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सीरियाई क्षेत्र पर बार-बार हो रहे हमलों को रोकने और तनाव को और बढ़ने से रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने का भी आह्वान किया। अबू धाबी ने चेतावनी दी कि इस तरह की कार्रवाइयों से क्षेत्रीय तनाव बढ़ सकता है और क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता है। बयान में कहा गया,

अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सीरियाई क्षेत्र पर बार-बार हो रहे हमलों को रोकने और तनाव को बढ़ने से रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आह्वान किया। साथ ही, ऐसी किसी भी कार्रवाई को रोकने की अपील की, जो क्षेत्रीय तनाव को बढ़ा सकती है और क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकती है। नेतन्याहू कार्यालय ने बताया यथास्थिति का यह बयान इदलिब में अबू अल-दुहूर एयरबेस पर इस्राइली हमलों की खबरों के बाद आया। हमलों के बाद इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि इस्राइल और सीरिया सुरक्षा मामलों में यथास्थिति बनाए रखने पर सहमत हुए थे। एक्स पर एक पोस्ट में नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि सीरिया अलेप्पो के पास एक एयरबेस पर तुर्की सैनिकों को तैनात करने की अनुमति देकर इस समझौते को तोड़ने की कगार पर था। बयान में कहा गया, इस्राइल और सीरिया सुरक्षा मामलों में यथास्थिति बनाए रखने पर सहमत हुए थे, जिसे सीरिया अलेप्पो के पास एक एयरबेस पर तुर्की सैनिकों को तैनात करने की अनुमति देकर तोड़ने की कगार पर था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,